अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com
उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र
आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक
राष्ट्रीय प्रस्तावना
गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 240 लखनऊ, गुरुवार, 19 मार्च 2026 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

हुमायूं कबीर की पार्टी 182 सीटों पर लड़ेगी चुनाव, ममता के खिलाफ उम्मीदवार का ऐलान

कोलकाता। तृणमूल कंग्रेस से निष्कासित विधायक हुमायूं कबीर ने बुधवार को अपनी नई पार्टी जनता उन्नयन पार्टी के 15 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है। उन्होंने घोषणा किया कि उनकी पार्टी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में 182 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कहा कि उनकी पार्टी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ भवानीपुर सीट से एक मुस्लिम उम्मीदवार उतारेगी। पिछले वर्ष तृणमूल कंग्रेस से निष्कासित किए गए विधायक हुमायूं कबीर हाल के महीनों में मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक मस्जिद बनाने की अपनी योजना को लेकर चर्चा में रहे हैं, जिस पर राज्य की राजनीति में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिली थीं।संवाददाता सम्मेलन में कबीर ने कहा कि हम 182 सीटों पर उम्मीदवार दे रहे हैं।

विधानसभा चुनाव के लिए हर 70 मतदाता पर एक चुनाव कर्मी की तैनाती

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने पांच राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेश में चुनाव के विभिन्न चरणों को सुचारू और व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए 25 लाख से अधिक चुनाव कर्मियों को तैनात किया है। इन चुनावों में पात्र मतदाताओं की संख्या 17.4 करोड़ से अधिक है। यानी लगभग हर 70 मतदाता पर एक चुनावकर्मी तैनात है। चुनाव आयोग के अनुसार तैनात कर्मियों में लगभग 15 लाख मतदानकर्मी, 8.5 लाख सुरक्षाकर्मी, 40 हजार मतगणना कर्मी, 49 हजार सूक्ष्म पर्यवेक्षक, 21 हजार सेक्टर अधिकारी, मतगणना के लिए 15 हजार सूक्ष्म पर्यवेक्षक और अन्य अधिकारी शामिल हैं। आयोग के अनुसार 21 लाख से अधिक बीएलओ सहित जमीनी स्तर की चुनाव मशीनरी मतदाताओं के लिए फोन कॉल और ईसीआईएनईट ऐप पर बीएलओ को कॉल बुक करने की सुविधा के माध्यम से उपलब्ध है।

यूएई से 81 हजार टन कच्चा तेल लेकर गुजरात पहुंचा भारतीय टैंकर

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से करीब 81 हजार टन कच्चा तेल लेकर एक भारतीय टैंकर 'जग लाडकी' बुधवार को गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पर पहुंचा। बंदरगाह की संचालक कंपनी अडानी पोर्ट्स ने बताया कि 274.19 मीटर की लंबाई वाले और 50.04 मीटर चौड़े हल वाले इस टैंकर में 80,886 टन कच्चा तेल लाया गया है। यह यूएई के फुजैरा बंदरगाह से तेल भरकर रवाना हुआ था।

नौ साल में बॉटल नेक से ब्रेकथ्रू स्टेट बना उत्तर प्रदेश : योगी

योगी सरकार के नौ साल : नवनिर्माण के नौ साल थीम आधारित पुस्तिका का हुआ विमोचन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- यूपी में नौ वर्षों में जो परिवर्तन हुआ है, वह प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में ही सम्भव हो पाया : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य में इन नौ वर्षों में जो भी परिवर्तन हुआ है, वह प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में ही सम्भव हुआ है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं और जनता जनार्दन के सहयोग का प्रतिफल है। इन नौ साल में उत्तर प्रदेशा बॉटल नेक से ब्रेकथ्रू स्टेट बन गया है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा सरकार के नौ साल पूरे होने पर बुधवार को लोकभवन में'नवनिर्माण के नौ वर्ष' कार्यक्रम आयोजित किया

गया। इस मौके पर नवनिर्माण के नौ वर्ष शीर्षक से उपलब्धियों की एक पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले प्रदेश में नौकरी का विज्ञापन निकलते ही वसूली के लिए झोला लेकर महाभारत के सभी रिश्ते निकल पड़ते थे। अब इंफ्रास्ट्रक्चर, नौकरी, रोजगार, महिलाओं के लिए, दलितों, वंचितों और गरीबों के कल्याण को ध्यान में रखकर किये गए कार्य ने यूपी को फिर से पहचान दी है। उन्होंने कहा कि अगले नौ दिनों तक राज्य में अलग अलग थीम पर कार्यक्रम आयोजित होंगे। आगे के लिए हमारा विजन क्या होगा, इस पर भी चिन्तन करेंगे। नौ सालों में किये गए कार्यों को लेकर मंथन चिन्तन कर जनता के बीच जाएंगे। इन सभी मुद्दों पर नौ दिनों तक यह कार्यक्रम चले। उन्होंने अपील की कि हम युवाओं, श्रमिकों, गरीबों, महिलाओं के बीच इन विषयों और चर्चा करें। कल से त्योहार है। हम में खुशी है। किसी प्रकार का डर नहीं है। बेहतर सुरक्षा की वजह से बड़ा बदलाव हुआ है। आज लोग नव वर्ष पर और त्योहारों पर मंदिरों में जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पहली सरकार में 30 हजार पुलिस भर्ती करनी थी। ट्रेनिंग के लिए हमारे पास केवल तीन हजार वाला ट्रेनिंग सेंटर ही था। केंद्र से भी बात की। लेकिन भर्ती नहीं हो पा रही थी। मामला कोर्ट में होने की वजह से रुकावट आ रही थी। हमने कहा कि न्यायालय का आदर करते हुए भर्ती पूरी की जाए। 30 हजार युवाओं को नौकरी दी गयी। तीन वीरांगनाओं के नाम पर पीएसी बटालियन का गठन किया है। हर जिले में एक एक साइबर थाना और हेल्प डेस्क है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 से पहले सड़क में गड्ढा है या गड्ढे में सड़क, पता नहीं चलता है। आज उत्तर की कनेक्टिविटी अच्छी हुई है। गांव, तहसील, जिला और प्रदेश मुख्यालय कनेक्ट किये गए हैं। देश का पहला रोपवे काशी में बन रहा है। आज यूपी में 16 डोमेस्टिक एयरपोर्ट और चार अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा है। उत्तर प्रदेश आज इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदेश बना है। पहले कोई निवेशक नहीं आता था। 1947 से 2017 तक महज 14 हजार उद्योग थे। आज 31 हजार से अधिक उद्योग हैं। इसमें 65 लाख से अधिक लोग कम कर रहे हैं। यूपी में 96 लाख एमएसएमई इकाइयां कार्य कर रही हैं।

योगी ने कहा कि पहले वाले मुख्यमंत्री नोएडा नहीं जाते थे। उन्हें कुर्सी जाने का डर था। मुख्यमंत्री बनते ही मैं नोएडा गया। मैंने कहा कि कुर्सी रहे या जाए, मैं नोएडा जरूर जाऊंगा। आज नोएडा में फैक्ट्रियां लगी हैं। मोबाइल फोन नोएडा में बन रहे हैं। आज यूपी में 15 लाख करोड़ का ग्राउंड ब्रेकिंग किया जा चुका है। आज कृषि का साढ़े आठ से बढ़कर 18 फीसदी ग्रोथ रेट है। तीन लाख 16 हजार 895 करोड़ किसानों को गन्ना मूल्य का भुगतान किया गया। घटतौली बन्द हो गया है। अब किसानों को ठगा नहीं जा रहा है। बेटियों को नौकरी दी जा रही है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सुशासन के नौ साल पूरे होने के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई। आज का दिन प्रदेश के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। मुझे 2016-17 याद आती है जब तत्कालीन सपा सरकार के खिलाफ निर्णायक लड़ाई शुरू की थी। 12 से 17 तक मुख्यमंत्री रहे अखिलेश यादव जब कुर्सी छोड़े तब प्रदेश को बर्बाद कर चुके थे।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि नौ साल पहले राज्य में प्रवेश करते ही टूटी सड़कें मिलते ही कहते थे कि उत्तर प्रदेश आ गया है। बिजली कुछ जिलों में ही आती थी। बाकी प्रदेश में एक सप्ताह रात तो एक सप्ताह दिन में बिजली रहती थी। कानून व्यवस्था खराब थी। कहा जाता था कि यूपी गुंडों का राज्य है। मेडिकल कालेजों की संख्या तीन गुना से ज्यादा हो गए हैं। प्रदेश में पूरब से पश्चिम तक सड़कों पर वाहन हिचकोले नहीं लेते। आज बेटियां रात में भी बाहर निकल जा सकते हैं। पहले पांच बजे के बाद बेटियों को घर बुला लिया जाता था। आज प्रदेश में सबकुछ बदल चुका है।

इस मौके पर प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, मंत्री संजय निषाद, मंत्री अनिल कुमार, मंत्री बीबी रानी मौर्य, मंत्री आशीष पटेल और मंत्री ओमप्रकाश राजभर के साथ ही मुख्य सचिव एसपी गोएल, अपर मुख्य सचिव संजय प्रसाद मौजूद रहे।

केंद्र ने बाराबंकी-बहराइच के बीच 4-लेन एक्सेस कंट्रोल्ड हाई-वे को मंजूरी दी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए बाराबंकी से बहराइच के बीच 4-लेन एक्सेस कंट्रोल्ड राष्ट्रीय राजमार्ग-927 के निर्माण को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना पर कुल 6969.04 करोड़ रुपये की लागत आएगी और इसे हाइब्रिड एन्युटी मोड (एचएएम) के तहत विकसित किया जाएगा।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में इस परियोजना को स्वीकृति दी गई। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव बुधवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि करीब 101.515 किलोमीटर लंबा यह हाई-वे बाराबंकी और बहराइच जिलों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा। इस परियोजना से मौजूदा सड़क की ज्यामितीय कमियों, तीखे मोड़ों और शहरी क्षेत्रों में होने वाली भारी भीड़भाड़ की समस्या को दूर किया जाएगा। नया हाई-वे प्रमुख आबादी वाले क्षेत्रों को बाईपास करेगा, जिससे यात्रा का समय घटकर लगभग एक घंटा रह जाएगा। यह हाई-वे लखनऊ से रूपईडीहा कॉरिडोर का हिस्सा होगा और भारत-नेपाल सीमा तक सुगम संपर्क प्रदान करेगा। इससे रूपईडीहा लैंड पोर्ट तक पहुंच आसान होगी और दोनों देशों के बीच व्यापार और आवागमन को बढ़ावा मिलेगा।

विनियोग (2) विधेयक-2026 को लोकसभा की मंजूरी

नई दिल्ली। लोकसभा ने बुधवार को विनियोग (संख्या 2) विधेयक-2026 पारित कर दिया। इसके साथ ही सदन ने विभिन्न मंत्रालयों के लिए अनुदान मांगों को अपनी मंजूरी दे दी। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही 23 मार्च सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा ने विभिन्न मंत्रालयों के चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अनुदान मांगों को पारित कर दिया, जिसके तहत 53 लाख करोड़ रुपये से अधिक के व्यय को मंजूरी दी गई है। सदन ने 'गिलोटिन' प्रक्रिया का इस्तेमाल करते हुए अनुदान मांगों को पारित किया। सदन ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अनुरोध पर वित्त वर्ष 2026-27 के लिए विभिन्न मंत्रालयों और विभागों की अनुदान मांगें और उनसे संबंधित विनियोग विधेयक को बिना चर्चा के एक साथ मंजूरी दी।

राजनीति में 'फुल स्टॉप' नहीं होता: प्रधानमंत्री

- पीएम ने राज्यसभा में आयोजित विदाई समारोह को किया संबोधित

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को अप्रैल से जुलाई के बीच सेवानिवृत्त हो रहे राज्यसभा के 59 सदस्यों को विदाई देते हुए कहा कि राजनीति में कभी 'पूर्ण विराम' नहीं होता और जनसेवा का कार्य सदन के बाहर भी निरंतर जारी रहता है। उन्होंने कहा कि संसद केवल कानून बनाने का मंच नहीं, बल्कि एक 'ओपन यूनिवर्सिटी' है, जहां हर सदस्य को सीखने, विचार साझा करने और खुद को विकसित करने का अवसर मिलता है।

राज्यसभा में आयोजित विदाई समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सदन में विभिन्न विषयों पर होने वाली चर्चाओं में हर सदस्य का महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने स्वीकार किया कि कार्यकाल के दौरान खट्टे-मीठे अनुभव भी सामने आते हैं, लेकिन विदाई के समय सभी दलगत सीमाओं से ऊपर उठकर एक समान भावना व्यक्त करते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विदाई ले रहे कुछ सदस्य भविष्य में फिर से सदन में लौट सकते हैं, जबकि कुछ अपने अनुभवों के आधार पर सामाजिक जीवन में नए योगदान की दिशा में आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, ल्लजो सदस्य जा रहे हैं, उन्हें मैं कहना चाहता हूं कि राजनीति में कोई फुल स्टॉप नहीं होता है। भविष्य आपका इंतजार कर रहा है और आपका अनुभव राष्ट्र जीवन में हमेशा उपयोगी रहेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कुवैत के क्राउन प्रिंस से पश्चिम एशिया की स्थिति पर की चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबा अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबा से टेलीफोन पर बातचीत कर उन्हें आगामी ईद के पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की बदलती स्थिति पर विचार-विमर्श किया और हाल के घटनाक्रमों पर चिंता व्यक्त की।

पालम अग्निकांड: एक ही रास्ते ने ली 9 जिंदगियां

- मृतकों के परिजनों के लिए 10-10 लाख रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली का पालम इलाका बुधवार सुबह उस वक्त चीख-पुकार और अफरा-तफरी से भर गया, जब साध नगर की गली नंबर-2 स्थित एक चार मंजिली इमारत में भीषण आग लग गई। सुबह लगी इस आग ने कुछ ही मिनटों में पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में अब तक 9 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें तीन मासूम बच्चियां भी हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जिस वक्त आग लगी उस समय इमारत में रह रहे अधिकांश लोग गहरी नींद में थे। आग इतनी तेजी से फैली कि लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। बिल्डिंग के अंदर सिर्फ एक ही संकरा रास्ता था, जो बाहर निकलने का जरिया था, लेकिन दुर्भाग्यवश वहीं सबसे ज्यादा आग भड़क रही थी। कुछ ही देर में कमरों में जहरीला धुआं भर गया, जिससे लोगों का दम घुटने लगा। बालकनियों में खड़े लोग मदद के लिए चिल्लाते रहे, लेकिन लपटों की भयावहता के आगे कोई अंदर जाने की हिम्मत नहीं जुटा सका।

इस भयावह मंजर के बीच एक पिता का साहसिक कदम सामने आया। राजेंद्र कश्यप के बेटे अनिल ने अपनी एक साल की मिताली बच्ची को बचाने के लिए उन्हें दूसरी मंजिल से नीचे फेंक दिया। नीचे खड़े लोगों ने किसी बच्ची को संभालने की कोशिश की।

यूपी और केंद्र के बीच जल जीवन मिशन 2.0 पर समझौता

- ग्रामीण पेयजल व्यवस्था को मजबूती, जल जीवन मिशन 2.0 के साथ शुरू हुआ नया चरण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल की पहुंच को मजबूत करने की दिशा में बुधवार को एक अहम पहल हुई। जल जीवन मिशन (जेजेएम) 2.0 के तहत केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता मिशन के अगले चरण की औपचारिक शुरुआत है, जिसे हाल ही में केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी मिली है। यह एमओयू केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में वर्चुअल माध्यम से संपन्न हुआ।

बिलासपुर में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का विवादित बयान, बोले-

'योगी असली हिंदू नहीं, यूजीसी नियम को बताया राष्ट्रद्रोह

एजेंसी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के बिलासपुर में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सत्तारूढ़ दलों और केंद्र की नीतियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने गौरक्षा से लेकर यूजीसी के नए नियमों जैंसे कई मुद्दों पर सरकार को घेरा और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर भी विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा कि योगी असली हिन्दू नहीं हैं।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती बुधवार को पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। बातचीत के दौरान कई राजनीतिक और धार्मिक मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि वे लगातार गौ रक्षा का मुद्दा उठा रहे हैं, लेकिन सरकारें इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रही हैं। उन्होंने कहा कि उनकी आवाज को दबाने के लिए सत्तारूढ़ दल हिस्ट्रीशीटरों का सहारा ले रहे हैं। उनकी बात सुनने के बजाय उसे दबाने की कोशिश की जा रही है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ है। शंकराचार्य ने आरोप लगाया कि गौ रक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर सरकारें गंभीर नहीं हैं।

यूजीसी के नए नियमों को लेकर भी शंकराचार्य ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे 'हिंदुओं को बांटने वाला' और 'राष्ट्रद्रोह' करार देते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में इस कानून को लागू नहीं किया जाना चाहिए।

होर्मुज क्षेत्र में ईरानी मिसाइल ठिकानों पर अमेरिका ने गिराया बंकर-बस्टर बम

एजेंसी

पेरिस/वाशिंगटन। पश्चिम एशिया में 19 दिन से जारी सैन्य संघर्ष खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। अमेरिकी सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरानी मिसाइल ठिकाने पर बंकर-बस्टर बम से हमला करते हुए अपने सबसे शक्तिशाली हथियारों का इस्तेमाल किया है। इस ऑपरेशन में 5,000 पाउंड वजनी ल्लडीप पेनिट्रेटरङ्क बम का इस्तेमाल किया गया, जो मजबूत और भूमिगत सैन्य ठिकानों को नष्ट करने के लिए बनाए जाते हैं। इस बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो सहयोगियों की आलोचना करते हुए कहा कि अमेरिका को अब किसी बाहरी मदद की जरूरत नहीं है। वहीं इजरायल का दावा है कि उसने ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों को निशाना बनाकर बड़ा झटका दिया है, जिससे क्षेत्र में तनाव और गहरा गया है।

फ्रांस के प्रमुख समाचार पत्र ले मोंडे, अमेरिका के वॉल स्ट्रीज जर्नल और अन्य मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका ने एक बड़ी सैन्य कार्रवाई करते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरान के मिसाइल ठिकानों पर शक्तिशाली बंकर-बस्टर बमों से हमला किया है। अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकॉम) ने मंगलवार को बताया कि इस ऑपरेशन में 5,000 पाउंड वजनी ल्लडीप पेनिट्रेटरङ्क बमों का इस्तेमाल किया गया, जो मजबूत और भूमिगत सैन्य ठिकानों को नष्ट करने के लिए बनाए जाते हैं।

ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी अली लारीजानी की मौत की पुष्टि

तेहरान। ईरान ने बुधवार तड़के आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि उसके शीर्ष सुरक्षा अधिकारी और सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारीजानी की मौत हो गई है। परिषद सचिवालय ने स्थानीय समयानुसार बुधवार तड़के एक बयान जारी कर श्री लारीजानी के मारे जाने की घोषणा की। इस बयान में उन्हें ताउम्र सार्वजनिक सेवा करने वाला बताते हुए ''शहीद'' कहा गया है। इससे पहले मंगलवार को इजरायली रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा था कि उसके हमले में श्री लारीजानी मारे गए हैं लेकिन तब ईरान ने इस पर कोई प्रतिक्रिया या पुष्टि नहीं की थी। ईरान परिषद के अनुसार, श्री लारीजानी के साथ उनके बेटे और सुरक्षाकर्मियों सहित कई अन्य लोग भी मारे गए हैं। वक्तव्य में श्री लारीजानी के लंबे राजनीतिक करियर की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक ऐसी शख्सियत बताया गया जिसने जीवन के अंतिम क्षणों तक ईरान की प्रगति और बाहरी खतरों के खिलाफ एकजुटता के लिए काम किया।

नवरात्र में नारी शक्ति का महाअभियान, 19 मार्च से शुरू होगा 'मिशन शक्ति' का छठवां चरण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। चैत्र नवरात्र के पावन पर्व पर माँ दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की आराधना के साथ नारी शक्ति का उत्सव मनाया जाता है, उसी भावना को धरातल पर उतारते हुए प्रदेश में 'मिशन शक्ति' के छठवें चरण की शुरुआत 19 मार्च से होने जा रही है। यह अभियान बेटियों की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को जनआंदोलन में बदलने का संकल्प है। अभियान की सभी गतिविधियों की निगरानी सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से की जाएगी।इसके आलावा जिला और ब्लॉक स्तर पर अधिकारियों को नियमित समीक्षा की जिम्मेदारी दी गई है। बता दें कि 19 से 26 मार्च तक चलने वाले इस विशेष अभियान में

विद्यालयों से लेकर समाज तक व्यापक स्तर पर गतिविधियों के माध्यम से नारी सशक्तिकरण का संदेश पहुंचाया जाएगा। इस प्रयास को नारी सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। यह, बालिकाओं में आत्मविश्वास, जागरूकता और नेतृत्व क्षमता विकसित करने के साथ-साथ समाज में नारी सम्मान और समानता की संस्कृति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा। इस सम्बन्ध में बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह का कहना है कि मिशन शक्ति' अभियान का उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास, आत्मरक्षा और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करना है। नवरात्र के पावन अवसर पर यह अभियान नारी शक्ति के सम्मान और सशक्तिकरण को जनआंदोलन का रूप देने का प्रयास है, जिससे बेटियां सुरक्षित, सक्षम और आत्मनिर्भर बन सकें। अभियान को इस बार नवरात्र से जोड़ते हुए माँ दुर्गा के नौ रूपों के माध्यम से नारी शक्ति के विभिन्न आयामों को रेखांकित किया जाएगा। विद्यालयों में पोस्टर, चर्चा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से बेटियों में आत्मविश्वास और समाज में सम्मान का भाव विकसित किया जाएगा। प्रदेश के लगभग 1.32 लाख प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कम्पोजिट विद्यालयों में पोस्टर प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, रैली, भाषण, संवाद कार्यक्रम और फिल्म प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। इनमें प्रदेश की सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की बालिकाएं भी शामिल रहेंगी। बालिकाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण देने के साथ-साथ पुलिस विभाग के सहयोग से हेल्पलाइन नंबर, साइबर अपराध, क्क्ट प्रक्रिया और बाल विवाह जैसे मुद्दों पर जागरूक किया जाएगा। इसके साथ ही बालिकाओं को बैंकिंग प्रक्रिया, स्वयं सहायता समूह, कौशल प्रशिक्षण (सिलाई-कढ़ाई) आदि से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जाएगा। महानिदेशक, स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने कहा कि विद्यालय स्तर पर आयोजित होने वाली गतिविधियों के माध्यम से बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा और आत्मरक्षा के प्रति जागरूक किया जाएगा। 'मिशन शक्ति' अभियान बालिकाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने और उन्हें आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने का प्रभावी माध्यम बनेगा।

भारतीय नववर्ष के उपलक्ष्य में दो दिवसीय समारोह का आयोजन करेगा नववर्ष चेतना समिति

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय नववर्ष विक्रम संवत 2083 जो कि 19 मार्च (गुरुवार) से शुरुआत हो रही है। इसके उपलक्ष्य में नववर्ष चेतना समिति की ओर से दो दिवसीय समारोह का आयोजन बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय रायबरेली रोड, लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में किया गया है। समिति के अध्यक्ष डॉ. गिरीश गुप्ता व सचिव डॉ. सुनील अग्रवाल ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि मुख्य आयोजक नववर्ष चेतना समिति के साथ डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय एवं श्री श्याम परिवार, लखनऊ इस समारोह के सह आयोजक है। समारोह का उद्घाटन चैत्र शुक्ल प्रतिपदा विक्रम संवत 2083 (19 मार्च) को तथा समापन अगले दिन चैत्र शुक्ल द्वितीया, विक्रम संवत 2083 (20 मार्च) को होगा। उन्होंने बताया कि नवसंवत्सर 2083 की पूर्व संध्या पर 18 मार्च को विक्रम संवत्सर 2082 की विदाई के अवसर पर सायं 5 बजे खाटूश्याम मंदिर स्थित गोमती तट पर दीपदान एवं भजन संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसका संयोजन पुनिता अवस्थी, डॉ रंजना द्विवेदी और डॉ संगीता शुक्ला के मार्गदर्शन में होगा। अध्यक्ष श्री गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम (1932-2082 विक्रमी/1875-2025 ई) के डेढ़ सौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारत सरकार नवम्बर 2025 से नवम्बर 2026 तक पर राष्ट्रव्यापी जश्न मना रही है। ऐसे में नववर्ष चेतना समिति के लिए भी यह साल विशेष है। उन्होंने बताया कि नवसंवत्सर समारोह के प्रथम दिन के कार्यक्रम का आयोजन सायं 5 बजे से बाबासाहब डॉ भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय रायबरेली रोड, लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में किया जायेगा। समारोह में महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानन्द जी महाराज को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। इस दौरान समिति की वार्षिक पत्रिका नव चैतन्य के इस वर्ष के अंक जो कि वन्दे मातरम सार्धशती विशेषांक के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है, का लोकार्पण होगा। पहले दिन के कार्यक्रमों की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह करेंगे। मुख्य वक्ता के तौर पर राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री, भारतीय इतिहास संकलन योजना संजय जी, विशिष्ट अतिथियों के रूप में विधान परिषद सदस्य पवन सिंह चौहान और बाबासाहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य राजकुमार मित्तल को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम के स्वागताध्यक्ष की जिम्मेदारी नववर्ष चेतना समिति के उपाध्यक्ष सुधीर एस हलवासिया निभाएंगे। इस दिन के कार्यक्रमों का संयोजन डॉ हरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, रिटायर्ड आईएएस मणि प्रसाद मिश्रा, डॉ अजय सिंह कुशवाहा और कमलेन्द्र मोहन द्वारा किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

कुलदीप-वंशिका की रिसेप्शन पार्टी में लगा राजनीति और खेल जगत के दिग्गजों का जमावड़ा

लखनऊ। भारत के मशहूर चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव की शादी का मंगलवार को लखनऊ में भव्य रिसेप्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। राजनीति और खेल जगत की विभिन्न हस्तियों से सजी इस महफिल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ-साथ भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर सहित खेल जगत की कई हस्तियां शामिल हुईं। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के होटल 'द सेंट्रम' में आयोजित इस आलीशान रिसेप्शन पार्टी में कुलदीप अपनी दुल्हन वंशिका के साथ रोल्स-रॉयस विंटेज कार में सवार होकर पहुंचे। इस मौके पर कुलदीप ने काले रंग का बंद गला सूट तो वहीं वंशिका ने क्रीम रंग की साड़ी पहनी थी। फुटेज के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद देने के लिए पहुंचे और इस दौरान कुलदीप ने उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इसके अलावा समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव भी रिसेप्शन में पहुंचे। इस दौरान कुलदीप और वंशिका ने उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया। अखिलेश ने इस मौके पर नवविवाहित दंपति के साथ फोटो भी खिंचवाई। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना भी रिसेप्शन पार्टी में पहुंचे और कुलदीप को गले लगाकर उन्हें बधाई दी। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने भी रिसेप्शन पार्टी में पहुंच कर नवविवाहित दंपति को शुभकामनाएं दी। शास्त्रीय संगीत की सुगम धुन के बीच आयोजित रिसेप्शन पार्टी में बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला, गंभीर, भारत के स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा, विस्फोटक बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल, विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन भी शामिल हुए। कुलदीप ने वंशिका सिंह के साथ 14 मार्च को उत्तराखंड के मसूरी में शादी की थी।

करियर को लेकर धैर्य रखें युवा: कपिल देव

लखनऊ। कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल ने वृहद रोजगार मेला-2026 का उद्घाटन किया, जिसमें हजारों युवाओं को नौकरी के अवसर मिलेंगे। कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए कौशल दृष्टि, कौशल दर्पण और कौशल दोस्त नामक डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किए गए। उन्होंने कहा कि कौशल दृष्टि एक मोबाइल एप्लिकेशन है जो प्रशिक्षण केंद्रों की वास्तविक समय में निगरानी करता है, कौशल दर्पण एक एआई-आधारित डैशबोर्ड है जो कौशल विकास से संबंधित जानकारी को एकीकृत करता है, और कौशल दोस्त एक चौटबॉट है जो उपयोगकर्ताओं को तत्काल सहायता प्रदान करता है। श्री अग्रवाल ने युवाओं को कौशल, आत्मविश्वास, प्रभावी संचार कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया।उन्होंने युवाओं को यह भी सलाह दी कि वे अपने करियर को लेकर धैर्य रखें और बेहतर अवसर के बिना नौकरी छोड़ने से बचें।सरकार का लक्ष्य युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाला उद्यमी बनाना है। उत्तर प्रदेश सरकार रोबोटिक्स, ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, 3डी प्रिंटिंग, सोलर एनर्जी और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान कर रही है।वर्तमान में लगभग 350 आईटीआई संचालित हैं, जिनमें से 22 नई आईटीआई चालू हो गई हैं और अगले सत्र में 30 और आईटीआई शुरू करने की योजना है। रोजगार मेले में डिजिटल पंजीकरण के लिए क्यूआर कोड आधारित व्यवस्था लागू की गई, 15,000 से अधिक रिक्त पदों पर चयन प्रक्रिया आयोजित की गई, जिसमें 2,500 युवाओं को रोजगार मिलने की संभावना है। दिव्यांग व्यक्तियों, महिलाओं 'जीरो पॉवर्टी' श्रेणी के उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी गई।

आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट अभ्यर्थियों ने राज्यमंत्री का आवास घेरा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट अभ्यर्थियों ने लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन किया। मंगलवार को हजरतगंज में प्रदर्शन के बाद आज बुधवार को आयुष राज्यमंत्री दयाशंकर मिश्र के आवास का घेराव किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने अभ्यर्थियों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया। अभ्यर्थियों का कहना है कि 2024 की भर्ती प्रक्रिया में देरी हो रही है। वैकेंसी का फॉर्म भरवाने के बाद मामला कोर्ट में चला गया।

लखनऊ में 733 किलोग्राम गांजा संग दो तस्कर गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की स्पेशल टॉस्क फोर्स (एसटीएफ) ने लखनऊ स्थित मोहनलालगंज इलाके से दो तस्कर को गिरफ्तार किया है। उनके वाहन को जब्त करने पर उसमें से 733 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। जब्त गांजे की अन्तरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1.83 करोड़ रुपये आंकी गई है। पुलिस उपाधीक्षक धर्मेश कुमार शाही ने बुधवार को बताया कि एक सूचना के आधार पर एसटीएफ टीम ने मोहनलालगंज के बाबा ढाबा के सामने से एक वाहन कंटनेर (एचआर 55 डब्ल्यू 3217) को कब्जे में लेते हुए उसमे सवार दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया। एसटीएफ के पूछताछ में अभियुक्तों ने अपना नाम बांदा जिले के ग्राम मर्दन नाका निवासी विनोद कुशवाहा और हमीरपुर जिले के जितेंद्र शिव हरे बताया। उन्होंने यह भी बताया कि उनका एक संगठित गिरोह है, जो

अन्तराज्यीय स्तर पर अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करता है। उड़ीसा, आंधप्रदेश में अच्छी क्वालिटी का गांजा पाया जाता है जिसे गैंग के सरगना कम दामों पर खरीदकर उत्तर प्रदेश और बिहार में महंगे दाम पर बेचा जाता है। हम लोग इस काम में गैंग के सरगना की मदद करते हैं। आज भी 733 किलोग्राम गांजा एक कंटेनर में भरकर ला रहे थे, तभी मोहनलालगंज के पास हमे पकड़ लिया गया। एसटीएफ के पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि कंटनेर समेत माल को जब्त कर लिया गया है। अग्रिम कार्रवाई के लिए अभियुक्तों को मोहनलालगंज थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

उप्र के मुख्यमंत्री योगी के नौ साल : उत्साह से उत्सव मना रही भाजपा, मायूसी में विपक्ष

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार के नौ साल पूरे होने पर उत्सव और उत्साह का माहौल है। बुधवार को लोकभवन में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री योगी ने अपनी कैबिनेट और नेताओं के साथ उपलब्धियां गिनायी कि कैसे उपद्रव प्रदेश को उत्सव प्रदेश में बदला है, तो वहीं विपक्ष में हताशा और निराशा दिख रही है। आपसी राजनीति में उलझे विपक्षी दलों के पास अब न तो कोई मुद्दा है और न ही उन्हें वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में कोई चमत्कार होने की उम्मीद दिख रही है।

भारतीय जनता पार्टी ने वर्ष 2017 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव की सरकार उखाड़ फेंकी थी। तब भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए 325 सीटें हासिल की थी, जबकि समाजवादी पार्टी 50 सीट से नीचे ही अटक गयी थी। इस ऐतिहासिक जीत के बाद गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ को 18 मार्च 2017 प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया था। तब उत्तर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष केशव प्रसाद मौर्य और दिनेश शर्मा को उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया गया। योगी आदित्यनाथ ने मार्च 2017 से मार्च 2026 में नौ साल का उपलब्धियों भरा कार्यकाल पूरा किया है। नौ साल पूरे होने पर लखनऊ में बुधवार को लोकभवन में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ॒नव निर्माण के 9 वर्षङ्क पुस्तक का विमोचन करते हुए कहा कि वर्ष 2017 से पहले माफिया राज और भ्रष्टाचार, पलायन और बीमारु राज्य की पहचान वाला उत्तर प्रदेश अब बदल चुका है। यह उपद्रव प्रदेश से उत्सव प्रदेश की यात्रा है। आत्मनिर्भर और विकसित उत्तर प्रदेश बन चुका है, जहां युवाओं का पलायन नहीं होता बल्कि सीएम युवा उद्यमी योजना से लाखों युवा अपने सपने पूरे कर रहे हैं। माफिया राज का खात्मा और कानून व्यवस्था का राज बनाने की सफलता का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर ऐसा प्रहार किया कि सपा जैसे दल सफाई देना तो दूर बचाव करने की स्थिति में नहीं हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरल और सहज कार्य संस्कृति से जनकल्याणकारी योजनाएं तेजी से बढ़ रही हैं, लेकिन वे आक्रामक शैली में विपक्ष की खामियां गिनाते हैं तो समूचा विपक्ष असहाय सा हो जाता है। जब वे अपने भाषण में वर्ष 2017 से पहले वाले उत्तर प्रदेश के माफिया राज की चर्चा करते हैं तो लोग सहज भरोसा करते हैं और सपा पलटवार करने की छोड़िये, बचाव तक नहीं कर पाती है। बहू-बेटियों की सुरक्षा जैसे मुद्दों पर विपक्ष पूरी तरह से चित रहता है। योगी के भाषण में ऐसी घटनाओं और तथ्यों का उल्लेख होता है कि विपक्षी दल सिर्फ सुनते हैं। बजट सत्र में कुछ ऐसा ही हुआ, जब उन्होंने चुन-चुन कर सपा के कारनामों का सदन में जिक्र कर अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनायी थीं। लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ के राजनीति शास्त्र विभागाध्यक्ष प्रोफ़ेसर संजय गुप्ता की नजर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कार्यशैली एक परिपक्व और मंझे हुए भारतीय नेता की है। वे कहते हैं कि योगी की स्पष्टवादिता और सख्त फैसले लेने की छवि उन्हें लोकप्रिय जननेता के रूप में स्थापित करती है। मुख्यमंत्री योगी के नौ साल के कार्यकाल में भ्रष्टाचार और माफियाओं पर प्रहार हुआ और कानून का राज हुआ। बहू-बेटियों को सुरक्षा और युवाओं के पलायन पर रोक लगाना बड़ी उपलब्धि है। प्रो. संजय गुप्ता का कहना है कि योगी के रूप में प्रदेश को एक ऐसा नेता मिला है जो प्रदेश के 25 करोड़ लोगों को ही अपना परिवार मानता है।

एकजुट है एनडीएः उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सभी घटक दल पूरी तरह से एकजुट हैं। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा), निषाद पार्टी, अपना दल (सोनेलाल) और राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के विधायक योगी सरकार में शामिल हैं। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर उत्साहित हैं और ऐतिहासिक जीत के लिए काम कर रहे हैं। इसकी एक बानगी लखनऊ में बुधवार को आयोजित समारोह में भी दिखी, जिसमें सहयोगी दल प्रमुखता से शामिल हुए।

उप्र राज्यपाल ने चैत्र नवरात्र और हिन्दू नववर्ष पर प्रदेशवासियों को बधाई दी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने हिन्दू नववर्ष और चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। अपने बधाई संदेश में राज्यपाल ने कहा कि नवरात्र के नौ दिवस आत्मशुद्धि, संयम और नवचेतना के प्रतीक हैं। यह पर्व हमें अधर्म पर धर्म, अज्ञान पर ज्ञान तथा असत्य पर सत्य की विजय का संदेश देता है। उन्होंने कामना की कि समस्त प्रदेश एवं देशवासियों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य का संचार हो तथा हमारा राष्ट्र निरंतर प्रगति, सद्भाव और उन्नति के पथ पर अग्रसर रहे। उन्होंने कहा कि नव संवत्सर हर हृदय में नव उमंग, नव विश्वास और नव संकल्प का प्रकाश फैलाए। यह नववर्ष हमारी प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर की जड़ों को और सुदृढ़ करते हुए हमें एकता, सद्भाव और प्रगति के पथ पर अग्रसर करें। हम सब मिलकर इस नववर्ष को नए सपनों, सकारात्मक ऊर्जा और लोककल्याण के संकल्पों के साथ अभिनंदित करें, ताकि हमारा समाज और राष्ट्र निरंतर प्रगति के उज्ज्वल पथ पर अग्रसर रहे।

रामपुर बना शत-प्रतिशत फार्मर आईडी बनाने वाला प्रदेश का पहला जिला

- उप्र में अब तक 1,99,42,798 किसानों की फार्मर आईडी बनी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के किसानों की शत प्रतिशत फार्मर आईडी बनाने का कार्य 31 मार्च तक जारी रहेगा। ऐसे में किसानों के घर-घर जाकर फार्मर आईडी बनाई जा रही है। वहीं रामपुर जिला प्रशासन ने निर्धारित तिथि से पहले ही किसानों की 100 प्रतिशत फार्मर आईडी बनाने का लक्ष्य पूरा कर लिया है। रामपुर जिला प्रशासन ने शत-प्रतिशत फार्मर आईडी बनाने में पहला स्थान प्राप्त किया है जबकि दूसरे स्थान पर गाजियाबाद और तीसरे स्थान पर अंबेडकरनगर हैं। उत्तर प्रदेश में 2,88,70,495 किसानों की फार्मर आईडी बनाने का लक्ष्य है। इसके सापेक्ष अब तक 1,99,42,798 फार्मर रजिस्ट्री बनाई जा चुकी हैं। रामपुर के जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने

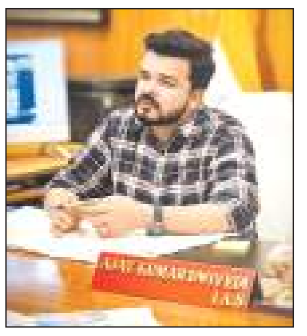

बुधवार को बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप जिले में शत-प्रतिशत फार्मर आईडी बनाने के लिए एक जनवरी से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे में लक्ष्य को हासिल करने के लिए अन्नदाताओं को जागरूक करने के लिए किसान गोष्ठी, गांवों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, होर्डिंग, ग्राम पंचायत स्तर पर खुली चौपाल का आयोजन किया गया। इसके साथ ही वॉल पेंटिंग एवं प्रचार वाहन के जरिये प्रचार-प्रसार किया गया। साथ ही राजस्व, कृषि, पंचायती राज, ग्राम्य विकास एवं गन्ना विभाग के कर्मचारियों को किसानों के घर-घर जाकर फार्मर आईडी बनाने के निर्देश दिए गये। जिलाधिकारी ने बताया कि वह खुद प्रत्येक सप्ताह अभियान की समीक्षा करते हैं। इस दौरान अच्छा कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया गया जबकि कम प्रगति वाले कर्मचारियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की गई। डीएम ने बताया कि रामपुर को 31 मार्च तक फार्मर रजिस्ट्री का कुल लक्ष्य 2,09,828 निर्धारित किया गया था। इसके सापेक्ष 17 मार्च तक शत प्रतिशत फार्मर आईडी बनाने का लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया। रामपुर ने लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत 2,09,828 फार्मर आईडी बनाई जा चुकी है। इसी के साथ रामपुर ने प्रदेश में शत प्रतिशत फार्मर आईडी बनाने में पहला स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी रामपुर प्रदेश में सर्वप्रथम 50 प्रतिशत फार्मर रजिस्ट्री को पूर्ण कर प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर चुका है। इसके अलावा गाजियाबाद ने निर्धारित लक्ष्य 38,909 के सापेक्ष अब तक 36,598 फार्मर आईडी बनाकर पूरे प्रदेश में दूसरा तथा अंबेडकरनगर ने 31 मार्च तक निर्धारित लक्ष्य 3,42,847 के सापेक्ष 3,10,145 फार्मर आईडी बनाकर तीसरा स्थान प्राप्त किया है। वहीं टॉप टेन में औरैया, बाराबंकी, फर्रुखाबाद, हरदोई, कन्नौज, मीरजापुर और बिजनौर ने अपनी जगह बनाई है।

यह हैं फार्मर रजिस्ट्री के लाभ

- किसान सम्मान निधि योजना का बिना बाधा लाभ प्राप्त होगा।
- कृषकों को उर्वरक सुविधाजनक एवं निर्धारित मूल्य पर प्राप्त होगा।
- किसान क्रेडिट कार्ड प्राप्त करने में अभिलेखों के सत्यापन की बाध्यता समाप्त होगी।
- राज्य एवं केन्द्र सरकार की नवीन योजना में शामिल होने के लिए बार-बार अभिलेखों के सत्यापन से मुक्ति मिलेगी।
- एग्रीस्टैक में सम्मिलित होने पर डिजीटल क्रॉप सर्वे के माध्यम से एमएसपी पर उत्पादों की बिक्री सुविधाजनक एवं त्वरित होगी।

बंद घरो में चोरी करने वाले गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर इलाके में पुलिस ने चोरी की कई वारदातों का खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है, जबकि एक नाबालिग को संरक्षण में लिया गया है। आरोपियों के पास से करीब 31 ग्राम सोने और 2 किलो चांदी बरामद हुई है। गोमती नगर एसीपी ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि शहीद पथ अंडरपास के पास विनीतखण्ड सब्जी मंडी के नजदीक कुछ अज्ञात युवक खड़े है। दबिश देकर आरोपी को पकड़ा गया। जांच के दौरान सामने आया कि ये आरोपी गोमतीनगर ही नहीं, बल्कि विभूतिखंड समेत शहर के कई इलाकों में चोरी की घटना को अंजाम दे चुके हैं। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने साथी के साथ रात में पॉश कॉलोनियों में घूमते थे। जिन घरों में ताला लगा मिलता, उनमें गेट फांदकर घुस जाते और जेवर व कीमती सामान चोरी कर फरार हो जाते। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सोने की चेन, अंगूठी, झुमके, कंगन और लॉकेट सहित कई सामान बरामद किए हैं। इसके अलावा करीब 2 किलो चांदी के बर्तन, पायल, सिक्के भी मिले है।

उत्तर प्रदेश के बाझेरा और भौकापुर की महिलाएं प्रस्तुत करती है सशक्तिकरण के लिए उद्यमिता का बेहतरीन उदाहरण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- प्रमाणित करता है कि जब महिलाएं 'सपने देखने का साहस' करती हैं, तो सतत आजीविका कैसे निर्मित की जा सकती है

लखनऊ। महिला उद्यमियों, सामुदायिक नेताओं, सरकारी प्रतिनिधियों और स्थानीय निवासी 'डेयर टू ड्रीम (सपने देखने का साहस)' नामक कार्यक्रम में एक साथ आए। इस कार्यक्रम का आयोजन एक्सेस डेवलपमेंट सर्विसेज ने अमेज़न इंडिया के सहयोग से किया जिसका उद्देश्य महिला नेतृत्व वाले उद्यमों और सामुदायिक पहलों को प्रोत्साहित करना था।

महिला दिवस 2026 के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में एक्सेस डेवलपमेंट सर्विसेज द्वारा महिलाओं की आजीविका को मजबूत करने के लिए संचालित संयुक्त सामाजिक उद्यम पहल के दो वर्ष पूरे होने का भी जश्न मनाया गया। 'एंटरप्रेन्योरशिप फॉर इनेबलमेंट' कार्यक्रम को अमेज़न इंडिया द्वारा अपने सामुदायिक सहभागिता के प्रयासों के हिस्से के रूप में समर्थन दिया जा रहा है। यह पहल लखनऊ जिले के बाझेरा और उन्नाव जिले के भौकापुर में अमेज़न के परिचालन स्थलों के आसपास के समुदायों में स्थानीय आजीविका और महिला सशक्तिकरण के अवसरों को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। इस सहयोगात्मक सामाजिक उद्यम मॉडल ने निम्नलिखित क्षेत्रों में महत्वपूर्ण व ठोस प्रभाव दर्ज किए है, जिनमें शामिल हैंः 400 से अधिक महिला उद्यमियों ने अपने व्यवसायिक परिणामों में सुधार किया, 3,500 से अधिक सामुदायिक सदस्यों को डिजिटल और वित्तीय साक्षरता से सशक्त किया गया है, जिससे अब उन्हें सरकारी सुविधाओं का लाभ मिल रहा हैः मौजूदा उद्यमियों के बिक्री राजस्व में 20-30% की वृद्धि, मौजूदा उद्यमियों की आय में 20-50% की वृद्धि, स्थापित किए प्रत्येक नए उद्यम से 35,000 रुपये से 45,000 रुपये तक वार्षिक राजस्व, 25 महिला नेता (बुद्धिमनी दीदियां) सामुदायिक प्रतिनिधि के रूप में सक्रिय योगदान दे रही है। इस अवसर पर बोलते हुए एक्सेस डेवलपमेंट सर्विसेज के उपाध्यक्ष सुदीप्तो साहा ने कहा, ''उत्तर प्रदेश में हमारी परियोजनाएं और कार्य बहुत उत्साहजनक रहे हैं। यहां की महिलाएं यह साबित करती हैं कि सही मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, मॅटरिंग और कोचिंग मिलने पर हर व्यक्ति एक सफल उद्यमी बन सकता है। आस-पास के गांवों की 400 से अधिक महिला लाभार्थियों की उद्यमी के रूप में सफलता इस का प्रमाण है कि वे न केवल 'डेयर टू ड्रीम' करती हैं बल्कि अपने सपनों को साकार करने का साहस भी रखती हैं। अमेज़न इंडिया के एएमजेडएल इंडिया ऑपरेशंस के निदेशक सलीम रफीक मेमन ने कहा, ''अमेज़न में, हम सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के ढांचे और भारत के विकसित भारत 2047 विजन के अनुरूप, महिलाओं को उनके जीवन और आजीविका में बदलाव लाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उत्तर प्रदेश की महिलाएं हमारे महिला उद्यम मॉडल के विस्तार की

दिशा तय कर रही हैं। महिलाओं के उद्यम और आर्थिक विकास के लिए एक सहायक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के अपने प्रयास में, कार्यक्रम ने व्यावसायिक कौशल विकास पहलों को महत्वपूर्ण रूप से समर्थन दिया है, और वर्तमान में इस कार्यक्रम से जुड़ी लगभग 54% महिला उद्यमियों ने व्यावसायिक नवाचारों और विस्तार को अपनाना शुरू कर दिया है। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के संयुक्त प्रबंध निदेशक जनमजय शुक्ला ने कहा, ''यह देखकर बेहद खुशी होती है कि अमेज़न इंडिया अपने साझेदार एक्सेस डेवलपमेंट सर्विसेज के साथ मिलकर कितना प्रभावशाली काम कर रहा है। महिलाओं को आत्मनिर्भर उद्यमी के रूप में स्थापित होते देखना, अपनी आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त करना और रोजगार प्रदान करना भी उत्तर प्रदेश के लिए वास्तव में गर्व का क्षण है। समारोह में महिला एवं बाल विकास विभाग की केंद्र प्रशासक अर्चना सिंह, लखनऊ के भाटगांव की प्रधान तारा रावत और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में सार्थक संवाद, कार्यशालाएं, महिला लाभार्थियों द्वारा बनाए गए उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री के साथ-साथ मनोरंजन और खेल गतिविधियां भी आयोजित की गई। उत्तर प्रदेश के लखनऊ और उन्नाव की महिलाएं इस बात का प्रमाण हैं कि सही मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर 'डेयर टू ड्रीम' की सोच वास्तविकता में बदली जा सकती है। एक्सेस डेवलपमेंट सर्विसेज के बारे मेंः एक्सेस डेवलपमेंट सर्विसेज एक राष्ट्रीय स्तर की गैर-सरकारी संस्था (एनजीओ) है, जिसे डीएफआईडी (ब्रिटेन सरकार) के सहयोग से स्थापित किया गया है और इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है। एक्सेस का मुख्य उद्देश्य गरीबी में जी रहे लोगों के लिए सतत आजीविका को बढ़ावा देने हेतु नवाचारों को विकसित करना है। उनके कार्यक्रम देश के 15 राज्यों में लागू किए जा रहे हैं, जिनसे 7,26,000 से अधिक परिवारों को लाभ मिल रहा है और ये सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप हैं। वैश्विक, क्षेत्रीय और स्थानीय हितधारकों के साथ सहयोग को बढ़ावा देकर एक्सेस वित्तीय लचीलापन और सुरक्षा को प्रमुख परिणामों के रूप में बढ़ावा दे रहा है। एक्ससे ने समावेशी वित्त के क्षेत्र में प्रैक्टिस कम्युनिटी का निर्माण करते हुए, प्रमाण-आधारित कार्य विकसित करके, क्षेत्रीय और वैश्विक कार्यक्रमों का आयोजन करके, विचारशील नेतृत्व को प्रोत्साहित करते हुए एक पेशेवर टीम का गठन करते हुए वर्षों से मजबूत क्षमताएं विकसित की हैं।

महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा तथा रोजगार पर बल देकर आत्म निर्भर बनाया: रजनी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। प्रदेश सरकार के नव निर्माण के तहत 9 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर राज्य मंत्री उच्च शिक्षा रजनी तिवारी, सभापति याचिका सभापति अशोक अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रेमावती, विधायक सवायजपुर माधवेन्द्र सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, नगर पालिका अध्यक्ष सुखसागर मिश्रा तथा जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी सहित जन प्रतिनिधियों व अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिती मे भव्य कार्यक्रम का आयोजन गांधी भवन हाल में किया गया कार्यक्रम का शुभारम्भ अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती प्रेमावती व अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के नव निर्माण पर 09 वर्ष पर आधारित लघु फिल्म का सजीव प्रसारण दिखाया गया , तथा मुख्यमंत्री के उद्बोधन को मंत्री, जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों, कर्मचारियों, लाभार्थियों द्वारा देखा सुना गया।

कार्यक्रम में राज्यमंत्री उच्च शिक्षा रजनी तिवारी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा तथा रोजगार पर बल देकर आत्म निर्भर बनाया है और जनपद की महिलाये शिक्षा के साथ रोजगार अपनाकर आर्थिक रूप से मजबूत बन रही है तथा प्रदेश सरकार ने बालिकाओं की जन्म से लेकर शिक्षा का भी नि:शुल्क प्रबन्ध किया है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन नौ वर्षो में जनप्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन के सहयोग से जनपद में कई महत्वपूर्ण कार्य करायें गये है जिससे आम जनता को राहत मिली है। एमएलसी अशोक कुमार अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार ने हर गरीब एवं जरूरत मंद लोगों को गरीबी रेखा के नीचे से उठाकर एवं विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त कराकर स्वालंबी बनाया है। विधायक सवायजपुर माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू ने कहा कि प्रदेश सरकार ने नौ वर्षो में सबसे अधिक स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, परिवहन एवं विद्युत के क्षेत्र में काम कर आम जनमानस को राहत दी है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की डबल इंजन की सरकार ने देश के युवक एवं युवतियों को आत्म निर्भर बनाने के लिए उद्योगों की स्थापना कर युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया है और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आम लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। कार्यक्रम में जिलाधिकारी अनुनय झा ने कार्यक्रम में आये अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से जनपद के गरीब एवं पात्र लोगों को लाभान्वित कराया जा रहा है और जनपद में व्यापक स्तर पर विकास कार्यो के साथ हाईवे आदि के निर्माण कराये जा रहे है। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री युवा रोजगार, महिला बाल विकास एवं पुष्टाहार, आजीविका मिशन, नेडा, पंचायती राज, पीएम स्वनिधि, प्रधानमंत्री आवास के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र तथा दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल वितरित की। इसके उपरान्त जनप्रतिनिधियों ने गांधी भवन परिसर में लगी विभिन्न विभागों की तथा सूचना विभाग की प्रर्दशनी का फीताकाट कर उद्घाटन किया तथा खाद्य एवं रसद, स्वास्थ्य, कृषि, उद्यान, मत्स्य, नेडा, डूडा, जन निगम, उद्योग, सूचना विभाग, खादी ग्रामोद्योग, आईटीआई आदि विभागों द्वारा लगाये गये स्टालों का अवलोकन किया। इस अवसर पर मंत्री एवं जिला पंचायत अध्यक्ष ने गर्भवती महिलाओं की गोद भराई का कार्यक्रम भी संपन्न हुआ । कार्यक्रम में प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम, डीसी मनरेगा, डीडी कृषि, जिला पंचायत राज अधिकारी सहित अन्य अधिकारी, गणमान्य व्यक्ति एवं लाभार्थी आदि उपस्थित रहे।

एल.पी.जी. वितरक महासंघ द्वारा जिलाधिकारी से भेंट कर, एलपीजी वितरण व्यवस्था में सुधार का अनुरोध किया गया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। बुधवार को एल.पी.जी. वितरक महासंघ हरदोई द्वारा सदस्य राष्ट्रीय परिषद व् क्षेत्रीय महामंत्री भाजपा अवध क्षेत्र अनु मोर्चा पीके वर्मा के नेतृत्व मे एल.पी.जी. वितरण व्यवस्था को उपभोक्ता की सुविधानुसार कराये जाने हेतु जिलाधिकारी हरदोई अनुनय झा को से भेंट कर कर वितरण व्यवस्था मे सुधार करने का अनुरोध किया गया।

इस अवसर पर एल.पी.जी. वितरक महासंघ पदाधिकारियों द्वारा जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि वर्तमान में जारी एल.पी.जी. वितरण व्यवस्था जैसे 100 प्रतिशत डी.ए.सी., 100 प्रतिशत होम डिलिवरी के कारण एल.पी.जी. का वितरण आवश्यक गति से नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण प्रत्येक ऐजेन्सी का बैंक लॉक बढ़ता जा रहा है। इससे न केवल एल.पी.जी. वितरक बल्कि एलणपीजीएल.पी.जी. अकारण परेशान हो रहे है। इसी क्रम में महासंघ पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी से नवरात्रि व् रमज़ान पर्व के दृष्टिगत वितरकों व् उपभोक्ताओं की सुविधानुसार आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान करने का निवेदन किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से निवर्तमान जिलाध्यक्ष भाजपा उन्नाव अवधेश कटियार, संगठन जिलाध्यक्ष हरदोई अमित कुमार, जनार्दन सिंह, अरविन्द सिंह, धीरज कुमार वर्मा, पंकज शुक्ला व् मोहित कुमार सिंह सहित वितरक महासंघ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हत्या का प्रयास और उकसाने की धाराओं को कोर्ट ने रद्द करने का दिया आदेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। शहर में रंजना होटल के बाहर अधिवक्ताओं के साथ हुई मारपीट मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रिचा वर्मा ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने मामले में लगाई गई हत्या का प्रयास और हत्या के लिए उकसाने की धाराओं को आधारहीन मानते हुए हटाने का आदेश दिया है। अदालत के इस फैसले से रंजना होटल के मालिक अनुराग शुक्ला समेत चार आरोपियों को बड़ी राहत मिली है।

बीती चार जनवरी की रात शहर में रंजना होटल के बाहर विवाद हो गया था। अधिवक्ता दीपक पाल ने शहर कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोपियों में रंजना होटल के मालिक अनुराग शुक्ला, तातिन उर्फ शशांक त्रिवेदी, रामकृपाल और उमाकांत कश्यप शामिल थे। प्राथमिकी के आधार पर विवेचक ने चारों के खिलाफ गंभीर धाराओं में रिमांड मांगी थी। इसके बाद इन सभी को जेल भेज दिया गया था। इसमें एक आरोपी की जमानत हो चुकी है जबकि तीन जेल में बंद हैं। इसके बाद पुलिस ने धारदार हथियार से चोट पहुंचाने समेत दो धाराओं को बढ़ाने का प्रार्थना पत्र न्यायालय में दाखिल किया था। बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं विवेक मिश्रा और आलोक अवस्थी ने इसका विरोध करते हुए मेडिकल साक्ष्य और सीसीटीवी फुटेज पेश किए। न्यायालय ने पत्रावली का अवलोकन करते हुए बताया कि अधिवक्ता दीपक पाल को आई चोटें प्राणघातक नहीं थीं। मरीज सामान्य रूप से घायल था इसलिए, तीन दिन बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। नेत्र रोग विशेषज्ञ ने भी आंखों की जांच को सामान्य बताया था। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि सीसीटीवी फुटेज में रुपयों के लेनदेन को लेकर बहस और गाली-गलौज सुनाई दे रही है। कोर्ट ने टिप्पणी की कि अभियुक्त पेशेवर होटल व्यवसायी है और बिना किसी रंजिश के ग्राहकों को जान से मारने का उनका कोई इरादा साक्ष्यों से प्रतीत नहीं होता। सुप्रीम कोर्ट के फैसले की दी नजीर सीजेएम रिचा वर्मा ने कहा कि रिमांड स्वीकार करने से पहले मजिस्ट्रेट को अभियुक्त की स्वतंत्रता की रक्षा की आवश्यकता को भी देखना चाहिए। कोर्ट ने माना कि धारा 109 (1) हत्या का प्रयास और 110 (भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता) गंभीर चोट पहुंचाना को लगाए रखने का कोई ठोस आधार नहीं है। हालांकि, नाक में फ्रैक्चर के आधार पर धारदार हथियार से वार किए जाने और जानबूझकर चोट पहुंचाने की धाराएं बरकरार रखी हैं।

जामा मस्जिद में हुआ रोज़ा इफ्तार का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। मुकद्दस रमज़ान माह की रहमतों और बरकतों के बीच हरदेवगंज स्थित जामा मस्जिद में एक भव्य रोज़ा इफ्तार कार्यक्रम का आयोजन इस साल भी किया गया। इस आयोजन की अगुवाई अंजुमन इस्लामिया के सदर मोहम्मद खालिद ने कीए जिनके प्रयासों से बड़ी संख्या में रोज़ेदारों और स्थानीय लोगों ने इफ्तार में शिरकत की। इफ्तार से पहले मस्जिद परिसर में खासा उत्साह और रौनक देखने को मिली। रोज़ेदारों के लिए खजूरए फलए शरबत व अन्य पारंपरिक व्यंजनों का विशेष इंतज़ाम किया गया था। अज़ान होते ही सभी ने एक साथ रोज़ा इफ्तार किया और अल्लाह का शुक्र अदा किया। इसके बाद जामा मस्जिद में मुफ्ती आफ्ताब आलम ने नमाज़ अदा की कराई, जिसमें मुल्क में अमनए भाईचारे और तरक्की के लिए दुआ मांगी गई। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि इसमें हर वर्ग और समुदाय के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे आपसी सौहार्द और एकता की मिसाल पेश हुई। अंजुमन इस्लामिया के पदाधिकारी ने बताया कि ऐसे आयोजन समाज में प्रेमए भाईचारे और इंसानियत को मजबूत करने का माध्यम बनते हैं। इस अवसर पर मोहम्मद खालिद ने कहा कि रमज़ान का महीना हमें सब्रए रहमदिली और एक-दूसरे की मदद करने का पैगाम देता है, और इसी भावना के तहत यह इफ्तार आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दी अंजुमन इस्लामिया के सदर मोहम्मद खालिद एडवोकेट, हफ़ीज़ अहमद खान जनरल सेक्रेटरी, एइंतज़ार हुसैन इराकी खजांची, फर्रूख राशिद, नायब सदर, करमे इलाही आमिर किरमानी डॉक्टर नसीम अहमद प्रोफेसर अम्मार अंसारी खन्ना, तनवीर अहमद, शाद भाई, रियासत खान, आदि लोग और शहर के गणमान्य नागरिक, समाजसेवी व अंजुमन इस्लामिया के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। आयोजन को सफल बनाने में सभी का सराहनीय योगदान रहा।

अवैध कब्जा और निर्माण का आरोप, महिला ने प्रशासन से लगाई गुहार

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जिले के संडीला थाना क्षेत्र के बरौनी (अशरफ टोला) गांव में जमीन पर अवैध कब्जा और निर्माण को लेकर विवाद सामने आया है। पीड़िता मुन्नी देवी पत्नी मुन्ना ने प्रशासन को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता का आरोप है कि वह अपने पैतृक संपत्ति में हिस्सेदार है, लेकिन परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा उसकी हिस्सेदारी की जमीन पर जबरन कब्जा कर निर्माण कार्य कराया जा रहा है। मुन्नी देवी के अनुसारए संबंधित लोग बिना उसकी सहमति के मकान निर्माण कर रहे हैंए जिससे उसके अधिकारों का हनन हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार विरोध करने के बावजूद निर्माण कार्य नहीं रोका गया। पीड़िता का कहना है कि इस मामले में कुछ लोगों ने दबाव बनाकर जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की है। मुन्नी देवी ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच कर अवैध निर्माण को रोका जाए और उसकी हिस्सेदारी की जमीन को सुरक्षित कराया जाए।

■ हरदोई के संडीला क्षेत्र का मामला, हिस्सेदारी की जमीन पर जबरन निर्माण का आरोप

ट्रेन में हार्ट अटैक से युवक की मौतए स्थानीय लोगों ने पेश की मानवता की विशाल’

कछौना (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। दून एक्सप्रेस में सफर के दौरान एक हृदय विदारक घटना सामने आई है, जहाँ पश्चिम बंगाल से हरिद्वार इलाज कराने जा रहे एक चालीस वर्षीय युवक की ट्रेन में ही मौत हो गई। मृतक की पहचान दुर्योधन निवासी धरमू टोला जिला मणिक चौक पश्चिम बंगाल के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चालीस वर्षीय दुर्योधन अपने ससुर और पत्नी के साथ दून एक्सप्रेस से हरिद्वार स्थित बाबा रामदेव के अस्पताल में हृदय रोग का उपचार कराने जा रहे थे। यात्रा के दौरान दलेलनगर और बालामऊ रेलवे स्टेशनों के बीच उन्हें अचानक दिल का दौरा पड़ा। सूचना मिलते ही आरपीएफने सक्रियता दिखाते हुए युवक को ट्रेन से नीचे उतारा और तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कछौना पहुँचायाए जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक का परिवार अत्यंत निर्धन है। अस्पताल में मौजूद पत्नी और ससुर के पास शव को वापस पश्चिम बंगाल ले जाने के लिए पर्याप्त धन नहीं था। परिवार की इस दयनीय स्थिति को देखते हुए स्थानीय लोगों व समाजसेवियों ने आर्थिक मदद की। समाजसेवियों की इस छोटी सी मदद से अब शव को उसके पैतृक गाँव पहुँचाने की व्यवस्था की जा सकी हैए ताकि मृतक का अंतिम संस्कार सम्मानपूर्वक हो सके! मृतक के परिजनों ने स्थानीय लोगों का नम आँखों से आभार प्रकट किया!

मृतक दुर्योधन का फाइल फोटो

एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया आयोजित

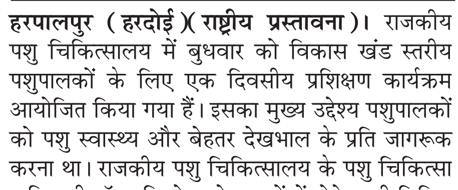

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। राजकीय पशु चिकित्सालय में बुधवार को विकास खंड स्तरीय पशुपालकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया हैं। इसका मुख्य उद्देश्य पशुपालकों को पशु स्वास्थ्य और बेहतर देखभाल के प्रति जागरूक करना था। राजकीय पशु चिकित्सालय के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ० हरि मोहन ने पशुओं में होने वाली विभिन्न बीमारियों, उनके लक्षणों और बचाव के उपायों पर विस्तृत जानकारी पशुपालकों को दी। उन्होंने पशुपालकों को सलाह दी कि बीमारी के लक्षण दिखने पर बिना देरी किए चिकित्सक से परामर्श लें और किसी भी तरह की लापरवाही न बरतें। डॉण् हरि मोहन ने सरकार द्वारा पशुपालकों के हित में चलाई जा रही सरकारी योजनाओं के बारे में भी बताया ताकि वे उनका लाभ उठा सकें। इस अवसर पर अवनीश पांडेयए रामरहीस, संजीव कुमार, अजय कुमार, हरिनाम सिंह और महेश सिंह सहित कई पशुपालक उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने की छापेमारी

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कस्बे समेत समूचे कटियारी इलाके में अवैध रूप से संचालित अस्पतालों और पैथोलॉजी लैबों के खिलाफमंगलवार की शाम को स्वास्थ्य विभाग ने कड़ा रुख अपनाया। विभाग की टीम द्वारा की गई अचानक छापेमारी से अवैध संचालकों में हड़कंप मच गया। कार्रवाई की भनक लगते ही कई क्लीनिक संचालक अपने संस्थानों में ताला जड़कर मौके से फरार हो गए। मंगलवार को नोडल अधिकारी डॉक्टर अजीत मणि नीलम और सीएचसी अधीक्षक डॉक्टर आनंद पांडेय के नेतृत्व में स्वास्थ्य टीम ने कस्बे के तीन अस्पतालों सहित कई अन्य केंद्रों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की। टीम के अचानक पहुंचने से क्षेत्र के झोलाछाप और अवैध अस्पताल संचालकों में अफरा-तफरी का माहौल रहा। नोडल अधिकारी डॉक्टर अजीत मणि नीलम ने बताया कि निरीक्षण के दौरान कई खामियां पाई गई हैं। टीम ने तीन प्रमुख अस्पताल संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इन सभी को एक सप्ताह के भीतर अपने वैध अभिलेख और पंजीकरण संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। संतोषजनक जवाब न मिलने पर इन संस्थानों को सील करने की कार्रवाई की जाएगी।

किशोरी ने खाया ज़हरीला पदार्थ

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। थाना क्षेत्र के एक गांव में एक किशोरी ने जहरीला पदार्थ खा लिया जिससे उसकी हालत बिगड़ने लगी।हालांकि परिजनो ने उसे इलाज के आनन फानन में इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया। जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के चौधरियापुर गांव निवासी राधेश्याम की लगभग 15 वर्षीय पुत्री ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खा लिया, जिसके बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी। बिगड़ती हालत को देखते हुए परिजन रुचि को बेहोशी हालत में इलाज के लिए सीएचसी ले गए। जहां पर उसका इलाज जारी है। डॉक्टर अजीत मणि नीलम ने बताया कि किशोरी की हालत में काफफी सुधार है और वह खतरे से बाहर है।

माँ गंगा की अविरल धारा में आस्था की डुबकी लगाई

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। चैत्र अमावस्या के पावन पर्व पर बुधवार को क्षेत्र के चियासर गंगा घाट पर श्रद्धा और विश्वास का अनूठा संगम देखने को मिला। हर-हर गंगे के जयघोष के साथ हजारों भक्तों ने पतित पावनी माँ गंगा की अविरल धारा में आस्था की डुबकी लगाई। भोर होते ही घाट पर श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हो गया था, जो दोपहर तक निरंतर जारी रहा। क्षेत्र के दूर-दराज के गांवों से आए गंगा स्नानार्थियों ने ब्रह्म मुहूर्त में ही गंगा तट पर पहुंचकर स्नान किया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसारए चैत्र अमावस्या पर गंगा स्नान और दान का विशेष आध्यात्मिक महत्व है। स्नान के पश्चात श्रद्धालुओं ने तट पर विधि-विधान से पूजन किया और पितरों की आत्मशांति के लिए तर्पण व सामर्थ्य अनुसार दान.पुण्य किया। घाट पर उमड़ी भारी भीड़ के चलते मेले जैसा माहौल नजर आयाए जहाँ सुरक्षा की दृष्टि से स्थानीय प्रशासन भी मुस्तैद दिखा। गहरे पानी की ओर जाने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई थी ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। दोपहर तक चियासर घाट मार्ग श्रद्धालुओं की आवाजाही से पूरी तरह गुलजार बना रहा।

मारपीट में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत, परिजनों ने की कठोर कार्यवाही की मांग

कासिमपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मामूली कहासुनी का विवाद इतना बढ़ गया है की बात गाली गलौज और मारपीट पर उतर आई! जिसमें दो पक्षो के बीच हुई हिंसक झड़प में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसकी लखनऊ में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई! वहीं पुलिस ने आरोपियों गिरफ्तार कर लिया है! प्राप्त जानकारी के अनुसार कासिमपुर थाना क्षेत्र के बंथरखेड़ा गाँव निवासी राम बेटी पत्नी फूलचंद ने बताया कि रविवार को उसके पति फूलचंद पुत्र मंगलू के साथ विपक्षीगण चंदा पुत्र विक्रम और दिनेश ने नशे की हालत में गाली गलौज करते हुए मारपीट की! जिसमें उनके पति फूलचंद को गंभीर चोटे आईं! गंभीर रूप से घायल को आनन फ़ानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेंहदर ले जाया गया! जहां मरीज की हालत को गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज हेतु चिकित्सकों ने घायल को मेडिकल कॉलेज लखनऊ रेफर कर दिया! जहाँ इलाज के दौरान फूलचंद की मृत्यु हो गई! घटना से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है! परिजन दोषियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की माँग कर रहे है! क्षेत्राधिकार संतोष कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर गिरफ्तार कर लिया गया है एवं अग्रिम विधिक कार्यवाही जारी है!

युवक तमंचा सहित गिरफ्तार, जेल भेजा गया

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक युवक को तमंचा सहित गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा जनपद में अवैध शस्त्र के निर्माण, बिक्री, परिवहन करने वाले अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना पिहानी के उप निरीक्षक कैलाश चंद्र यादव और पुलिस बल द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त युद्धवीर उर्फ खिलाड़ी पुत्र वीरेश कुमार निवासी ग्राम दरियाबाद थाना पसगवां जनपद खीरी को एक तमंचा 12 बोरए एक जिन्दा कारतूस 12 बोर सहित गिरफ्तार किया गया। थाना पिहानी प्रभारी निरीक्षक ने बताया आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

फोटो खींचने का विरोध करने पर लहूलुहान किया

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मंझिला थाना क्षेत्र के चरनजीत पुर गांव में लड़कियों के फोटो खींचने का विरोध करने पर दबंग युवकों ने डंडों से हमला करके एक ग्रामीण का सिर फोड़ कर लहू लोहान कर दिया। घटना की नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई गई। घायल का डाक्टरी परीक्षण कराया गया। कमलेश पुत्र राम रतन निवासी चरनजीत पुर मजरा भोगीपुर ग्रांट के अनुसार विकास पुत्र अर्जुन लाल लड़कियों के फोटो खींच रहा था जिसका उसने विरोध किया। विरोध करने पर दोपहर ०3:00 बजे विकास, आसाराम, अवधेश ने उसके ऊपर डंडों से हमला कर दिया जिससे उसका सिर फट गया और वह लहूलुहान हो गया। घायल का डाक्टरी परीक्षण कराया गया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया आरोपियों की तलाश की जा रही है।

19 मार्च से प्रारंभ हो रहे हैं नवरात्रि, माता के मंदिरों में दिखाई पड़ेगी अपार भीड़

राष्ट्रीय प्रस्तावना

मल्लावाँ (हरदोई)। 19 मार्च 2026 से चैत्र नवरात्रि शुरू हो रही हैए जिसमें 3 विशेष दुर्लभ संयोग बन रहे हैं। माँ दुर्गा पालकी में आ रही हैंए जो सुख.समृद्धि का प्रतीक है। सीएम योगी ने शक्ति की पूजा और नारी सशक्तिकरण का संदेश दिया है। 72 साल बाद अमावस्या और प्रतिपदा का विशेष संयोग होने के कारण यह नवरात्रि अत्यंत फलदायी मानी जा रही है नवरात्रि के प्रारंभ होते ही पूरे भारतवर्ष में माता के प्रति सभी भक्तों में आस्था का भाव दिखाई देता है वही उत्तर प्रदेश में भी प्रमुख स्थान पर माता के मंदिरों में भक्तों की अपार भीड़ दिखाई देती है मल्लावां क्षेत्र में भी यह त्यौहार बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया जाएगा इसको त्यौहार ही कहा जाए क्योंकि 9 दोनों तक माता की जयकारे लगाते रहते हैं विशेष कर मंदिरों में भक्तों का सुबह जाएगा इसको त्यौहार ही कहा जाए क्योंकि 9 दिनों तक माता की जयकारे लगाते रहते हैं विशेष कर मंदिरों में भक्तों का सुबह शाम आना.जाना लगा रहता है दुर्गा मंदिरए माता मान देवी मंदिर फूलमती माता मंदिर गायत्री मंदिर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ लगी रहती है वैसे भी मंदिरों के मामलों में मल्लावां को छोटी काशी के नाम से जाना जाता है विशेष तौर पर माता मान देवी के दरबार में मंदिर कमेटी के अध्यक्ष राजेश पाठक के द्वारा विशेष सजावट करवाई जाती है जिससे कि माता का मंदिर भव्य और आकर्षक दिखने लगता है यहां पर दूर.दूर से लोग माता से अपनी अरदास लगाने के लिए आते हैं सुबह शाम यहां पर बहुत ही भीड़ रहती है और माता के जयकारों से पूरा प्रांगण गुंजायमान हो जाता है।

बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ एसोसिएशन ने जोरदार विरोध प्रदर्शन आयोजित किया

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। यूपी बैंक एम्प्लॉइज यूनियन हरदोई इकाई के बैनर तले बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ एसोसिएशन ने शाम कार्यदिवस की समाप्ति पर बैंक ऑफ इंडिया के अंचल कार्यालय, हरदोई पर जोरदार विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। प्रदर्शन के उपरांत मांगों को लेकर एक ज्ञापन यूनियन नेताओं ने बैंक के अंचल प्रबंधक किरण पाठक को दिया। यह प्रदर्शन बैंक प्रबंधन की कर्मचारी.विरोधी नीतियों और द्विपक्षीय समझौतों के उल्लंघन के खिलाफ फेडरेशन ऑफ बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ यूनियंस के आह्वान पर किया गया। फेडरेशन ने बैंक ऑफ इंडिया में 30 मार्च 2026 को राष्ट्रव्यापी हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है। प्रदर्शनकारियों को सम्बोधित करते हुए यूपीबीईयूए हरदोई इकाई के सेक्रेटरी राकेश पाण्डेय ने कहा कि यदि बैंक प्रबंधन द्वारा इन मुद्दों का शीघ्र समाधान नहीं किया गयाए तो आंदोलन को और अधिक व्यापक एवं तीव्र रूप दिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसकी पूरी जिम्मेदारी बैंक प्रबंधन पर होगी। यूनियन के जिलाध्यक्ष व बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ एसोसिएशन के प्रान्तीय उपाध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय ने कहा कि शाखाओं और सेवा केंद्रों में क्लर्क एवं अधीनस्थ स्टाफ की भारी कमी के बावजूद पदों को रिक्त रखनाए जिससे कार्यभार असंतुलित हो रहा है और ग्राहक सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। एक्स.ग्रेशिया मेडिकल स्कीम के तहत भुगतान एवं बफर जारी करने में भेदभावपूर्ण रवैया अपनाना।यूनियन के संयुक्त मंत्री व बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ एसोसिएशन के उपमहामन्त्री वीर बहादुर सिंह ने कहा कि स्पेशल पे पदों को लंबे समय से **प्रतिस्थापन की अनुपलब्धता** के नाम पर खाली रखना, जिससे कर्मचारियों के अधिकारों का हनन हो रहा है। अत्यावश्यक परिस्थितियों में भी अवकाश स्वीकृत न करना और कर्मचारियों को जबरन बिना वेतन अवकाश पर कर दिया जाता है। यूनियन के उपाध्यक्ष व बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ एसोसिएशन के सहायक महामन्त्री आनंद वर्मा ने कहा कि कई मामलों में वार्षिक वेतन वृद्धि और स्टैग्नेशन इंक्रीमेंट को अनुचित आधार पर रोके रखा जा रहा है। कर्मचारियों के वैध दावों को मामूली कारणों से अस्वीकार किया जा रहा है, जिससे कर्मचारियों में व्यापक असंतोष फैल रहा है। प्रदर्शनकारियों में विभिन्न बैंको से अजय मेहरोत्रा, कौशलेंद्र शुक्ला, गौरव सिंह, अनिल कुमार, मो0 असलम, विपिन गुप्ता, अमित पाण्डेय, संतोष कुमार, आशुतोष, संदीप, रोहित, केशन, योगेंद्र पाल, अजय यादव, सुभाष पांडे, कैलाश बाजपेई, मनोज कुमार, उत्कर्ष गुप्ता मौजूद रहे।

बच्चों को दोबारा स्कूल लाने के लिए चलेगा शारदा अभियान

कोथावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। खंड शिक्षा अधिकारी कृष्ण कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में कोथावां बीआरसी भवन में अध्यापकों की कार्यशाला हुई। जहां अध्यापक अंतर्यामी बाजपेई ने बताया सात से 14 वर्ष के आउट ऑफस्कूल बच्चों को दोबारा स्कूलों में दाखिला कराया जाएगा। कहा बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा में लाने के लिए शारदा कार्यक्रम चलाया जाएगा। इस योजना के तहत आउट ऑफस्कूल बच्चों को चिह्नित कर ऐसे बच्चों को प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में उनकी उम्र के हिसाब से कक्षा में दाखिला मिलेगा। बताया कि आउट ऑफ स्कूल व ड्राप आउट बच्चों को दोबारा स्कूल लाने के लिए मुहिम शुरु हो गई है। इसके शुरुआती दौर में जिले में प्रशिक्षित किए गए अध्यापकों द्वारा विद्यालयों के अध्यापकों को तैयार कर अभियान को अंतिम रूप दिया जाएगा। अध्यापक गांव में ऐसे बच्चों को चिन्हित करेंगे जिन्होंने किसी वजह से स्कूल छोड़ दिया है। ऐसे बच्चों को चिन्हित कर उन्हें विशेष प्रशिक्षण देकर उनकी उम्र के हिसाब से कक्षा में शामिल करने में मदद मिलेगी। बच्चों को प्रशिक्षण देने के लिए स्कूलों में नोडल शिक्षक तैनात किए जाएंगे। जिससे स्कूल से छूटे हुए बच्चों को दोबारा शिक्षा से जोड़ा जा सकेगा। बच्चों के शैक्षिक स्तर का मूल्यांकन करने के बाद आयु के हिसाब से पढ़ाई कराने के लिए विशेष प्रशिक्षण उसी विद्यालय परिसर में दिया जाएगा, जहां बच्चा नामांकित किया जाएगा। विशेष प्रशिक्षण के दौरान कक्षा के अन्य बच्चों के साथ शैक्षणिक व भावनात्मक रूप से जुड़ने योग्य बनाने के लिए नोडल अधिकारी तैयार किए जा रहे हैं। इस दौरान कार्यक्रम व्यवस्थापक आरपी पंकज रस्तोगी, शिव मूर्ति त्रिपाठी, संदर्भदाता दिवस शुक्ला, महेंद्र प्रताप सिंह, करुणेद्र प्रताप सिंह, संजय कुमार, श्याम कुमार मिश्रा, राजीव कुमार मौजूद रहे।

बाजारों में नवरात्र से पहले उमड़ी भीड़

पिहानी (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कस्बे में शारदीय नवरात्र से पहले बाजारों में भारी भीड़ उमड़ रही है। माता रानी की चुनरीए कलश और अन्य पूजा सामग्री की बिक्री चरम पर है। मंदिरों में भी सजावट और साफ-सफाई का काम पूरा हो चुका है, जिससे श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। कस्बे के प्रमुख बाजारों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ देखी जा रही है। स्थानीय दुकानदार अनिल पटवा ने बताया, पिछले सालों की तुलना में इस बार बिक्री दोगुनी हो रही है। लोग नवरात्र शुरू होने से पहले ही चुनरी और कलश खरीदने आ रहे हैं। पूजा की तैयारियों में महिलाएं विशेष रूप से सक्रिय हैं। पूजन सामग्री खरीद रहीं अंकिता वर्मा ने कहाए ष्हम हर साल नवरात्र बड़ी श्रद्धा से मनाते हैं, और इस बार सभी तैयारियां बेहद सुंदर और व्यवस्थित लग रही हैं। वहीं, मंदिरों में भी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। गायत्री मंदिर के पुजारी पंडित देवेंद्र मिश्रा ने जानकारी दी, हमने मंदिर की सफाई और सजावट पूरी कर ली है। हम हर भक्त के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस प्रकार, पिहानी में शारदीय नवरात्र की तैयारियां पूरे जोर-शोर से चल रही हैं, जहां हर कोने में भक्ति और उत्साह का संगम दिखाई दे रहा है।

संविलियन विद्यालय तेरवा के छात्र ने नवोदय में पाया दाखिला

भरावन (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। विकासखंड भरावन स्थित परिषदीय विद्यालय संविलियन तेरवा के छात्र दिवाकर यादव ने नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय के शिक्षकों के साथ अपने माता.पिता का भी नाम गौरवान्वित किया है विद्यालय की विद्यालय की इंचार्ज अल्का मिश्रा ने बताया कि यह बच्चा काफी मेहनती है इसको सभी ने उचित मार्गदर्शन कर तैयार किया है उसके पिता हरिशंकर हुआ माता सरोजिनी भी उसे कुछ लायक बना देखना चाहते हैं अब यह कक्षा 12 तक नवोदय विद्यालय में नि:शुल्क अपनी पढ़ाई पूर्ण कर सकेगा शिक्षक नलिनाक्ष, मोहिनी, प्रतिभा ने बच्चों को मिष्ठान खिलाकर माल्यार्पण कर उत्साहित किया।

चार बच्चों ने राष्ट्रीय आय एवं योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण की

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। ब्लॉक के पूर्व माध्यमिक विद्यालय आगमपुर के चार छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित परीक्षा 2025 सफलता अर्जित की है। यह जानकारी देते हुए विद्यालय के विज्ञान अध्यापक एच एल राजपूत ने बताया परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों में जूली, हिमांशु कश्यप, शिवांशु एवं प्रभात शामिल है । उन्होंने बताया छात्र-छात्राओं को शासन से प्रतिमाह रूपये 000 के हिसाब से 4 वर्ष तक छात्रवृत्ति प्राप्त होगी। यानि प्रत्येक छात्र को 48,000 की धनराशि छात्रवृत्ति के रूप में मिलेगी। अध्यापक होरीलाल राजपूत के मार्ग निर्देशन में उक्त छात्र-छात्राओं ने यह सफलता अर्जित की है। उन्होंने सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा छात्र-छात्राओं को मेहनत और लगन के साथ पढ़ना चाहिए। मेहनत और लगन से कोई भी सफलता अर्जित की जा सकती है। उन्होंने कहा विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने यह परीक्षा पास करके विद्यालय का ही नहीं बल्कि शहर तथा जनपद का नाम गौरवान्वित किया है। वह उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

नौ माताओं के महापर्व के साथ हिंदू नव वर्ष की शुभकामनाएं

नवरात्रि का पहला दिन यानी प्रतिपदा तिथि मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप माता शैलपुत्री को समर्पित माना जाता है। इस दिन जौ (जवार) बोने तथा कलश स्थापना पूजन के साथ ही देवी का पूजन किया जाना शुभ माना जाता है। यह भी शास्त्रों में लिखा गया है कि प्रथम दिवस में माता की पूजा करते समय आराधक यदि लाल, गुलाबी ,नारंगी और रानी रंग के कपड़े पहन कर पूजा करने से माता का संपूर्ण आशीर्वाद प्राप्त होता है। द्वितीय दिवस यानी नवरात्रि के दूसरे दिन अत्यंत दिव्य देवी ब्रह्मचारिणी की उपासना का विधान है सिद्धि के लिए इस दिन मां की उपासना करते समय सफ़ेद,पीले रंग के कपड़े पहनना शुभ माना जाता है एवं इस पवित्र दिन में आराधना करने से मनवांछित इच्छाओं की प्राप्ति होती है। तृतीय दिवस में बाघ पर सवार स्वर्ण के समान रंग एवं छटा वाली मां चंद्रघंटा की पूजा की जाती है।इस दिन पीला, लाल, दूधिया या केसरिया रंग कपड़े पहनना शुभ माने जाते हैं एवं इन रंगों के कपड़े पहनकर देवी की आराधना करने से उनका आशीर्वाद एवं कृपा की प्राप्ति होती है। नवरात्रि में चतुर्थ दिवस में इस भव संसार के ब्रह्मांड की रचना करने वाली दुर्गा मां के चौथे रूप के रूप में देवी कुष्मांडा की आराधना एवं भक्ति की जाति है। इस दिन इस प्रकृति की देवी के स्वरूप की मन से आराधना करना शुभ फल देने वाला है एवं देवी प्रकृति की देवी हैं इनकी उपासना इस दिवस में पीला ,हरा, लाल और भूरे रंग का वस्त्र पहनकर करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है, एवं देवी प्रसन्न होती हैं। नवरात्रि के पावन पर्व पर पंचम दिवस पर पंचमी तिथि को भगवान कार्तिकेय की माता देवी स्कंदमाता की आराधना एवं श्रद्धा के साथ पूजा की जाती है। नवरात्रि के इस पावन पर्व पर छठवें दिन ऋषि कात्यायन की पुत्री कात्यायनी मां की पूजा अर्चना का शास्त्रों में पूजा का विधान माना जाता है। माता कात्यायनी अमोघ फलदाईनी होती हैं भक्तों द्वारा इस दिन लाल, नारंगी, गुलाबी, गेरुआ, मूंगा रंग के कपड़े पहनकर माता रानी की पूजा करने से ऐश्वर्या के साथ वैवाहिक जीवन में शांति सुख समृद्धि प्राप्त होती है। दुर्गा पूजा के सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा तथा अर्चना का विधान है, नवरात्रि की पूजा में तंत्र साधना करने वाले लोग इस दिन काले रंग का वस्त्र धारण करके इनकी पूजा अर्चना करते हैं साधकों को इस दिन बैगनी, स्लेटी ,नीला एवं आसमानी रंग का वस्त्र धारण कर मां के इस दिव्य रूप की पूजा अर्चना करनी चाहिए जिससे संपूर्ण ग्रह बाधाएं दूर होती हैं। नवरात्रि के आठवें दिन सर्व सौभाग्य दाइनी देवी महागौरी की उपासना का दिन माना जाता है। यह अत्यंत पवित्र दिन होता है और यह देवी धन, वैभव, सुख, शांति की शक्तिशाली देवी मानी जाती हैं। इनकी पूजा के दौरान साधकों को रातों को केसरिया संतरी गुलाबी या लाल रंग के वस्त्र धारण करके पूजा करनी चाहिए जिससे सुख एवं सौभाग्य की अखंड प्राप्ति होती है। शिवरात्रि मैं माताओं के नौ रूपों में दुर्गा पूजा के नौवें तथा आखरी दिन संपूर्ण विधि विधान, रीति रिवाज और पूर्ण निष्ठा के साथ देवी की आराधना करने वाले साधकों को संपूर्ण सिद्धियां प्राप्त होती हैं और इनकी उपासना के समय हरा धागों को लाल गुलाबी नारंगी रंग के वस्त्र पहनने से समाज में पद प्रतिष्ठा वैभव एवं धन की प्राप्ति होती है। नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ रूपों का पूजन अर्चना एवं निष्ठा से की गई आराधना से इस जगत का कल्याण भी होता है साथ ही इस पवित्र 9 दिनों में असंख्य दीप जलाकर माता को प्रसन्न करने का प्रयास किया जाता है। नवरात्रि में उपवास रखने तथा विधि विधान से अर्चना करने से मनुष्य का जीवन तथा परलोक सफल होना शास्त्रों के अनुसार तय माना जाता है। आप सभी को चैत्र नवरात्रि कथा हिंदू नव वर्ष की अनंत शुभकामनाएं एवं बधाइयां।

> शास्त्रों में लिखा गया है कि प्रथम दिवस में माता की पूजा करते समय आराधक यदि लाल, गुलाबी ,नारंगी और रानी रंग के कपड़े पहन कर पूजा करने से माता का संपूर्ण आशीर्वाद प्राप्त होता है। द्वितीय दिवस यानी नवरात्रि के दूसरे दिन अत्यंत दिव्य देवी ब्रह्मचारिणी की उपासना का विधान है सिद्धि के लिए इस दिन मां की उपासना करते समय सफ़ेद,पीले रंग के कपड़े पहनना शुभ माना जाता है एवं इस पवित्र दिन में आराधना करने से मनवांछित इच्छाओं की प्राप्ति होती है। तृतीय दिवस में बाघ पर सवार स्वर्ण के समान रंग एवं छटा वाली मां चंद्रघंटा की पूजा की जाती है।इस दिन पीला, लाल, दूधिया या केसरिया रंग कपड़े पहनना शुभ माने जाते हैं एवं इन रंगों के कपड़े पहनकर देवी की आराधना करने से उनका आशीर्वाद एवं कृपा की प्राप्ति होती है।

ट्रम्प पर भारी पड़ता युद्ध

प्रेम शर्मा

इजरायल ईरान युद्ध में अमरीका की भूमिका को नकारा नही जा सकता। या यू भी कहा जा सकता है कि अगर अमरीका इजराइल का साथ न देता तो इजरायल ईरान से भिड़ने की हिम्मत भी न करता। लेकिन यह युद्ध अब ट्रम्प पर भारी पड़ता नजर आ रहा है। यही नही अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। तेल की बढ़ती कीमतों, आर्थिक दबाव, और लंबे युद्ध की संभावना से मतदाताओं में नाराजगी बढ़ सकती है, जो सीधे तौर पर चुनाव परिणामों को प्रभावित कर सकती है। युद्ध के कारण तेल की कीमतों में उछाल और मुद्रास्फीति में वृद्धि मतदाताओं के लिए मुख्य चिंता बन गई है, जो रिपब्लिकन पार्टी के खिलाफ जा सकती है। यदि युद्ध लंबा चलता है, तो यह डोनाल्ड ट्रंप के लिए एक बड़ी राजनीतिक कमजोरी बन सकता है, क्योंकि यह उनके विदेशी युद्धों को रोकने के वादे के विपरीत है। युद्ध को लेकर रिपब्लिकन पार्टी के भीतर ही मतभेद सामने आ रहे हैं, और कई नेता चुनाव को ध्यान में रखते हुए इसे जल्द खत्म करने की मांग कर सकते हैं। यही नही इसके परिणाम स्वरूप उनका राजनैतिक कैरियर भी ध्वस्त हो सकता है। इस युद्ध का वैश्विक स्तर पर जो असर दिखाई पड़ रहा है वह वाकई राष्टपति ट्रम्प की वैश्विक छबि खराब कर चुका है। ईरान पर हमले के बाद बाधित समुद्री मार्ग होर्मुज को ऊर्जा आपूर्ति के लिए सुरक्षित बनाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ने मित्र राष्ट्रों समेत अन्य देशों से वहां अपनी नौसेनाएं भेजने का जो आग्रह किया था, उस पर इन देशों की अनिच्छा भरी प्रतिक्रिया यही बताती है कि ट्रंप अलग-थलग पड़ते जा रहे हैं। जहां जापान और आस्ट्रेलिया ने होर्मुज जल मार्ग की सुरक्षा के लिए आगे आने में अनिच्छा प्रकट की, वहीं दक्षिण कोरिया ने कहा कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रस्ताव पर विचार करेगा। यही नही जर्मनी ने तो दो टूक कह दिया कि नाटो का इस युद्ध से कोई लेना-देना नहीं। ऐसी प्रतिक्रियाओं से ट्रंप को किस तरह झटका लगा है, इसका प्रमाण यह है कि अब वे नाटो देशों को चेतावनी दे रहे हैं कि इस संगठन का भविष्य खतरे में पड़ सकता है, लेकिन उन्हें यह याद होना चाहिए कि उन्होंने ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की धमकी देकर इस संगठन के देशों के भरोसे को ठेस ही पहुंचाई थी।यह पहली बार नहीं, जब ट्रंप किसी मामले में अलग-थलग पड़े हों या फिर उन्हें वांछित समर्थन न मिला हो। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि जब गाजा के विकास के लिए उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को किनारे कर बोर्ड आफ पीस का गठन किया था और खुद उसके सर्वेसर्वा बन बैठे थे तो इस बोर्ड में भी नाटो देशों के साथ अन्य कई प्रमुख देश शामिल नहीं हुए थे। यह अब किसी से छिपा नहीं कि अमेरिका के मित्र देश भी ट्रंप के रवैये से आजिज आ चुके हैं और वे उनकी मनमानी के समक्ष झुकने के लिए तैयार नहीं। इसके लिए ट्रंप अपने अलावा अन्य किसी को दोष नहीं दे सकते। उन्होंने अपनी टैरिफ नीति से दुनिया को तंग ही किया है। सबसे अधिक तंग तो उन्होंने सहयोगी देशों को किया है। ट्रंप किस तरह मनमानी करते हैं, इसका उदाहरण अमेरिकी सेनाओं की ओर से वेनेजुएला पर हमला करना भी रहा।

> युद्ध के कारण तेल की कीमतों में उछाल और मुद्रास्फीति में वृद्धि मतदाताओं के लिए मुख्य चिंता बन गई है, जो रिपब्लिकन पार्टी के खिलाफ जा सकती है। यदि युद्ध लंबा चलता है, तो यह डोनाल्ड ट्रंप के लिए एक बड़ी राजनीतिक कमजोरी बन सकता है, क्योंकि यह उनके विदेशी युद्धों को रोकने के वादे के विपरीत है। युद्ध को लेकर रिपब्लिकन पार्टी के भीतर ही मतभेद सामने आ रहे हैं, और कई नेता चुनाव को ध्यान में रखते हुए इसे जल्द खत्म करने की मांग कर सकते हैं। यही नही इसके परिणाम स्वरूप उनका राजनैतिक कैरियर भी ध्वस्त हो सकता है। इस युद्ध का वैश्विक स्तर पर जो असर दिखाई पड़ रहा है वह वाकई राष्टपति ट्रम्प की वैश्विक छबि खराब कर चुका है। ईरान पर हमले के बाद बाधित समुद्री मार्ग होर्मुज को ऊर्जा आपूर्ति के लिए सुरक्षित बनाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ने मित्र राष्ट्रों समेत अन्य देशों से वहां अपनी नौसेनाएं भेजने का जो आग्रह किया था, उस पर इन देशों की अनिच्छा भरी प्रतिक्रिया यही बताती है कि ट्रंप अलग-थलग पड़ते जा रहे हैं। जहां जापान और आस्ट्रेलिया ने होर्मुज जल मार्ग की सुरक्षा के लिए आगे आने में अनिच्छा प्रकट की, वहीं दक्षिण कोरिया ने कहा कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रस्ताव पर विचार करेगा। यही नही जर्मनी ने तो दो टूक कह दिया कि नाटो का इस युद्ध से कोई लेना-देना नहीं।

वेनेजुएला में अपनी कठपुतली सरकार बनाने के बाद उन्होंने इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर हमला बोल दिया। लगता है वे यह भूल गए कि ईरान वेनेजुएला नहीं है। ट्रंप भले ही बार-बार दोहरा रहे हों कि ईरान ने हार मान ली है, लेकिन सच यह है कि वह इजरायल के साथ खाड़ी देशों में उसके ठिकानों को निशाना बनाने में लगा हुआ है।उसकी रणनीति युद्ध को लंबा खींचने के साथ होर्मुज जल मार्ग बाधित कर दुनिया में ऊर्जा संकट बढ़ाने की जान पड़ती है। ट्रंप के पास ईरान की इस रणनीति का कोई जवाब नहीं दिख रहा है। ईरान ने खाड़ी के देशों में नागरिक ठिकानों पर हमले जारी रखकर ट्रंप की समस्या और बढ़ा दी है। उनका संकट केवल यही नहीं कि उन्हें अपेक्षित अंतरराष्ट्रीय समर्थन नहीं मिल रहा है, बल्कि यह भी है कि अमेरिका में भी उनका विरोध बढ़ता जा रहा है। ईरान संग युद्ध डोनाल्ड ट्रंप पर इस लिए भी भारी पड़ रहा है कि एक साथ उन्हें आर्थिक, कूटनीति, घरेलू समर्थन समेत कई मोर्चों पर मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है.ट्रंप ने फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया और ब्रिटेन सहित कई देशों से युद्धपोत भेजने की अपील की, ताकि ईरानी हमलों के बीच वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित न हो. उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर जरूरत पड़ी तो अमेरिका ईरान के प्रमुख तेल निर्यात केंद्र खर्ग द्वीप पर अतिरिक्त सैन्य कार्रवाई कर सकता है. इन बयानों से स्पष्ट है कि अमेरिका इस संघर्ष को केवल सैन्य ही नहीं, बल्कि व्यापक कूटनीतिक दबाव के माध्यम से भी नियंत्रित करने की कोशिश कर रहा है.आर्थिक मोर्चे पर भी यह संघर्ष ट्रंप के लिए गंभीर चुनौती बन गया है। होर्मुज स्ट्रेट में बाधा के कारण वैश्विक तेल बाजार में अस्थिरता बढ़ी है, जिससे ऊर्जा और उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हुई है. अमेरिकी मतदाता आमतौर पर आर्थिक संकेतकों से अधिक अपने रोजमर्रा के खर्च के आधार पर सरकार का मूल्यांकन करते हैं. ऐसे में बढ़ती महंगाई और आर्थिक अनिश्चितता ट्रंप की लोकप्रियता को कमजोर कर रही है। ट्रंप के लिए यह संघर्ष केवल युद्धभूमि तक सीमित नहीं है। यह अमेरिकी जनमत, अर्थव्यवस्था और वैश्विक कूटनीति के जटिल समीकरणों में भी लड़ा जा रहा है. यही कारण है कि ईरान के खिलाफ यह युद्ध, सैन्य दृष्टि से चाहे जैसा भी हो, घरेलू मोर्चे पर ट्रंप के नेतृत्व की सबसे बड़ी परीक्षा बनता जा रहा है।

नवचेतना, नवऊर्ज़ा, नव उल्लास और नवसंकल्प का पावन आरंभ है नव संवत्सर

विजय कुमार शर्मा

भारतीय संस्कृति में नव संवत्सर केवल एक तिथि परिवर्तन नहीं, बल्कि नवचेतना, नवऊर्ज़ा और नवसंकल्प का पावन आरंभ है। यह वह क्षण है जब प्रकृति स्वयं अपने नव रूप में सजी दिखाई देती है और मानव हृदय भी उसी लय में नवीन आशाओं से भर उठता है। वसंत ऋतु के आगमन के साथ जब वृक्षों पर कोमल पत्तियाँ और रंग-बिरंगे पुष्प खिलते हैं, तब नव संवत्सर का संदेश और भी सजीव हो उठता है कि जीवन निरंतर परिवर्तनशील है और हर अंत एक नए आरंभ की ओर संकेत करता है। नव संवत्सर का महत्व केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और वैज्ञानिक दृष्टि से भी अत्यंत गहरा है। यह दिन ब्रह्मा द्वारा सृष्टि रचना के प्रारंभ का प्रतीक माना जाता है। इसी दिन से विक्रम संवत का आरंभ होता है, जो भारतीय कालगणना का आधार है। यह समय प्रकृति और मानव के बीच सामंजस्य स्थापित करने का अवसर प्रदान करता है, जहाँ हम अपने जीवन को प्रकृति के नियमों के अनुरूप ढालने का प्रयास करते हैं। इस अवसर पर भारतीय जनमानस में विशेष उत्साह और उल्लास देखने को मिलता है। घरों की सफाई, सजावट, रंगोली, दीप प्रज्वलन और पूजा-अर्चना के माध्यम से लोग अपने जीवन में सकारात्मक ऊर्ज़ा का स्वागत करते हैं। मंदिरों में विशेष अनुष्ठान होते हैं, भजन-कीर्तन की मधुर ध्वनि वातावरण को आध्यात्मिकता से भर देती है। लोग एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएँ देते हैं और आपसी प्रेम, सौहार्द तथा भाईचारे को सुदृढ़ करते हैं। नव संवत्सर आत्ममंथन और आत्मसुधार का भी श्रेष्ठ अवसर है। यह समय हमें अपने पिछले वर्ष के कर्मों का मूल्यांकन करने और भविष्य के लिए नए संकल्प लेने की प्रेरणा देता है। हम यह विचार करते हैं कि हमने कहाँ गलतियाँ कीं और कैसे उन्हें सुधारकर एक बेहतर जीवन की ओर अग्रसर हो सकते हैं। यह आत्मविश्लेषण हमें आंतरिक रूप से मजबूत बनाता है और हमारे व्यक्तित्व को निखारता है। आध्यात्मिक दृष्टि से नव संवत्सर आत्मा के जागरण का पर्व है। यह हमें यह स्मरण कराता है कि जीवन केवल भौतिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि आत्मिक शांति और संतुलन भी उतना ही आवश्यक है। ध्यान, योग और साधना के माध्यम से हम अपने भीतर की शक्ति को पहचान सकते हैं और जीवन में संतुलन स्थापित कर सकते हैं। इस दिन किए गए संकल्प विशेष रूप से प्रभावी माने जाते हैं, क्योंकि यह समय प्रकृति और ब्रह्मांडीय ऊर्ज़ा के विशेष संयोग का प्रतीक है। भारतीय समाज में नव संवत्सर को विभिन्न नामों और परंपराओं के साथ मनाया जाता है, जैसे गुड़ी पड़वा, उगादि, चैत्र नवरात्रि का प्रारंभ आदि। प्रत्येक परंपरा में मूल भाव एक ही है, नवीनता का स्वागत और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का संकल्प। यह विविधता में एकता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है, जो भारतीय संस्कृति की विशेष पहचान है। नव संवत्सर का एक महत्वपूर्ण संदेश यह भी है कि हम अपने जीवन में संतुलन बनाए रखें। आज के आधुनिक युग में जहाँ भौतिक दौड़-भाग ने जीवन को तनावपूर्ण बना दिया है, वहाँ यह पर्व हमें ठहरकर सोचने और अपने जीवन की दिशा को पुनः निर्धारित करने का अवसर देता है। यह हमें सिखाता है कि सच्चा सुख बाहरी वस्तुओं में नहीं, बल्कि आंतरिक संतोष और संतुलन में निहित है। इस पावन अवसर पर हमें पर्यावरण के प्रति भी अपनी जिम्मेदारी को समझना चाहिए। प्रकृति का यह नव रूप हमें प्रेरित करता है कि हम पर्यावरण की रक्षा करें, वृक्षारोपण करें और स्वच्छता बनाए रखें। यदि हम प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करेंगे, तो हमारा जीवन भी अधिक संतुलित और सुखद होगा। अंततः नव संवत्सर नव उल्लास का प्रतीक है, जो हमें हर परिस्थिति में आशा और सकारात्मकता बनाए रखने की प्रेरणा देता है। यह हमें यह विश्वास दिलाता है कि चाहे कितनी भी कठिनाइयाँ क्यों न हों, हर नया दिन एक नई शुरुआत लेकर आता है। इसलिए इस नव संवत्सर पर हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपने जीवन को सार्थक बनाएंगे, समाज में प्रेम और सद्भावना का प्रसार करेंगे और अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करेंगे। नव संवत्सर हमें यही संदेश देता है कि जीवन एक सतत यात्रा है, जिसमें हर पड़ाव पर सीखने और आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। यदि हम इस अवसर को सही दृष्टिकोण से अपनाएँ, तो हमारा जीवन वास्तव में नव उल्लास से भर सकता है।

> वसंत ऋतु के आगमन के साथ जब वृक्षों पर कोमल पत्तियाँ और रंग-बिरंगे पुष्प खिलते हैं, तब नव संवत्सर का संदेश और भी सजीव हो उठता है कि जीवन निरंतर परिवर्तनशील है और हर अंत एक नए आरंभ की ओर संकेत करता है। नव संवत्सर का महत्व केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और वैज्ञानिक दृष्टि से भी अत्यंत गहरा है। यह दिन ब्रह्मा द्वारा सृष्टि रचना के प्रारंभ का प्रतीक माना जाता है। इसी दिन से विक्रम संवत का आरंभ होता है, जो भारतीय कालगणना का आधार है। यह समय प्रकृति और मानव के बीच सामंजस्य स्थापित करने का अवसर प्रदान करता है, जहाँ हम अपने जीवन को प्रकृति के नियमों के अनुरूप ढालने का प्रयास करते हैं। इस अवसर पर भारतीय जनमानस में विशेष उत्साह और उल्लास देखने को मिलता है। घरों की सफाई, सजावट, रंगोली, दीप प्रज्वलन और पूजा-अर्चना के माध्यम से लोग अपने जीवन में सकारात्मक ऊर्ज़ा का स्वागत करते हैं। मंदिरों में विशेष अनुष्ठान होते हैं, भजन-कीर्तन की मधुर ध्वनि वातावरण को आध्यात्मिकता से भर देती है। लोग एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएँ देते हैं।

दूषित जलः विकास के दावों पर एक गंभीर प्रश्न

ललित गर्ग

अक्सर कहा जाता है कि जल ही जीवन है। किंतु यदि यही जल दूषित हो जाए तो क्या उसे जीवन का आधार कहा जा सकता है? सच तो यह है कि दूषित जल जीवन को बचाने के बजाय उसे संकट में डाल देता है। आज भारत सहित पूरी दुनिया में स्वच्छ जल की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। विडंबना यह है कि जिस देश में नदियों को माता का दर्ज़ा दिया जाता है और जल को जीवन का मूल तत्व माना जाता है, वहीं करोड़ों लोग आज भी स्वच्छ पेयजल से वंचित हैं। यह स्थिति केवल संसाधनों की कमी का परिणाम नहीं है, बल्कि कहीं न कहीं नीतिगत कमजोरियों, प्रशासनिक उदासीनता और विकास के असंतुलित मॉडल की भी देन है। पिछले कुछ वर्षों में भारत सरकार ने पेयजल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की हैं। वर्ष 2019 में आरंभ हुआ जल जीवन मिशन इसी दिशा में एक बड़ा कदम माना गया। इस योजना का उद्देश्य था कि देश के हर ग्रामीण परिवार को नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए। इसके अतिरिक्त नदियों की स्वच्छता के लिए नमामि गंगे जैसी परियोजनाएं भी शुरू की गईं। इन योजनाओं के कारण पाइपलाइन के माध्यम से जल आपूर्ति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहां वर्ष 2019 में केवल लगभग 16.7 प्रतिशत ग्रामीण घरों तक नल का पानी पहुंचता था, वहीं 2024 के अंत तक यह आंकड़ा 80 प्रतिशत से अधिक तक पहुंच गया। यह उपलब्धि निस्संदेह महत्वपूर्ण है, किंतु केवल पाइपलाइन बिछा देने भर से समस्या का समाधान नहीं हो जाता। असली चुनौती यह सुनिश्चित करने की है कि जो पानी घरों तक पहुंच रहा है वह वास्तव में स्वच्छ और सुरक्षित भी हो। दुर्भाग्य से जल गुणवत्ता के मोर्चे पर स्थिति उतनी संतोषजनक नहीं दिखाई देती। विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पेयजल के नमूनों की जांच से यह तथ्य सामने आया है कि बड़ी मात्रा में जल प्रदूषित पाया गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि लिए गए दूषित नमूनों में से केवल लगभग एक चौथाई को ही शुद्ध करने के प्रयास किए गए। इसका अर्थ यह हुआ कि बड़ी संख्या में लोग अब भी दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। यह स्थिति हमारे विकास के दावों की तार्किकता पर प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि जल जैसे बुनियादी संसाधन की गुणवत्ता सुनिश्चित नहीं की जा सकती तो विकास की उपलब्धियां अधूरी ही मानी जाएंगी। पेयजल की गुणवत्ता का संकट केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। शहरी क्षेत्रों में भी यह समस्या बराबर देखने को मिलती है। महानगरों और बड़े शहरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण, पुरानी पाइपलाइन व्यवस्था और सीवेज प्रबंधन की कमजोरियों के कारण जल स्रोत लगातार प्रदूषित हो रहे हैं। कई स्थानों पर पेयजल पाइपलाइन और सीवर लाइन एक-दूसरे के बेहद करीब बिछी हुई हैं। समय के साथ जब ये पाइपलाइन जर्जर हो जाती हैं तो सीवर का गंदा पानी पेयजल में मिल जाता है, जिससे गंभीर स्वास्थ्य संकट उत्पन्न हो जाता है। हाल के वर्षों में कई शहरों में दूषित पानी के कारण लोगों के बीमार पड़ने और यहां तक कि मौत होने की घटनाएं सामने आई हैं। मध्यप्रदेश के इंदौर जैसे शहर में हुई ऐसी घटनाओं ने इस खतरे की गंभीरता को और स्पष्ट कर दिया है। यह विडंबना ही है कि जो शहर स्वच्छता के लिए देश में बार-बार अग्रणी स्थान प्राप्त करता रहा है, वहीं दूषित जल के कारण लोगों की जान जाने की घटनाएं सामने आती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ लंबे समय से यह चेतावनी देते रहे हैं कि अधिकांश बीमारियों की शुरुआत पेट से होती है और दूषित जल इसका सबसे बड़ा कारण बनता है। दस्त, उल्टी, टाइफाइड, हैजा और पीलिया जैसी जलजनित बीमारियां आज भी लाखों लोगों को प्रभावित कर रही हैं। इन बीमारियों का सबसे अधिक असर बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ता है क्योंकि उनकी प्रतिरोधक क्षमता अपेक्षाकृत कम होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में तो स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जहां स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सीमित होती है। ऐसे में दूषित पानी केवल एक पर्यावरणीय समस्या नहीं रह जाता, बल्कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का रूप ले लेता है। जल प्रदूषण के पीछे कई कारण हैं। औद्योगिक कचरे का बिना उपचार के नदियों और जलाशयों में छोड़ा जाना एक बड़ा कारण है। इसके अतिरिक्त शहरों से निकलने वाला अनुपचारित सीवेज भी बड़ी मात्रा में जल स्रोतों को प्रदूषित करता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार देश की सैकड़ों नदियों के अनेक नदी खंड जल गुणवत्ता के मानकों से नीचे पाए गए हैं। इसका अर्थ यह है कि हमारे जल स्रोत धीरे-धीरे प्रदूषण के गंभीर जाल में फंसते जा रहे हैं। दूसरी ओर, भूजल का अत्यधिक दोहन भी स्थिति को और जटिल बना रहा है। भारत दुनिया में सबसे अधिक भूजल निकालने वाले देशों में अग्रणी है। अत्यधिक दोहन के कारण न केवल जल स्तर गिर रहा है, बल्कि कई स्थानों पर भूजल में फ्लोराइड, आर्सेनिक और अन्य हानिकारक रसायनों की मात्रा भी बढ़ती जा रही है। विकास की अंधी दौड़ ने भी इस संकट को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। तेजी से फैलते शहर, बढ़ते उद्योग और बढ़ती आबादी जल संसाधनों पर भारी दबाव डाल रहे हैं। लेकिन इसके समानांतर जल प्रबंधन की व्यवस्था उतनी मजबूत नहीं हो पाई है। कई शहरों में सीवेज उपचार संयंत्रों की क्षमता पर्याप्त नहीं है, जिसके कारण बड़ी मात्रा में गंदा पानी सीधे नदियों और झीलों में पहुंच जाता है। जब यही जल स्रोत पेयजल आपूर्ति का आधार बनते हैं तो स्वाभाविक रूप से जल की गुणवत्ता प्रभावित होती है। दूषित जल का प्रभाव केवल मानव स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता। इसका असर पूरे पारिस्थितिक तंत्र पर पड़ता है। नदियों और झीलों में बढ़ते प्रदूषण से जलीय जीवों का अस्तित्व संकट में पड़ जाता है। कई प्रजातियां धीरे-धीरे समाप्त होने के कगार पर पहुंच जाती हैं। इसके अतिरिक्त दूषित जल का उपयोग जब खेती में होता है तो वह मिट्टी की गुणवत्ता को भी प्रभावित करता है और अंततः खाद्य श्रृंखला के माध्यम से मनुष्य तक पहुंचता है। इस प्रकार जल प्रदूषण का दायरा व्यापक और बहुआयामी है। इस समस्या के समाधान के लिए केवल योजनाएं बना देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन की भी आवश्यकता है। सबसे पहले पेयजल की गुणवत्ता की नियमित और पारदर्शी निगरानी सुनिश्चित की जानी चाहिए। जल के नमूने लेने की प्रक्रिया तभी सार्थक होगी जब प्रदूषित पाए जाने पर तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। इसके साथ ही जलापूर्ति और सीवेज व्यवस्था के बीच सुरक्षित दूरी बनाए रखना अनिवार्य किया जाना चाहिए। जिन शहरों और कस्बों में पाइपलाइन व्यवस्था दशकों पुरानी हो चुकी है, वहां उन्हें चरणबद्ध तरीके से बदलने का काम युद्धस्तर पर किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त औद्योगिक प्रदूषण पर कठोर नियंत्रण भी आवश्यक है। उद्योगों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका कचरा बिना उपचार के किसी भी जल स्रोत में न जाए। इसके लिए कड़े नियमों के साथ-साथ प्रभावी निगरानी तंत्र की भी जरूरत है। स्थानीय निकायों की जवाबदेही तय करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि कई बार जल आपूर्ति और उसकी गुणवत्ता की निगरानी दोनों की जिम्मेदारी उन्हीं के पास होती है। ऐसी स्थिति में पारदर्शिता की कमी हो जाती है। निश्चिततौर यह समझना होगा कि स्वच्छ जल केवल सुविधा का विषय नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है। जिस प्रकार भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य को जीवन की बुनियादी आवश्यकताओं में शामिल किया जाता है, उसी प्रकार स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता भी उतनी ही अनिवार्य है। यदि देश को वास्तव में स्वस्थ और समृद्ध बनाना है तो जल की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। जल जीवन मिशन जैसी योजनाएं तभी पूर्ण रूप से सफल मानी जाएंगी जब हर घर तक पहुंचने वाला पानी वास्तव में स्वच्छ और सुरक्षित होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि जल प्रबंधन को केवल सरकारी कार्यक्रमों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे जनभागीदारी का व्यापक अभियान बनाया जाए। जब तक समाज, प्रशासन और सरकार मिलकर इस दिशा में गंभीर प्रयास नहीं करेंगे, तब तक दूषित जल का संकट पूरी तरह समाप्त नहीं हो पाएगा। स्वच्छ जल की रक्षा दरअसल जीवन की रक्षा है, और यह जिम्मेदारी हम सभी की है।

> दुर्भाग्य से जल गुणवत्ता के मोर्चे पर स्थिति उतनी संतोषजनक नहीं दिखाई देती। विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पेयजल के नमूनों की जांच से यह तथ्य सामने आया है कि बड़ी मात्रा में जल प्रदूषित पाया गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि लिए गए दूषित नमूनों में से केवल लगभग एक चौथाई को ही शुद्ध करने के प्रयास किए गए। इसका अर्थ यह हुआ कि बड़ी संख्या में लोग अब भी दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। यह स्थिति हमारे विकास के दावों की तार्किकता पर प्रश्नचिह्न लगाती है।

खाकी के साए के बीच बटे गैस सिलेंडर, बरकरार है किल्लत

- धक्के ब ही खाए और नहीं मिल रहा सिलेंडर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। ईरान-इजरायल युद्ध के चलते देश में गैस संकट बढ़ता जा रहा है। कभी घर बैठे ऑनलाइन बुकिंग के जरिए मिलने वाला गैस सिलेंडर अब लंबी लाइन में धक्के खाने के बाद भी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। बुधवार को शहर के सिविल लाइन इलाके में गैस वितरण के दौरान भीड़ इतनी बढ़ गई कि तत्काल पीएसी तैनात करनी पड़ गई। गैस वितरण के लिए चंहित मैदान में सुबह से ही सैकड़ों लोगों की लंबी लंबी लाइनें लग गईं। जैसे ही गैस सिलेंडर से भरे ट्रक पहुंचे, लोगों में पहले सिलेंडर पाने को लेकर होड़ मच गई। देखते ही देखते मैदान में वाद-विवाद की स्थिति उत्पन्न होने लगी। एजेंसी संचालक की सूचना पर सिविल लाइन चौकी प्रभारी दलबल के साथ पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया। लेकिन बात बिगड़ते देख उन्होंने उच्चाधिकारियों को सूचना दी और तत्काल मौके पर पीएसी बल तैनात कर दिया गया। पीएसी के पहरे में करीब सात सौ सिलेंडर बांटे गए। वैश्विक स्तर पर चल रहे युद्ध के कारण धीमी हुई गैस वितरण प्रणाली का गांव-गांव, शहर-शहर खासा प्रभाव दिखने लगा है। घरेलू गैस सिलेंडर मिलने पर अब खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि कामर्शियल एलपीजी सिलिंडरों की आपूर्ति पूरी तरह ठप होने से छोटे खानपान कारोबारियों का काम प्रभावित हो रहा है। जिले में भी कामर्शियल गैस न मिलने से बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन समेत जगह-जगह चाय-नाश्ते की रेहड़ी-पटरी दुकानें अधिकतर बंद हो गई हैं। इक्का दुक्का खुली दुकानों में भी दुकानदार चोरी छिपे घरेलू सिलेंडर का प्रयोग करते दिखे। कामर्शियल सिलिंडर की कमी का असर छोटे खानपान कारोबारियों पर सबसे ज्यादा पड़ा है। कुछ दुकानदार तो गैस खत्म होने के बाद अब लकड़ी और कोयले की भट्ठी का सहारा लेने को मजबूर हो गए हैं। आराधन इंडेन के संचालक रामेंद्र शर्मा बताते हैं कि कामर्शियल सिलिंडर फिलहाल प्लांट से नहीं आ रहे हैं, जिससे खानपान कारोबारियों को परेशानी हो रही है। जैसे ही प्लांट से आपूर्ति होगी, वितरण शुरू कर दिया जाएगा। वहीं दूसरी ओर घरेलू उपभोक्ताओं को भी गैस सिलिंडर के लिए परेशान होना पड़ रहा है। पहले जहां उपभोक्ता घर बैठे गैस बुक कर सिलिंडर मंगा लेते थे, अब बुकिंग के लिए रात में जागना पड़ रहा है। कई उपभोक्ता रात 10 बजे से लेकर देर रात दो-तीन बजे तक आनलाइन बुकिंग करने की कोशिश कर रहे हैं। इसके बावजूद सर्वर की धीमी गति और तकनीकी दिक्कतों के कारण बुकिंग नहीं हो पा रही है, जिससे लोगों को एजेंसियों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। शहर के आराधना इंडेन के संचालक रामेंद्र शर्मा ने बताया है कि ऑनलाइन बुकिंग के सर्वर पर लोड बढ़ने सिलेंडर बुकिंग की गति थोड़ी धीमी है, लेकिन प्रयास करते रहने से बुकिंग हो रही है और लोगों को नियमानुसार गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। उधर जिला पूर्ति अधिकारी कयामुद्दीन अंसारी का कहना है कि घरेलू गैस सिलेंडर की कोई कमी नहीं है। हालांकि कामर्शियल सिलेंडर की कमी की बात वह भी स्वीकारते हैं। कहना है कि अधिक बुकिंग के कारण ओटीपी जनरेट नहीं हो पा रहा है, जिससे दिक्कत हो रही है। उन्होंने जल्द ही समस्या का समाधान करने का भरोसा दिलाया है।

लोगों ने लकड़ी के चूल्हे की ओर किया रुख

गैस किल्लत के बीच जहां खानपान की छोटी दुकानें बंद होने लगी हैं, वहीं घरेलू सिलेंडर की किल्लत ने लोगों को परंपरागत साधनों की ओर वापस लौटने को मजबूर कर दिया है। तमाम लोग अपने घरों में लकड़ी के चूल्हे जलाने को मजबूर हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने तो गैस चूल्हे को ढककर रख दिया है और लकड़ी व उपले के सहारे खाना बनाना शुरू कर दिया है। ऐसे में सरकार की उज्जवला योजना की खासी किरकिरी हो रही है। वहीं शहरी क्षेत्र के तमाम लोग चाय या खाना गर्म करने के लिए गैस का उपयोग कम करने का प्रयास कर रहे हैं। इसके लिए लोग इलेक्ट्रॉनिक दुकानों से इंडक्शन चूल्हा, ओवन और इलेक्ट्रिक केतली खरीदने की ओर भी रुख कर रहे हैं।

ऋण मोचन योजना से जिले के 59443 किसानों के माफ हुआ कर्ज

- राज्यमंत्री ने केंद्र और राज्य सरकारों की बताईं उपलब्धियां

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। केंद्र सरकार के कार्यकाल के 11 वर्ष तथा प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दोनों सरकारों की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए जल शक्ति राज्यमंत्री ने बताया कि केंद्र व प्रदेश की सरकारों ने अनेक जन कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर प्रदेश के गरीबों, किसानों, युवाओं तथा आमजन को लाभांवित किया है। इस मौके पर राज्यमंत्री ने आयोजन स्थल पर सजाए गए विभिन्न विभागों के स्टालों का उद्घाटन करते हुए भ्रमण किया।जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद ने विकास भवन के सभागार में आयोजित प्रेस कॉम्फ्रेंस में सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के माध्यम से जनपद में किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत 298093 कृषको को 934.06 करोड़ की धनराशि से लाभान्वित किया गया है। इसी प्रकार से किसान ऋण मोचन योजना अंतर्गत 59443 कृषकों का 355.34 करोड़ की धनराशि का ऋण माफ किया गया है। प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण) के अतर्गत 107030, प्रधानमंत्री आवास (शहरी) के अतर्गत 19057 तथा मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 7094 लाभार्थियों को आवास उपलब्ध कराए गए हैं।

उत्तर रेलवे

निविदा रद्द करने की सूचना

प्रशासनिक कारणों से "अपग्रेडेशन ऑफ टॉयलेट्स इन 580 नंबर एल.एच.बी. नॉन एसी कोचेस विथ एफ.आर.पी. मॉड्यूलर टॉयलेट्स एंड आलमबाग वर्कशॉप जगाधरी वर्कशॉप एंड कोचिंग डिपोज ऑफ एन. आर." निविदा सूचना सं. 2026 ए.एम.पी.-सी एंड डब्लू ई-निविदा-02 रद्द की जाती है।

सूचना सं. 2026 - ए.एम.पी.-सी एंड डब्लू ई निविदा-02 दिनांक: 17.03.2026

924/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

निराला प्रेक्षागृह में 9 वर्ष पूर्ण होने पर भव्य कार्यक्रम, विकास प्रदर्शनी का उद्घाटन

- सदर विधायक पंकज गुप्ता ने फीता काटकर किया शुभारंभ, योजनाओं के स्टॉल का लिया जायजा; डीएम ने स्वयं सहायता समूह के उत्पादों की सराहना की

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। उत्तर प्रदेश सरकार के कार्यकाल के 9 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर निराला प्रेक्षागृह में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सदर विधायक पंकज गुप्ता ने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन कर की। इसके बाद उन्होंने प्रदर्शनी में लगाए गए विकास कार्यों से संबंधित चित्रों और विवरणों का अवलोकन कर सरकार के कार्यों की सराहना की।

विधायक ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर योजनाओं की जानकारी ली। इसके उपरांत प्रेक्षागृह में मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस दौरान बेसिक शिक्षा विभाग के 524 निपुण विद्यालयों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही आरटीई के तहत प्रवेश पाने वाले बच्चों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह का लाइव प्रसारण भी दिखाया गया, जिसे बड़ी संख्या में मौजूद अधिकारियों, कर्मचारियों व लाभार्थियों ने देखा।

ट्रांसफार्मर से 50 हजार का तेल चोरी, ठप हुई गांव की बिजली आपूर्ति

कौशाम्बी। नगर पालिका परिषद भरवारी के परसरा सड़क के पास लगे 250 केवीए ट्रांसफार्मर से अज्ञात चोरों ने तेल निकाल लिया, जिससे परसरा गांव की बिजली आपूर्ति बाधित हो गयी। विद्युत उपखंड भरवारी के जेई नन्हे लाल के अनुसार, हाल ही में परसरा गांव जाने वाले मार्ग पर नया 250 केवीए ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया था। मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे लाइनमैन को लोड बैलेंस जांचने और ट्रांसफार्मर के आसपास सफाई के लिए भेजा गया। मौके पर पहुंचने पर लाइनमैन ने देखा कि ट्रांसफार्मर के नीचे तेल फैला हुआ है, टंकी का ढक्कन गायब है और नीचे का वाल्व खुला हुआ है। सूचना मिलते ही विद्युत आपूर्ति तत्काल बंद करायी गयी। जांच में पाया गया कि ट्रांसफार्मर से लगभग 40 लीटर तेल चोरी हो चुका है जिसकी कीमत करीब 50 हजार रुपये आंकी गयी है। जेई के अनुसार, ट्रांसफार्मर पूरी तरह सूखा नहीं था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था और ट्रांसफार्मर जल भी सकता था।

नव निर्माण के नौ वर्ष पर लाभार्थियों का लाभ कार्यक्रम का लाइव प्रसारण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। प्रदेश सरकार के नव निर्माण के नौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों की योजनाओं से संबंधित प्रदर्शनी लगाई गई, जिसका उद्घाटन जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल, भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा एवं निवर्तमान विधायक संजय गुप्ता ने फीता काटकर किया। अतिथियों ने स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं की जानकारी ली। कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार वितरित किया गया तथा छोटे बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया गया। इस मौके पर नगर पालिका परिषद भरवारी की अध्यक्ष कविता पासी एवं मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी समेत कई अधिकारी उपस्थित रहे। उदयन सभागार में आयोजित वृहद ऋण मेले के दौरान मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत प्रभाकर सिंह, विनीत कुमार, सूरज कुमार, अनिल सिंह, राजकुमार, मोहम्मद रफीक, अंकित कुमार यादव, रामसिंह, साहिल कुमार एवं सुभाष चन्द्र सहित कई लाभार्थियों को डमी चेक और स्वीकृति पत्र प्रदान किये गये। निवर्तमान विधायक संजय गुप्ता ने कहा कि प्रदेश सरकार ने नौ वर्षों में सुशासन और विकास के नये आयाम स्थापित किये हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर स्वरोजगार स्थापित करें। राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा ने कहा कि वर्ष 2047 तक देश को विकसित बनाने के लक्ष्य में महिलाओं की अहम भूमिका है। उन्होंने बैंकर्स से अपील की कि ऋण योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाय। इस अवसर पर लखनऊ में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का उदयन सभागार में सजीव प्रसारण भी किया गया जिसमें उपस्थित लोगों ने मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व बृजेश पाठक के संबोधन को सुना।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई-निविदायें सिंगल पैकेट सिस्टम द्वारा आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं.	106-सिग/टेंडर/69/2025-26
कार्य का नाम	उत्तर रेलवे के LKO मंडल में, नवीनतम RDSO दिशानिर्देश संख्या – RDSO-SIG0SPO(PROJ)/1/2020, दिनांक 01.01.2025 के अनुसार अर्थिंग व्यवस्थाओं में सुधार से संबंधित S&T कार्य।
अनुमानित लागत	रु. 5,28,42,608.36/-
निविदा प्रपत्र की कीमत	शून्य
धरोहर राशि	रु. 4,14,200/-
कार्य पूरा करने की अवधि	365 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	06.04.2026, 15:30 बजे
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है।	www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/मं.रे.प्र.कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/लखनऊ

• ठेकेदारों को ई-निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है। • समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेगी। • निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेगी।

निविदा सू. सं. 106-सिग/टेंडर/69/2025-26 दिनांक: 16.03.2026 895/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अंतर्राज्यीय चोरी व टप्पेबाज गिरोह के छह सदस्यों को पुलिस ने दबोचा

- चोरों के पास बरामद हुआ 32 हजार नगद समेत 14.50 लाख का माल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जिला मुख्यालय समेत सीमावर्ती चित्रकूट समेत मध्य प्रदेश के मैहर, सतना व आसपास के अन्य जिलों में चोरी और ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए शहर कोतवाली और एसओजी की संयुक्त पुलिस टीम ने अंतर्राज्यीय चोरी व टप्पेबाज गिरोह के चार महिलाओं समेत छह सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए चोरों के कब्जे से पुलिस ने 32 हजार रुपये नगद समेत 14.50 लाख रुपये का चोरी का माल और लग्जरी कार बरामद की। गिरफ्तार सभी आरोपी हरियाणा व राजस्थान के निवासी हैं। पुलिस ने सुसंगत धाराओं में रिपोर्ट दर्ज करने के बाद सभी को जेल भेज दिया।पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देश पर जनपद में अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण लगाने को पुलिस लगातार अभियान चल रही है। लगभग दो माह पहले दो महिलाओं ने तिंदवारी थाना क्षेत्र निवासी उमा पत्नी कमल के शादी में जाते समय रिक्शे से जेवरात से भरा पर्स पार कर दिया। इसके बाद 20 फरवरी को हमीरपुर जिले के मौदहा थाना क्षेत्र निवासी रिंशू सिंह पत्नी शोभित के संकट मोचन मंदिर के पास ऑटो से चार महिलाओं ने बैग से जेवरात निकाल कर फरार हो गईं। कोतवाली नगर में रिपोर्ट दर्ज करने के बाद अभियुक्तों की पहचान व गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया। सीसीटीवी फुटेज व अन्य तकनीकी साक्ष्यों की मदद से अभियुक्तों की पहचान करते हुए मुखबिर की सूचना पर शहर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बलराम सिंह, एसओजी प्रभारी आनंद कुमार, बलखंडीनाका चौकी प्रभारी यज्ञनारायण भार्गव, मंडी समिति चौकी प्रभारी आशुतोष त्रिपाठी, उप निरीक्षक दीपक चौधरी, प्रवेश कुमार, रश्मि सिंह आदि ने महोबा रोड स्थित मवई बाईपास से पलवल (हरियाणा) जिले के कैंट थाना क्षेत्र के कैलाश नगर निवासी सुभाष चंद्र पुत्र विक्रम, रोहित पुत्र वीरपाल व उसकी पत्नी नेहा, गीता पत्नी धन्नी और उसकी पुत्री काजल तथा भरतपुर (राजस्थान) जिले के ढींग थाना क्षेत्र के चक गिरवारी निवासी नीलम पत्नी सोनू को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए गिरोह के सदस्यों के पास से पुलिस की संयुक्त टीम ने 32 हजार रुपये नगद समेत 14.50 लाख रुपये का माल व घटना में प्रयुक्त 16 लाख रुपये कीमत की लग्जरी कार बरामद की। पूछताछ करने पर अभियुक्तों ने जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि सभी कार से अलग-अलग राज्यों में घूमते हुए समूह बनाकर चोरी व टप्पेबाजी की घटनाओं को अंजाम देते हैं।

पेशी से फरार हुए आरोपी को पुलिस ने पकड़ा

न्यायालय से पेशी के दौरान फरार हुए अभियुक्त को अतर्रा थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। चार दिनों पहले न्यायालय अतर्रा में पेशी के लिए आरोपी को पुलिस लाई थी। बाथरूम जाने का बहाना बनाकर पुलिस अभिरक्षा से आरोपी फरार हो गया। थाना अतर्रा में अभियुक्त के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज करते हुए गिरफ्तारी को पुलिस टीमों का गठन किया गया। अतर्रा पुलिस ने बुधवार को कस्बे के गांधी नगर निवासी चुन्नू उर्फ पंकज पुत्र रामनाथ को फतेहगंज थाना क्षेत्र के कड़ियानाका बीरजा पुरवा से गिरफ्तार कर लिया।

नवरात्रि पर पूरा क्षेत्र भक्तिमय आभा से सराबोर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शुक्लागंज। आद्यशक्ति मां दुर्गा की उपासना के पावन पर्व शारदीय नवरात्रि को लेकर शुक्लागंज नगर के मंदिरों में पिछले कई दिनों से चल रही तैयारियां अब अंतिम चरण में हैं। नगर के प्रमुख शक्तिपीठों और मंदिरों में रंगाई-पुताई के साथ-साथ भव्य सजावट का कार्य पूरा कर लिया गया है, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय आभा से सराबोर नजर आ रहा है।

श्री दुर्गा मंदिर में विशेष इंतजाम राजधानी मार्ग स्थित प्रसिद्ध श्री दुर्गा मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। इस मंदिर की महत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यहाँ न केवल आसपास के जनपदों, बल्कि अन्य प्रदेशों से भी श्रद्धालु माता के दर्शन हेतु आते हैं। मंदिर प्रशासन ने मुख्य प्रांगण के साथ-साथ गुरु जी की प्रतिमा के समीप भी भक्तों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए हैं ताकि दर्शन के दौरान किसी को असुविधा न हो। इसके अतिरिक्त, कंचन नगर स्थित कंचना माई मंदिर, पोनी रोड का सोमा गौरी मंदिर, गांधी नगर का काली मंदिर, आनंद नगर का अन्नपूर्णा मंदिर और चंपापुरवा स्थित मंशा देवी मंदिर में भी पूरे दिन साफ-सफाई और फूलों व बिजली की झालरों से सजावट का दौर चलता रहा।

उत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन से संबंधित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ-उ.रे.-मण्डल-वाणिज्य/उ.रे.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14205-SLR-F1-AYC-DLI-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	13.03.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	30.03.2026 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	30.03.2026 at 10:30 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	12184-SLR-R1-MBDP-BPL-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	13.03.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	30.03.2026 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	30.03.2026 at 10:40 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14207-SLR-F1-MBDP-DLI-26-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	13.03.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	30.03.2026 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	30.03.2026 at 10:50 hrs.
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

986/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ-उ0रे0-मण्डल-वाणिज्य/उ0रे0
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14233-SLR-F1-PYGS-MJR-26-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.03.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	02.04.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	02.04.2026 at 11:30 hrs.
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14229-SLR-F1-PYGS-YNRK-22-3 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.03.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	02.04.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	02.04.2026 at 11:40 hrs.
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	20401-SLR-F1-BSB-LKO-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.03.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	02.04.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	02.04.2026 at 11:50 hrs.
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14123-SLR-F1-MBDP-CNB-26-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.03.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	02.04.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	02.04.2026 at 12:00 hrs.
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders.	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 903/26

बीआरसी मौरावां में शिक्षकों की बैठक, टेट अनिवार्यता के विरोध में दिल्ली कूच की तैयारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पुरवा (उन्नाव)। टीचर्स फ़ेडरेशन ऑफ इंडिया (टीएफआई) के बैनर तले बुधवार को बीआरसी मौरावां मुख्यालय पर विभिन्न शिक्षक संगठनों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों पर टेट अनिवार्यता के विरोध में रणनीति तैयार की गई। बैठक में जूनियर शिक्षक संघ और प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने एक स्वर में कहा कि आरटीई एक्ट लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर टेट अनिवार्यता थोपना अनुचित है। इस मुद्दे को लेकर सभी संगठनों ने एकजुटता दिखाते हुए आंदोलन को तेज करने का निर्णय लिया। बैठक में शीर्ष नेतृत्व के आवाहन पर आगामी 4 अप्रैल 2026 को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करने की रणनीति बनाई गई। शिक्षकों ने संगठित होकर टेट अनिवार्यता का विरोध करने का संकल्प लिया। इस दौरान जूनियर शिक्षक संघ के मंडलीय पदाधिकारी अनिल शुक्ला, जिला कोषाध्यक्ष सरल कुमार, अध्यक्ष कमलेश कुमार, मंत्री प्रदीप मिश्रा, प्राथमिक शिक्षक संघ के तहसील प्रभारी शिवम चौरसिया, पंकज चौरसिया, नीरज कुमार, आनंद, अजय कुमार सहित कई शिक्षक मौजूद रहे।

शहीद शशिकांत तिवारी की पुण्यतिथि पर आदमकद प्रतिमा का अनावरण

- सदर विधायक पंकज गुप्ता ने निजी संसाधनों से बनवाया प्रेरणा स्थल, वीरांगनाओं व पूर्व सैनिकों का हुआ सम्मान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। जनपद के अमर शहीद शशिकांत तिवारी की पुण्यतिथि पर सदर विधायक पंकज गुप्ता ने उनके सम्मान में स्थापित आदमकद प्रतिमा का अनावरण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। यह प्रतिमा उनके द्वारा निजी संसाधनों से बनवाकर पूरन नगर के समीप बरवट क्षेत्र में विकसित प्रेरणा स्थल पर स्थापित कराई गई है।

ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में हुए नक्सली हमले में शहीद हुए पूरन नगर निवासी शशिकांत तिवारी की स्मृति में परिजनों द्वारा लंबे समय से पार्क व मूर्ति स्थापना की मांग की जा रही थी। तमाम प्रयासों के बाद भी सफलता न मिलने पर विधायक ने स्वयं पहल करते हुए प्रेरणा स्थल का निर्माण कराया और प्रतिमा स्थापित कराई।

कार्यक्रम की शुरुआत शहीद के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया गया। इस अवसर पर जनपद के सेवानिवृत्त सैनिकों व शहीद वीरांगनाओं को सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि देश की सुरक्षा वीर सैनिकों के बलिदान पर टिकी है। उन्होंने शहीद शशिकांत तिवारी के अदम्य साहस को नमन करते हुए कहा कि लंबे समय बाद परिजनों की मांग पूरी कर पाना उनके लिए सौभाग्य की बात है। साथ ही उन्होंने विलंब के लिए खेद जताया और सैन्य परिवारों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन विमल द्विवेदी ने किया, जबकि संयोजन में पवन सिंह, प्रदीप सिंह, देवांश तिवारी व अजय त्रिवेदी का सहयोग रहा। इस मौके पर शहीद की पत्नी अनीता तिवारी, पूर्व सैनिक ए.के. दीक्षित, आर.के. मिश्रा, जे.के. सिंह, सुबेद शुक्ला, आर.बी. सिंह सहित शहीद वीरांगनाएं प्रतिमा गौतम, किरण यादव व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन से संबंधित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ-उ.रे.-मण्डल-वाणिज्य/उ.रे.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14260-SLR-F1-LKO-GAYA-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.03.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	01.04.2026 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	01.04.2026 at 10:30 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	12231-SLR-F1-LKO-CDG-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.03.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	01.04.2026 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	01.04.2026 at 10:40 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	19402-SLR-F1-LKO-SBIB-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.03.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	01.04.2026 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	01.04.2026 at 10:50 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14260-SLR-F2-LKO-GAYA-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.03.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	01.04.2026 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	01.04.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14262-SLR-F1-LKO-GAYA-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.03.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	01.04.2026 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	01.04.2026 at 11:10 hrs.

Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders : E-Auction Module of www.ireps.gov.in

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 904/2026

ओवरलोड गन्ना ट्रक बना काल, महिला की मौत, बेटी समेत दो घायल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

धौरहरा खीरी। धौरहरा-निघासन मार्ग पर दाहोरा पुल के पास बुधवार को एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। गन्ने से ओवरलोड एक ट्रक अचानक बीच रास्ते में फटकर अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे गुजर रहे लोगों पर पलट गया। इस हादसे में गन्ने के नीचे दबकर एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसकी नाबालिग बेटी और एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक में निर्धारित क्षमता से कहीं अधिक गन्ना लदा हुआ था। जैसे ही वाहन दाहोरा पुल के समीप पहुंचा, अत्यधिक भार के कारण उसका ढांचा बीच से टूट गया और ट्रक असंतुलित होकर सड़क किनारे जा रहे राहगीरों पर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए राहत कार्य शुरू किया और गन्ने के ढेर में दबे लोगों को बाहर निकाला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) धौरहरा भिजवाया गया।

हादसे में मृत महिला की पहचान सुनीता (पत्नी कमलेश), निवासी काजीपुरवा के रूप में हुई है। गंभीर रूप से घायल उसकी 12 वर्षीय बेटी नयना और सलीम (निवासी धौरहरा) को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल ओयल रेफर किया गया। दुर्भाग्यवश, सुनीता ने जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया इस हृदयविदारक घटना के बाद क्षेत्र में शोक के साथ-साथ आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों ने ओवरलोड वाहनों के खिलाफ प्रशासन की ढिलाई पर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में लंबे समय से ओवरलोड ट्रकों का संचालन जारी है, लेकिन संबंधित विभाग द्वारा कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सख्त कार्रवाई की जाती, तो इस तरह की दुर्घटनाओं को रोका जा सकता था। हादसे के बाद प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं और लोगों में रोष व्याप्त है फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, स्थानीय लोगों ने मांग की है कि दोषी ट्रक चालक और मालिक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए तथा ओवरलोड वाहनों पर तत्काल सख्त अभियान चलाया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर कब तक ओवरलोड वाहन सड़कों पर 'मौत बनकर' दौड़ते रहेंगे और निर्दोष लोगों की जान लेते रहेंगे।

छोटी काशी गोला में ट्रेन से टकराकर गोवंश की मौत, हिंदू संगठनों में आक्रोश

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला में बुधवार दोपहर करीब 12:30 बजे एक दर्दनाक घटना सामने आई, जब गाड़ी संख्या 55083 मैलानी-डालीगंज पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आने से एक गोवंश की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल बन गया घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों ने अनूप गुप्ता को सूचना दी। सूचना पाकर उन्होंने तत्काल अपनी टीम को मौके पर भेजा, जिसमें नगर मंत्री सुमित गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी शामिल रहे। मौके पर पहुंचकर टीम ने मृत गोवंश का विधिवत अंतिम संस्कार कराया इस दौरान स्थानीय लोगों और हिंदू संगठनों में रेलवे प्रशासन के प्रति नाराजगी देखने को मिली। आरोप लगाया गया कि घटना के बाद रेलवे प्रशासन और स्टेशन मास्टर द्वारा अंतिम संस्कार की कोई व्यवस्था नहीं की गई, जिससे लोगों में रोष और बढ़ गया। जिला अध्यक्ष अनूप गुप्ता ने इस लापरवाही पर कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं में संबंधित विभाग को संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। उन्होंने भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर तत्काल कार्रवाई और उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की।

सी.जी.एन. पी.जी. कॉलेज गोला में एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। केन ग्रोअर्स नेहरू पी.जी. कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर (18 मार्च से 24 मार्च 2026) का शुभारंभ ग्राम पंचायत गोला देहात सचिवालय में भव्य रूप से किया गया। शिविर का आयोजन एनएसएस इकाई प्रथम एवं द्वितीय द्वारा किया जा रहा है कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि रेनू मिश्रा एवं विशिष्ट अतिथि राजेश गिरि द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन के साथ किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम प्राचार्य प्रो. पंकज सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। संचालन एनएसएस इकाई प्रथम के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आदर्श पटेल एवं इकाई द्वितीय के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमित कुमार यादव द्वारा किया गया मुख्य अतिथि रेनू मिश्रा ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए स्वयंसेवकों को राष्ट्र सेवा, सामाजिक जागरूकता एवं जिम्मेदारी के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि एनएसएस युवाओं में अनुशासन, सेवा भावना और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है विशिष्ट अतिथि राजेश गिरि ने अपने छात्र जीवन के अनुभव साझा करते हुए बताया कि एनएसएस से जुड़ाव ने उन्हें सामाजिक जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने पंचायत राज व्यवस्था, प्रधान की जिम्मेदारियों एवं कार्यप्रणाली के बारे में स्वयंसेवकों को विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान स्वयंसेवकों ने पंचायत भवन में स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई में योगदान भी दिया भोजनावकाश के बाद आयोजित द्वितीय सत्र में मुख्य वक्ता डॉ. विश्वनाथ ने पंचायत राज व्यवस्था एवं संबंधित अधिनियमों की विस्तृत जानकारी दी। इसके बाद आयोजित प्रश्नोत्तरी सत्र में स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं ने सक्रिय भागीदारी करते हुए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्यगीत एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. नवनीत कुमार, डॉ. विष्णु कुमार शुक्ल, प्रमोद कुमार, डॉ. शेषमणि विश्वकर्मा, डॉ. अशोक कुमार, देवानंद, डॉ. योगेश कनौजिया, डॉ. अरुण कुमार सिंह, शैलेन्द्र सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहीं।

किसानों और मजदूरों के हक में भारतीय किसान यूनियन की बड़ी बैठक, पदाधिकारी मनोनीत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अज़ान खीरी। भारतीय किसान यूनियन ''अराजनैतिक,, द्वारा बुधवार, 18 मार्च 2026 को नीमगांव तहसील के ग्राम खिरिया में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में किसानों और मजदूरों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही भविष्य की रणनीतियों पर मंथन करते हुए संगठन ने अपने उद्देश्यों के प्रति पुनः प्रतिबद्धता जताई बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष कुलवंत सिंह जोशान ने की। उनके नेतृत्व में संगठन के विस्तार और मजबूती को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए इस दौरान युवा जिलाध्यक्ष सर्वजीत सिंह सैनी, युवा जिला मंत्री नरेंद्र सिंह गिल, युवा जिला महासचिव आदित्य गुप्ता, युवा विधानसभा उपाध्यक्ष योगेश गोला, विधानसभा अध्यक्ष मोहम्मद उस्मान तथा विधानसभा प्रभारी बृज बिहारी प्रजापति सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सभी ने अपने विचार रखते हुए जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने के सुझाव दिए बैठक का मुख्य आकर्षण नए पदाधिकारियों का मनोनयन रहा जिलाध्यक्ष कुलवंत सिंह जोशान ने संगठन को गति देने के उद्देश्य से कई नियुक्तियों की घोषणा की ग्राम खिरिया निवासी सुनील वर्मा को जिला मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई, जबकि यूसुफ को सदस्य बनाया गया। इसके अलावा शहीद, पिंड बिहारी, अनिल सिंह, अनूप कुमार, मुजीबुल्लाह खान, संदीप कुमार और कौशल किशोर को जिला कार्यकारिणी सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया नव-नियुक्त पदाधिकारियों सहित सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया उन्होंने कहा कि वे किसानों और मजदूरों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए उनके अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करते रहेंगे बैठक के अंत में जिलाध्यक्ष कुलवंत सिंह जोशान ने सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन के प्रति निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास जताया कि संगठन की एकजुटता और सक्रियता से किसानों और ग्रामीण समाज के हितों की प्रभावी ढंग से रक्षा की जा सकेगी।

वन बुधेली गांव में दुर्गा मंदिर में तोड़फोड़, देवी प्रतिमा और शिवलिंग खंडित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अज़ान खीरी। हैदराबाद थाना क्षेत्र के वन बुधेली गांव में धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाने वाली एक निंदनीय घटना सामने आई है। बीती रात अज्ञात अराजक तत्वों ने गांव के बाहर स्थित दुर्गा माता मंदिर में तोड़फोड़ करते हुए मां दुर्गा की प्रतिमा और शिवलिंग को क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के बाद पूरे गांव में आक्रोश और तनाव का माहौल बना हुआ है जानकारी के अनुसार, यह मंदिर गांव के चौकीदार एवं पुजारी राजेश के खेत में स्थित है। बुधवार सुबह जब पुजारी राजेश रोजाना की तरह पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि मंदिर का ताला टूटा हुआ है। अंदर जाकर देखा तो गर्भगृह में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा और शिवलिंग को ईंटों से तोड़कर खंडित कर दिया गया था। यह दृश्य देखकर वह स्तब्ध रह गए घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए और इस कृत्य के खिलाफ जोरदार विरोध जताया। लोगों में भारी आक्रोश देखा गया और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग उठने लगी। स्थिति को देखते हुए तत्काल पुलिस को सूचना दी गई सूचना मिलते ही हैदराबाद थाना प्रभारी सुनील मलिक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आक्रोशित ग्रामीणों को शांत कराते हुए निष्पक्ष एवं शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में जांच शुरू कर दी है और संदिग्धों की तलाश की जा रही है। पुलिस की मौजूदगी में ग्रामीणों ने धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना की और खंडित मूर्तियों को कठिना नदी में विसर्जित कर दिया। इसके साथ ही मंदिर में नई मूर्तियों की स्थापना की तैयारी भी शुरू कर दी गई है थाना प्रभारी सुनील मलिक ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है। अभी तक किसी भी पक्ष से लिखित तहरीर प्राप्त नहीं हुई है, लेकिन पुलिस अपने स्तर से कार्रवाई कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस घटना में शामिल दोषियों की जल्द पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

फिलहाल गांव में शांति बनाए रखने के लिए पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है। प्रशासन की प्राथमिकता है कि स्थिति सामान्य बनी रहे और क्षेत्र में सौहार्द कायम रखा जाए।

राष्ट्रीय बजरंग दल का विरोध प्रदर्शन,थाना प्रभारी ने दिया नई मूर्ति के लिए दान, जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन

अज़ान खीरी। थाना हैदराबाद क्षेत्र के ग्राम बन बुधेली में दुर्गा मंदिर में प्रतिमा खंडित किए जाने की घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। इस घटना के विरोध में राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग उठाई घटना की सूचना मिलते ही संगठन के जिलाध्यक्ष राकेश कनौजिया सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि जल्द ही नई प्रतिमा स्थापित कराई जाएगी। साथ ही उन्होंने पुलिस प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि ऐसे कृत्य किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी सुनील मलिक भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने आक्रोशित लोगों को शांत कराया और भरोसा दिलाया कि घटना में शामिल आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। इस दौरान थाना प्रभारी ने सराहनीय पहल करते हुए नई प्रतिमा के लिए अपनी ओर से 5100 रुपये का सहयोग भी प्रदान किया जिलाध्यक्ष राकेश कनौजिया ने नवरात्रि के मद्देनजर ग्रामीणों से अपील की कि सभी लोग मिलकर सहयोग करें और शीघ्र नई प्रतिमा की स्थापना कराएं, ताकि धार्मिक अनुष्ठान विधिवत संपन्न हो सकें। उन्होंने कहा कि त्योहार के समय इस प्रकार की घटनाएं समाज को आहत करने वाली हैं वहीं, संगठन के नगर महासचिव पारुष श्रीवास्तव सुबह से ही कार्यकर्ताओं के साथ गांव में मौजूद रहे।

स्वामी विवेकानंद अकेडमी मझिगवां में वार्षिक परीक्षाफल व पुरस्कार वितरण समारोह धूमधाम से संपन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अज़ान खीरी। स्वामी विवेकानंद अकेडमी, ग्राम मझिगवां खीरी मे वार्षिक परीक्षाफल एवं पुरस्कार वितरण समारोह बड़े ही हर्षोल्लास, उत्साह और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। विद्यालय प्रांगण में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, अभिभावकों, शिक्षकों एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय संस्कृति के अनुरूप ज्ञान की देवी मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं वंदना के साथ हुआ। इस दौरान पूरा वातावरण भक्ति, ज्ञान और अनुशासन के भाव से ओत-प्रोत हो गया। इसके पश्चात विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिनमें देशभक्ति गीत, लोकनृत्य, समूह नृत्य, लघु नाटिकाएं और प्रेरणादायक प्रस्तुतियां शामिल रहीं। इन प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और विद्यार्थियों की प्रतिभा की सभी ने मुक्तकंठ से सराहना की समारोह की अध्यक्षता श्रीमती सुनीलम सिंह ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में मीनाक्षी अग्रवाल उपस्थित रहीं। अपने प्रेरक संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम और लक्ष्य के प्रति समर्पण का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि सफलता उन्हीं को मिलती है जो निरंतर प्रयास करते हैं और असफलताओं से सीख लेकर आगे बढ़ते हैं।

पुलिस ने लापता व्यापारी को सकुशल बरामद किया

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में थाना जसराना पुलिस व सर्विलांस टीम ने एक सप्ताह पूर्व लापता हुए व्यापारी को बुधवार को सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने व्यापारी को उसके परिजनों के सुपुर्द किया है। थाना जसराना क्षेत्र अन्तर्गत 11 मार्च को व्यापारी कुनाल गुप्ता अचानक लापता हो गए थे। परिजनों ने 11 मार्च को ही थाने पर व्यापारी की गुमशुदगी दर्ज कराई थी और पुलिस जांच में जुट गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अनुज के नेतृत्व में थाना जसराना प्रभारी राजेश पांडेय व सर्विलांस टीम को व्यापारी की सकुशल बरामदगी के निर्देश दिए।सोशल मीडिया सेल टीम ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप, एक्स, फ़ेसबुक, इंस्टाग्राम आदि पर व्यापक स्तर पर फोटो के साथ पैम्पलेट पोस्ट कर प्रचार प्रसार किया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि व्यापारी कुनाल गुप्ता को सकुशल बरामद कर काउंसलिंग की कार्यवाही अमल में लाई गयी है।

चैत्र नवरात्रि कल से: पालकी पर सवार होकर आएंगी माँ दुर्गा, हाथी पर होगा प्रस्थान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। हिंदू धर्म के प्रमुख और पवित्र पर्व चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ इस वर्ष 19 मार्च, बृहस्पतिवार से होने जा रहा है। नौ दिनों तक चलने वाले इस महापर्व में पूरा क्षेत्र माँ भगवती की भक्ति में सराबोर रहेगा। भक्तजन घट स्थापना के साथ माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर व्रत का संकल्प लेंगे।

शुभ मुहूर्त और पंचांग : पंडित कमल किशोर मिश्र के अनुसार, चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि का आरंभ होगा। कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त प्रातः 6 बजकर 40 मिनट के बाद पूरे दिन रहेगा। इस दौरान श्रद्धालु अपने-अपने घरों और मंदिरों में विधिपूर्वक घट स्थापना करेंगे। यह पर्व नवमी तिथि तक चलेगा और दशमी को व्रत पारण के साथ इसका समापन होगा।

पालकी पर आगमन और हाथी पर विदाईः ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार इस वर्ष माँ दुर्गा पालकी पर सवार होकर पृथ्वी पर आगमन करेंगी। गुरुवार से नवरात्रि प्रारंभ होने के कारण माता का वाहन पालकी माना गया है, जिसे शास्त्रों में कुछ हद तक संघर्ष या उतार-चढ़ाव का संकेत माना जाता है वहीं, नवरात्रि के समापन पर माँ दुर्गा का प्रस्थान हाथी पर होगा, जो अत्यंत शुभ माना जाता है। हाथी पर विदाई का अर्थ है कि आने वाले समय में अच्छी वर्षा, उन्नति और समृद्धि के योग बनेंगेभक्ति, साधना और आत्मशुद्धि का पर्व धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि केवल व्रत और पूजा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मशुद्धि, संयम और साधना का विशेष अवसर भी है। इन नौ दिनों में श्रद्धालु मन, वचन और कर्म से शुद्ध रहकर माँ दुर्गा की आराधना करते हैं मान्यता है कि जो भक्त सच्चे मन और श्रद्धा के साथ माँ की पूजा करते हैं, उन्हें शक्ति, साहस और आत्मविश्वास की प्राप्ति होती है तथा जीवन की बाधाएं दूर होती हैं। यही कारण है कि नवरात्रि को शक्ति उपासना का सबसे महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है क्षेत्र के मंदिरों में भी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और कल से जय माता दी के जयकारों के साथ पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठेगा।

संक्षिप्त समाचार

पलिया चीनी मिल में 24 मार्च को लगेगा निशुल्क नेत्र जांच शिविर

गोला गोकर्णनाथ खीरी। बजाज हिंदुस्थान शुगर लिमिटेड की पलिया चीनी मिल परिसर में 24 मार्च को निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में सीतापुर आंख अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा ग्रामीणों, किसानों, कर्मचारियों और अधिकारियों की आंखों की जांच की जाएगी शिविर के प्रचार-प्रसार के लिए मिल क्षेत्र के आसपास के गांवों में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। आयोजकों ने बताया कि जिन लोगों को आंखों से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या है, वे शिविर में पहुंचकर निशुल्क परामर्श ले सकते हैं चिकित्सकों के अनुसार, जांच के दौरान यदि किसी मरीज को ऑपरेशन की आवश्यकता पाई जाती है, तो उसे निशुल्क ऑपरेशन के लिए सीतापुर ले जाने की व्यवस्था भी की जाएगी। आयोजकों ने क्षेत्र के ग्रामीणों और किसानों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपनी आंखों की जांच अवश्य कराएं, ताकि समय रहते उपचार संभव हो सके।

नेशनल हाईवे पर जंगली सुअर से बाइक की भिड़ंत, दो घायल; जिला अस्पताल रेफर

अज़ान खीरी। लखीमपुर-गोला नेशनल हाईवे पर करनपुर गांव के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जहां तेज रफ्तार बाइक की टक्कर अचानक सामने आए जंगली सुअर से हो गई। हादसे में बाइक सवार दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान राजेश (36) पुत्र रामजीवन और मायाराम (38) पुत्र जगन्नाथ, निवासी ग्राम चकपुरवा थाना तंबौर, जिला सीतापुर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों किसी कार्य से अपने गांव से गोला की ओर जा रहे थे, तभी रास्ते में अचानक जंगली सुअर सामने आ गया और बाइक उससे टकरा गई हादसा इतना जबरदस्त था कि दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना में राजेश का पैर टूट गया, जबकि मायाराम को भी गंभीर चोटें आई हैं घटना की सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। एंबुलेंस के ईएमटी वीरेश कुमार और चालक मनोज कुमार ने घायलों को प्राथमिक उपचार देते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरधान पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए दोनों को जिला अस्पताल ओयल रेफर कर दिया फिलहाल दोनों घायलों का इलाज जिला अस्पताल में जारी है। इस घटना के बाद हाईवे पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

राजस्व व कर वसूली की समीक्षा, लक्ष्य पूरा करने के निर्देश

उन्नाव। कलेक्ट्रेट स्थित पन्नालाल सभागार में जिलाधिकारी गौरांग राठी के निर्देशानुसार अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) सुशील कुमार गोंड की अध्यक्षता में कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों के साथ ही एंटी भू-माफिया, आपदा और चकबंदी से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वाणिज्यकर, स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन, आबकारी, परिवहन, ऊर्ज़ा, नगर विकास, वन विभाग, अलौह खनन, कृषि विपणन के अंतर्गत मंडी समिति उन्नाव, पुरवा व बांगरमऊ तथा सिंचाई विभाग की लक्ष्य के सापेक्ष वसूली की विस्तृत समीक्षा की गई। एडीएम ने कहा कि कुछ विभागों की वसूली लक्ष्य के अनुरूप नहीं पाई गई है, इसलिए वित्तीय वर्ष समाप्त होने से पूर्व शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित की जाए। राजस्व कार्यों की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए गए कि जिन न्यायालयों में पांच वर्ष से अधिक समय से वाद लंबित हैं, उनकी प्रतिदिन सुनवाई कर शीघ्र निस्तारण कराया जाए। सभी अधिकारी वादों के निस्तारण में गंभीरता दिखाएं। साथ ही जनपद के 10 बड़े बकायेदारों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया गया कि उनके विरुद्ध की जा रही कार्रवाई से उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जाए। आपदा से संबंधित मामलों की समीक्षा में कहा गया कि रिपोर्ट देने में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। आपदा से जुड़ी जानकारी के लिए जनपद में तैनात आपदा विशेषज्ञ विनय तिवारी से समन्वय स्थापित करते हुए मामलों का तत्काल निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

बाघ के हमले से किसान की मौत, नंदलालपुर गांव में दहशत

- वन विभाग ने लगाए 8 कैमरे और दो पिंजड़े

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अज़ान खीरी। महेशपुर वन रेंज क्षेत्र में बाघ का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे नंदलालपुर सहित आसपास के गांवों में भय और दहशत का माहौल व्याप्त है। सोमवार शाम करीब 3 बजे एक दर्दनाक घटना में नंदलालपुर गांव निवासी किसान मनोज कुमार को बाघ ने उस समय हमला कर मार डाला, जब वह गन्ने के खेत में चारा लेने गए थे। घटना इतनी अचानक और भयावह थी कि उन्हें संभलने का मौका तक नहीं मिला और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही पूरे गांव में शोक और आक्रोश की लहर दौड़ गई। मंगलवार को मृतक का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद गुस्साए ग्रामीणों ने मोहम्मदी-सिकंदराबाद हाईवे पर सकेथू मोड़ के पास शव रखकर जाम लगा दिया। ग्रामीणों ने वन विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और आरोप लगाया कि विभाग की लापरवाही के चलते लगातार ऐसी घटनाएं हो रही हैं।

प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों की मुख्य मांग थी कि आदमखोर बाघ को जल्द से जल्द पकड़ा जाए और क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। कई घंटों तक चले इस जाम के कारण यातायात पूरी तरह बाधित रहा और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर जाम खुलवाया और शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया।

ग्रामीणों के आक्रोश और दबाव के बाद वन विभाग सक्रिय हुआ। विभाग ने तत्काल नंदलालपुर गांव के बाहर, विशेषकर दक्षिण दिशा के खेतों में बाघ की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए 8 ट्रैप कैमरे लगाए हैं। इसके साथ ही बाघ को पकड़ने के लिए दो पिंजड़े भी लगाए गए हैं, जिनमें बकरों को बांधकर उसे आकर्षित करने की कोशिश की जा रही है वन विभाग ने इस अभियान के लिए तीन विशेष टीमें गठित की हैं, जिनमें कुल 18 सदस्य शामिल हैं। ये टीमें दिन-रात क्षेत्र में सघन कॉम्बिंग कर रही हैं और बाघ की हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए हैं। वन दरोगा रोहित श्रीवास्तव ने बताया कि बाघ को पकड़ने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं और जल्द ही उसे पकड़ लिया जाएगा फिलहाल गांव और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामीण अपने खेतों में जाने से डर रहे हैं और बच्चों को घरों से बाहर निकलने से रोका जा रहा है। लोगों का कहना है कि जब तक बाघ पकड़ा नहीं जाता, तब तक भय का यह माहौल बना रहेगा। वहीं प्रशासन और वन विभाग के लिए यह बड़ी चुनौती बन गई है कि जल्द से जल्द बाघ को पकड़कर क्षेत्रवासियों को राहत दिलाई जाए।

कल्याणी देवी मंदिर तालाब के सौंदर्यीकरण की उठी मांग

- नवरात्रि से पहले सफाई अभियान चलाकर प्रशासन से की सख्त कार्रवाई की अपील

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। चैत्र नवरात्रि प्रारम्भ होने से पूर्व ''नर सेवाऽनारायण सेवा'' समिति के संस्थापक व हिंदूवादी नेता विमल द्विवेदी ने नगर के प्राचीन बड़े हनुमान मंदिर सहित प्रमुख मंदिरों के आसपास सफाई अभियान चलाया। इस दौरान समिति के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने मंदिरों के आसपास व मार्गों पर झाड़ू लगाकर चूना डाला और स्वच्छता का संदेश दिया। विमल द्विवेदी ने प्रदेश सरकार, जनप्रतिनिधियों व जिला प्रशासन से नगर के आस्था केंद्र प्राचीन कल्याणी देवी मंदिर के तालाब के सौंदर्यीकरण की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि तालाब में आसपास रहने वाले लोगों द्वारा नालों का गंदा पानी और मल-मूत्र प्रवाहित किया जा रहा है, जिसे तत्काल प्रभाव से रोका जाना चाहिए, ताकि मंदिर व तालाब की पवित्रता बनी रह सके। उन्होंने बताया कि पूर्व में उनके द्वारा करीब डेढ़ माह तक लगातार तालाब में स्वच्छता अभियान चलाकर उसे पूरी तरह साफ कराया गया था, लेकिन प्रशासनिक सहयोग न मिलने के कारण स्थिति पुनः खराब हो गई। दूषित पानी के कारण न केवल धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं, बल्कि आसपास के लोगों में गंभीर बीमारियों का खतरा भी बना रहता है। द्विवेदी ने मंदिरों के आसपास मांस-मदिरा की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने, खुले में मांस बिक्री करने वालों पर कार्रवाई करने तथा मंदिर क्षेत्रों में बेहतर स्वच्छता व सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की।

पोंटिंग ने यानसेन के देर से टीम से जुड़ने को स्वीकृति दी

एजेंसी

नयी दिल्ली। पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने आईपीएल के लिए मार्को यानसेन के देर से आने को स्वीकृति दे दी है। उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि यह दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर उन खिलाड़ियों के आखिरी समूह में शामिल था जो टी20 विश्व कप के बाद 'लॉजिस्टिक्स' से जुड़ी दिक्कतों के कारण भारत से देर से रवाना हुए थे। दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाड़ी विश्व कप में अपना सफर खत्म होने के बाद एक हफ्ते से अधिक समय तक भारत में ही फंसे रहे थे। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी और दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज डेविड मिलर सहित कुछ खिलाड़ियों ने भारत से रवाना होने में हुई देरी पर नाराजगी भी जाहिर की थी। यह देरी पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण दुबई और अबु धाबी जैसे बड़े हवाई अड्डों पर सीमित उड़ानों की वजह से हुई थी। पंजाब किंग्स टीम के अहम सदस्य यानसेन 26 मार्च को टीम के साथ जुड़ेंगे। पोंटिंग और अधिकतर विदेशी खिलाड़ी 21 मार्च को टीम के साथ जुड़ने वाले हैं। अफगानिस्तान के ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई 23 मार्च को काबुल से टीम के साथ जुड़ेंगे। उनका देश इस समय पाकिस्तान के साथ संघर्ष में उलझा हुआ है। पंजाब किंग्स के साथ अपने पहले ही साल में पोंटिंग और कप्तान श्रेयस अय्यर की जोड़ी ने पिछले सत्र में टीम को फाइनल तक पहुंचाया था। यह 2014 के बाद टीम का पहला फाइनल था। एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, ''रिकी अपने खिलाड़ियों का पूरा साथ देते हैं। यह देखते हुए कि मार्को भारत से देर से रवाना हुए थे, वह इस बात को समझते हैं कि उन्हें घर पर कुछ समय बिताने का पूरा मौका मिलना चाहिए। इस लंबे कद के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने पिछले सत्र में 9.20 की इकोनॉमी रेट से 16 विकेट लिए थे। अय्यर के 19 मार्च को टीम के साथ जुड़ने की उम्मीद है।

आकर्षी ने ओरलियंस मास्टर्स के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया

ओरलियंस। भारत की आकर्षी कश्यप ने मंगलवार को ओरलियंस मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वालीफाइंग दौर में दो जीत दर्ज करते हुए महिला एकल के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया। विश्व रैंकिंग में 63वें स्थान पर काबिज आकर्षी ने पहले मुकाबले में हमवतन श्रीयांशी वलीशेट्टी को 21-19, 17-21, 21-13 से हराया और फिर अगले मैच में ताइपे की ली वाई एच को 21-17, 21-19 से मात दी। अब उनका मुकाबला सिंगापुर की येओ जिया मिन से होगा। पुरुष एकल के क्वालीफाइंग राउंड में एस सुब्रमणियन को मलेशिया के ली जी जिया से 12-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। ली ज़ी जिया पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता हैं और 2025 सत्र में चोटों से जूझने के बाद वापसी का प्रयास कर रहे हैं। महिला युगल में, भारतीय जोड़ी अश्विनी भट के और शिखा गौतम को रुई हिरोकामी और सायका होबारा की जापान की जोड़ी के खिलाफ वॉकओवर मिला।

जर्मनी के पूर्व कोच जोकिम लोव ने विश्व कप को लेकर सुरक्षा संबंधी चिंताएं जताई

एजेंसी

कोलोन (जर्मनी)। जर्मनी के पूर्व कोच जोकिम लोव ने अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा की मेजबानी में होने वाले फुटबॉल विश्व कप में सुरक्षा को लेकर चिंताएं जताई हैं। कोलोन एक्सप्रेस समाचार पत्र ने लोव के हवाले से कहा, ''2018 में रूस में हुए विश्व कप से पहले भी बहस हुई थी और 2022 में कतर में हुए विश्व कप से पहले बहिष्कार की मांग उठी थी। लेकिन ऐसे देश में खेलना जो सक्रिय रूप से युद्ध में शामिल हो और भी अधिक खतरनाक है। उन्होंने कहा, ''वहां की राजनीतिक स्थिति टूर्नामेंट पर पूरी तरह से हावी हो सकती है। अमेरिका और इजरायल का ईरान के साथ युद्ध जारी है और पिछले महीने मैक्सिको की सेना द्वारा कार्टेल सरगना नेमेसियो रूबेन ओसेगुएरा सर्वान्तेस को मारने के बाद हिंसा की एक लहर फैल गई थी। सर्वान्तेस को 'एल मेनचो'के नाम से जाना जाता था। ब्राजील में 2014 में जर्मनी को विश्व कप का खिताब दिलाने वाले लोव ने सोमवार शाम को एक कार्यक्रम में बात की। यह कार्यक्रम विश्व कप के पिछले सत्रों पर केंद्रित था जिसमें उनके साथ रेनर बोनहोफ ने शिरकत की जिन्होंने 1974 का टूर्नामेंट जीतने में पश्चिम जर्मनी की मदद की थी। इसके अलावा विश्व कप जीतने वाले अन्य खिलाड़ी भी मौजूद थे। उनकी बातचीत के अंत में ध्यान आने वाले टूर्नामेंट पर चला गया। बोनहोफ ने कहा, ''मुझे तो यह भी नहीं पता कि आपको खेलना भी चाहिए या नहीं। उन्होंने सह-मेजबानों के बारे में कहा, ''मौजूदा हालात को देखते हुए मेरे लिए सिर्फ कनाडा ही एक तटस्थ देश है। मैं किसी भी विश्व कप का बहिष्कार नहीं करना चाहता। हमें फुटबॉल से बहुत प्यार है। लेकिन हमें सच में सुरक्षा उपायों के बारे में सोचना होगा जिन पर हमने अभी तक विचार नहीं किया है।

शीर्ष-20 से शीर्ष-10 का सफर और भी अधिक मुश्किल होगा: अनाहत सिंह

एजेंसी

मुंबई। विश्व स्क्वाश रैंकिंग के शीर्ष-20 में जगह बनाने वाली सबसे कम उम्र की एशियाई खिलाड़ी बनने के बाद 17 साल की अनाहत सिंह जानती हैं कि शीर्ष -10 में जगह बनाना कहीं अधिक मुश्किल होगा क्योंकि उन्हें शीर्ष स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। दीपिका पल्लीकल और जोशना चिनप्पा पीएसए रैंकिंग में 10वें स्थान तक पहुंची थीं लेकिन उससे आगे नहीं बढ़ पाईं। विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर मौजूद अनाहत कम उम्र और खास प्रतिभा के दम पर वह कर सकती हैं जो आज तक किसी भारतीय ने नहीं किया। अनाहत ने इंडियन ओपन के दौरान कहा, ''मुझे पता है कि यह काफी मुश्किल होने वाला है। शीर्ष-20 में जगह बनाना उतना मुश्किल नहीं था जितना शीर्ष-10 में जगह बनाना होगा क्योंकि अब जब आप इतने ऊंचे स्तर पर होते हैं तो एक भी पायदान ऊपर चढ़ना काफी मुश्किल होता है। उन्होंने कहा, ''मुझे पता है कि यह मुश्किल होगा और मुझे यह भी पता है कि इसमें काफी समय लगेगा। मैं कड़ी ट्रेनिंग करने, अपने खेल को बेहतर बनाने और शीर्ष खिलाड़ियों के साथ खेलने के लिए बहुत उत्साहित हूं। अनाहत ने स्वीकार किया कि अगर जरूरत पड़ी तो उन्हें अपने कोच के साथ मिलकर अपनी योजनाओं और सफलता के फॉर्मूले पर फिर से विचार करने की भी जरूरत होगी। उन्होंने कहा, ''अगर मुझे कभी ऐसा करना पड़ा तो यह बस अपने कोच से बात करने और उनसे आत्मविश्वास पाने के बारे में है। उन्हें पता होता है कि मैं किन चीजों की आदी हूं और मैं क्या कर रही हूं। पंद्रह साल की उम्र में एशियाई खेलों का पदक जीतने वाली सबसे युवा खिलाड़ी अनाहत ने कहा, ''बस उनसे बात करना और खुद को उस स्थिति में देखना–यह कुछ ऐसा है जो मुकाबलों के दौरान थोड़ा घबराए होने पर मेरी मदद करता है।''

पूरी जिंदगी नहीं खेल सकते इसलिए पढ़ाई जरूरी है: सिंधू

एजेंसी

गुरुग्राम। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधू ने इस बात पर जोर दिया कि उभरते हुए खिलाड़ियों के लिए पढ़ाई करना बेहद जरूरी है और पढ़ाई को नजरअंदाज करके सिर्फ खेल पर ध्यान देना बहुत जोखिम भरा है क्योंकि एक ही चोट से खेल करियर खत्म हो सकता है। पूर्व विश्व चैंपियन ने डीपीएस इंटरनेशनल में एक बातचीत के दौरान शिक्षाविद देवयानी जयपुरिया से बात करते हुए ये बातें कहीं। हैदराबाद की इस खिलाड़ी ने अपनी बात को समझाने के लिए अपनी जिंदगी के कई पहलुओं का जिक्र किया। इनमें 2016 के ओलंपिक से पहले का वह दौर भी शामिल है जब वह अपने बाएं पैर में 'स्ट्रेस फ्रैक्चर' होने के कारण परेशान थीं और उन्हें खुद पर शक होने लगा था। उन्होंने कहा, ''मैं इतने साल से खेल रही हूं। कभी न कभी तो आपको 'रिटायर' होना ही पड़ता है। और यही सच है। आप 45, 50 या 60 साल की उम्र तक शीर्ष स्तर पर नहीं खेल सकते। सिंधू ने राष्ट्रीय कोच पुलेला गोपीचंद की

बात का समर्थन किया जिन्होंने उभरते हुए खिलाड़ियों के माता-पिता से शिक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही थी। इस खिलाड़ी ने कहा, ''आपको इस बात को स्वीकार करना ही होगा कि शिक्षा हमेशा पूरी जिंदगी आपके साथ रहेगी और हमेशा आपके पास रहेगी। उन्होंने कहा, ''कोई भी सोने की चम्मच लेकर पैदा नहीं होता और आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ती है, चाहे वह पढ़ाई में हो या खेल में। पढ़ाई और खेल दोनों ही अहम हैं। मैंने अपना एमबीए किया है। इसलिए मुझे पता है कि यह आसान नहीं है। आप सुबह ट्रेनिंग के लिए जाते हैं, वापस आते हैं, पढ़ाई करते हैं, फिर शाम के सत्र के लिए जाते हैं। सिंधू ने कहा, ''सच तो यही है कि खेल एक बहुत छोटी सी चीज है। शिक्षा हमेशा आपके साथ रहेगी। खेल भी जरूरी है, लेकिन इतना भी नहीं कि आप अपनी पढ़ाई पूरी तरह से रोक दें। तीस साल की यह खिलाड़ी अभी ब्रेक पर है। अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर बमबारी के चलते हवाई क्षेत्र बंद करने की वजह से उन्हें कुछ दिनों के लिए दुबई में रुकना पड़ा था। उन्होंने कहा कि खेल के दौरान लगने वाली चोटों से उबरना मुश्किल हो सकता है इसलिए उन्होंने उभरते हुए खिलाड़ियों से पढ़ाई का एक विकल्प अपने पास रखने की बात कही। सिंधू ने कहा, ''हो सकता है मेरी बात थोड़ी कड़वी लगे, शायद अभी उन्हें यह बात समझ नहीं आए, लेकिन जिंदगी के बाद के पड़ाव में उन्हें यह जरूर समझ आएगा कि पढ़ाई भी उतनी ही जरूरी है। खेल कभी-कभी बहुत जोखिम भरा हो सकता है। इसमें कभी भी चोट लग सकती है। उन्होंने कहा, ''चोट से आपका करियर खत्म हो सकता है, आपकी सर्जरी हो सकती है। और चोटें बताकर नहीं आतीं, बस हो जाती हैं। ऐसे समय में, आपको यह पक्का करना होता है कि आप जिंदगी में हर चीज के लिए तैयार हैं। उन्होंने 2015 को याद किया जब उनके बाएं पैर में 'स्ट्रेस फ्रैक्चर' हो गया था जिससे उनका करियर खत्म होने का खतरा पैदा हो गया था और उन्हें छह महीने तक खेल से बाहर रहना पड़ा था। इसके चलते 2016 के ओलंपिक से पहले उनके पास तैयारी के लिए बहुत कम समय बचा था। इसके बावजूद रियो डि जिनेरियो में हुए उन खेलों में उन्होंने रजत पदक जीता।

संक्षिप्त समाचार

चक्रवर्ती और नारायण को ईडन गार्डन्स में अनुकूल पिच मिलनी चाहिए: डु प्लेसी

नयी दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसी ने कहा है कि वरुण चक्रवर्ती का प्रदर्शन टी20 विश्व कप में भले ही कुछ खास नहीं रहा हो लेकिन 28 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए यह भारतीय रहस्यमयी स्पिनर बहुत महत्वपूर्ण साबित होगा। इस टूर्नामेंट से संन्यास लेने से पहले चेन्नई सुपरकिंग्स, दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलने वाले डु प्लेसी ने 'जियो हॉटस्टार' से कहा कि ईडन गार्डन्स की पिच सुनील नारायण और चक्रवर्ती की गेंदबाजी के अनुकूल होनी चाहिए। डु प्लेसी ने कहा, ''अगर मैं केकेआर टीम प्रबंधन का हिस्सा होता तो मैं ईडन गार्डन्स के मैदानकर्मियों से कहता कि पिच को स्पिन के अनुकूल बनाया जाए। केकेआर खुशकिस्मत है कि उसके पास चक्रवर्ती और नारायण जैसे दो शानदार गेंदबाज हैं। उन्होंने कहा, ''ये दोनों इस समय टी20 क्रिकेट के सबसे बेहतरीन स्पिनरों में से हैं। वरुण और नारायण, दोनों का प्रदर्शन असरदार होना जरूरी है। अगर वे ऐसी पिचों पर खेलते हैं जहां वे अपनी पूरी क्षमता से गेंदबाजी नहीं कर पाते तो आप अपने इन दो सबसे बड़े हथियारों और अपनी सबसे बड़ी ताकत को खो देंगे। डु प्लेसी ने कहा, ''हां, वे किसी भी पिच पर अच्छी गेंदबाजी कर सकते हैं और बल्लेबाजों को परेशान कर सकते हैं। लेकिन इस आईपीएल में केकेआर की सफलता के लिए, चक्रवर्ती और नारायण को अपना जलवा दिखाना होगा। पिच को इन दोनों खिलाड़ियों को ध्यान में रखकर ही तैयार किया जाना चाहिए। टी20 विश्व कप में भारत की खिताबी जीत के दौरान चक्रवर्ती का प्रदर्शन औसत रहा था। उन्होंने 14 विकेट लिए लेकिन उनका इकोनॉमी रेट नौ से अधिक का रहा। पिछले सत्र में केकेआर की टीम अंक तालिका में नीचे से तीसरे स्थान पर रही थी और अपने 14 मैच में से सिर्फ पांच जीत पाई थी। अजिंक्य रहाणे की कप्तानी वाली यह टीम 29 मार्च को मुंबई इंडियन्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। यह मैच मुंबई के घरेलू मैदान पर खेला जाएगा। डु प्लेसी ने कहा कि कैमरन ग्रीन भी टीम के लिए अहम साबित हो सकते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी चेताया कि इस ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर पर अपनी 25.2 करोड़ रुपये की भारी-भरकम कीमत का बहुत अधिक दबाव होगा।

आईलीग दो की शुरुआत 27 मार्च से

नयी दिल्ली। आईलीग दो का अगला सत्र 27 मार्च से शुरू होगा जो भारतीय पुरुषों के फुटबॉल का तीसरा टियर है और इसमें नौ क्लब शामिल हैं। यह सत्र एकल राउंड रोबिन प्रारूप में खेला जाएगा जिसमें हर टीम आठ मैच खेलेगी। प्रत्येक टीम चार मैच अपने मैदान पर जबकि चार विरोधी के मैदार पर खेलेगी। पहले दिन कार्बी आंगलोंग मॉर्निंग स्टार एफसी का मुकाबला दीफू के केएएसए स्टेडियम में सुदेवा दिल्ली एफसी से होगा जबकि जीएमएससी की भिड़ंत मुंबई के कूपरेज स्टेडियम में स्पोर्टिंग क्लब बेंगलुरु से होगी। यह सत्र 15 मई को खत्म होगा जिसकी चैंपियन और उप विजेता टीम को इंडियन फुटबॉल लीग 2026S27 में जगह मिलेगी। नौवें स्थान पर रहने वाला क्लब स्पोर्ट्स अकादमी तिरूर को आईलीग तीन में खिसका दिया जाएगा। क्लब ने लीग शुरू होने से पहले ही आईलीग दो 2025-26 से अपना नाम वापस ले लिया था।

हरिहरन-अर्जुन युगल के दूसरे दौर में, आकर्षी ने ओरलियंस मास्टर्स के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया

ओरलियंस। हरिहरन अम्साकरुनन और एम आर अर्जुन की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने मंगलवार को ओरलियंस मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया, जबकि आकर्षी कश्यप ने क्वालीफाइंग दौर में दो जीत दर्ज कर महिला एकल के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई। हरिहरन और अर्जुन के खिलाफ चेक गणराज्य के जिरी क्राल और ओन्ड्रेज क्राल की जोड़ी पहले गेम में 10-21 से हारने के बाद मुकाबले से हट गई। पिछले साल अल ऐन मास्टर्स सुपर 100, तुर्किये इंटरनेशनल चैलेंज और तेलंगाना इंडिया इंटरनेशनल चैलेंज खिताब जीतने वाली यह भारतीय जोड़ी अब स्कॉटलैंड के अलेक्जेंडर डन और एडम प्रिंगल की जोड़ी से भिड़ेगी। इससे पहले विश्व रैंकिंग में 63वें स्थान पर काबिज आकर्षी ने पहले मुकाबले में हमवतन श्रीयांशी वलीशेट्टी को 21-19, 17-21, 21-13 से हराया और फिर अगले मैच में ताइपे की ली वाई एच को 21-17, 21-19 से मात दी। अब उनका मुकाबला सिंगापुर की येओ जिया मिन से होगा। पुरुष एकल के क्वालीफाइंग राउंड में एस सुब्रमणियन को मलेशिया के ली जी जिया से 12-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। ली ज़ी जिया पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता हैं और 2025 सत्र में चोटों से जूझने के बाद वापसी का प्रयास कर रहे हैं। महिला युगल में, भारतीय जोड़ी अश्विनी भट के और शिखा गौतम को रुई हिरोकामी और सायका होबारा की जापान की जोड़ी के खिलाफ वॉकओवर मिला।

निर्यात आधारित औद्योगिक समूहों को फिर से मजबूत करने के प्रयास तेज

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने निर्यात आधारित औद्योगिक समूहों को फिर से मजबूत करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। इसलिए निर्यात उन्मुख औद्योगिक समूहों के साथ बैठक में क्षमताओं को बढ़ाने और निर्यात बाजारों में अधिक भागीदारी को सक्षम बनाने पर बल दिया गया। राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (एनआईसीडीसी) ने निर्यात उन्मुख औद्योगिक समूहों के पुनरुद्धार पर हितधारकों के साथ वाणिज्य भवन में एक परामर्श बैठक उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया की अध्यक्षता में की। बैठक में हितधारकों ने बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी अपनाने और घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए समग्र क्लस्टर पुनरुद्धार का आह्वान किया।

सरकार ने हवाई यात्रा को और आसान बनाने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए

एजेंसी

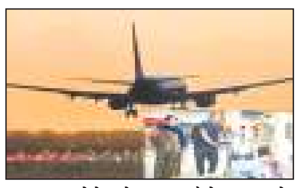

नई दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बुधवार को हवाई यात्रा को और आसान बनाने के लिए कुछ नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सरकार विमानन कंपनियों से कहा कि किसी भी फ्लाइट में कम से कम 60 फीसदी सीटें अतिरिक्त शुल्क के बगैर उपलब्ध करानी होंगी, ताकि सभी यात्रियों को बराबरी का मौका मिले। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एयरलाइन यात्रियों के लिए पारदर्शी और सुविधाजनक हो। नए दिशा-निर्देशों में यह भी कहा गया है कि एक ही पीएनआर (पैसेंजर नेम रिकॉर्ड) पर यात्रा करने वाले यात्रियों को साथ में बैठाया जाए। इसके तहत यह कोशिश की जाए कि वे पास-पास की सीटों पर बैठ सकें। इससे परिवार या समूह में सफर करने वाले लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। ये निर्देश घरेलू उड़ानों पर लागू होंगे। ये कदम ऐसे समय में उठाए गए हैं, जब सीट चयन सहित विभिन्न सेवाओं के लिए विमानन कंपनियां अधिक शुल्क वसूल रही हैं। डीजीसीए ने विमानन कंपनियों को निर्देश दिया है कि हर उड़ान में कम से कम 60 फीसदी सीट बिना अतिरिक्त शुल्क के उपलब्ध कराई जाएं, ताकि निष्पक्ष पहुंच सुनिश्चित हो सके। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने बताया कि यात्रियों की सुविधा को और बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि नए निर्देशों में 60 फीसदी सीट बिना अतिरिक्त शुल्क, परिवारों के लिए साथ बैठने की व्यवस्था और खेल उपकरण, संगीत वाद्ययंत्र एवं पालतू जानवरों के परिवहन के लिए स्पष्ट तथा पारदर्शी नियम शामिल है। मंत्री ने बताया कि देरी और टिकट रद्द कराने की स्थिति में भी यात्री अधिकारों के प्रवर्तन को मजबूत किया जाएगा। मंत्रालय ने बताया कि एयरलाइन वेबसाइटों, मोबाइल एप्लिकेशनों, बुकिंग प्लेटफॉर्मों और हवाई अड्डे के काउंटरों पर यात्रियों के अधिकारों का प्रमुखता से प्रदर्शन के निर्देश जारी किए गए हैं। इसके अलावा यात्रियों के अधिकारों की स्पष्ट जानकारी क्षेत्रीय भाषाओं में दी जाने को कहा गया है, ताकि व्यापक पहुंच और जागरूकता सुनिश्चित हो सके। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने, पारदर्शिता सुनिश्चित करने, शिकायतों को कम करने और विमानन तंत्र में सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

वेदांता लिमिटेड ने 2024-25 में लगभग 1.5 करोड़ टन कचरे का पुनर्चक्रण किया

नयी दिल्ली। विभिन्न कारोबार क्षेत्रों में कार्यरत कंपनी वेदांता लिमिटेड ने बुधवार को कहा कि उसने वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 1.5 करोड़ टन कचरे का पुनर्चक्रण या पुनः उपयोग किया है। इसके साथ ही कंपनी ने वित्त वर्ष 2020-21 से 'फ्लाई ऐश' (औद्योगिक उप-उत्पाद) का 100 प्रतिशत उपयोग बनाए रखा है, जो इसके परिचालन में निरंतर प्रगति को दर्शाता है। विश्व पुनर्चक्रण दिवस के अवसर पर जारी एक बयान में कंपनी ने कहा, ''यह उपलब्धि सतत विकास और कचरे के जिम्मेदार प्रबंधन के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दोहराती है। यह एक मजबूत संसाधनों के महत्तम इस्तेमाल की अर्थव्यवस्था बनाने पर हमारे ध्यान को रेखांकित करती है। वेदांता ने कहा कि वह कचरे को मूल्यवान संसाधनों में बदलने के लिए नवोन्मेषण पर ध्यान देना जारी रखेगी।

इस्पात आयात से संबंधित मुद्दों पर चर्चा के लिए मंत्रालय 23 मार्च को करेगा खुली बैठक

नई दिल्ली। इस्पात मंत्रालय 23 मार्च को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के नेताजी नगर स्थित जीपीओए-3 की तीसरी मंजिल पर स्थित इस्पात कक्ष में एक खुली बैठक का आयोजन करेगा। इस बैठक में इस्पात आयात से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इस्पात मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि कंपनियां और संगठन संबंधित अपने मुद्दों को इस बैठक में प्रस्तुत कर सकते हैं। इस बैठक में भाग लेने के लिए tech-steel[at]nic[dot]in पर ईमेल भेजकर उपरोक्त तिथि के लिए निश्चित समय स्लॉट प्राप्त किया जा सकता है। मंत्रायल के मुताबिक ई-मेल भेजते समय निम्नलिखित जानकारी शामिल की जा सकती है:- कंपनी/एसोसिएशन का नाम, उद्योग और उत्पाद का प्रकार, जैसे ऑटोमोबाइल / एयरोस्पेस/ दूरसंचार/ रक्षा, आदि। यह समस्या एसआईएमएस/एसएआरएएल एसआईएमएस और क्यूसीओ छूट से संबंधित है। यदि कोई हो तो एसआईएमएस/एसएआरएएल एसआईएमएस/क्यूसीओ छूट आवेदन का संदर्भ दें। समस्या का संक्षिप्त विवरण (अधिकतम 50 शब्द), प्रतिभागी का नाम और पदनाम (किसी तीसरे पक्ष का प्रतिनिधित्व स्वीकार्य नहीं है) और प्रतिभागी की संपर्क जानकारी (मोबाइल नंबर और ईमेल) शामिल है। मंत्रालय के मुताबिक इस खुली बैठक का आयोजन सुबह 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक किया जाएगा और समय-सीमा की जानकारी ईमेल के माध्यम से दी जाएगी। व्यवस्था संबंधी परेशानियों के कारण बिना पूर्व बुकिंग के प्रवेश संभव नहीं होगा और व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक संगठन से केवल एक प्रतिनिधि को ही अनुमति दी जाएगी।

घरेलू सौर विनिर्माण को मजबूत करने के लिए एएलएमएम ढांचे का विस्तार : जोशी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सौर सिल्लियों और वेफर्स के लिए अनुमोदित मॉडल और निर्माता सूची (एएलएमएम) फ्रेमवर्क का विस्तार किया है, जो 1 जून, 2028 से प्रभावी होगा। यह कदम सौर आपूर्ति श्रृंखला में घरेलू मूल्यवर्धन को बढ़ावा देने, आयात पर निर्भरता कम करने और वैश्विक सौर ऊर्जा उत्पादन केंद्र बनने की भारत की महत्वाकांक्षा को मजबूत करने की दिशा में उठाया गया है। केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को बताया कि यह भारत के सौर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

सोना हुआ महंगा, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान मजबूती का रुख नजर आ रहा है। बुधवार को कारोबार की शुरुआत में ही हाजिर सोने के भाव में 620 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 680 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई। इसी तरह चांदी भी आज 5,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगा हो गया। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,58,090 रुपये से लेकर 1,58,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,44,910 रुपये से लेकर 1,45,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,75,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,58,240 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,45,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,58,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,58,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,44,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,58,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,44,910 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,58,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,58,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,44,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,58,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,45,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,58,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,44,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,58,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,58,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,44,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

वाराणसी के आधा दर्जन जर्जर थानों का होगा कायाकल्प

- मिलेगा प्रशासनिक भवन का उपहार
- परियोजना की कुल अनुमानित लागत लगभग 2922.77 लाख रुपये

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में पुराने और जीर्ण–शीर्ण अवस्था में पहुंच गए थानों का कायाकल्प होगा। जिले के ऐसे आधा दर्जन थानों को शीघ्र प्रशासनिक भवनों का उपहार मिलेगा। जिले के शिवपुर, फूलपुर, लालपुर पांडेयपुर, मिर्ज़ामुराद, राजातालाब और बड़ागांव थानों के लिए नए भवनों का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। वाराणसी पुलिस कमिश्नर के अनुसार नये भवनों के निर्माण से न केवल पुलिसकर्मियों को कार्य करने के लिए बेहतर वातावरण मिलेगा, बल्कि आमजन को भी अपनी शिकायतें दर्ज कराने में सुविधा मिलेगी। इन नए थानों के प्रशासनिक भवनों को 'भूतल और दो मंजिला' (जी प्लस) संरचना के रूप में तैयार कराया जा रहा है। इन भवनों में आधुनिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आने वाले आगंतुकों के लिए विशेष विजिटर रूम और सुसज्जित शिकायत कक्ष बनाए जा रहे हैं। इसमें महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए भवनों में अलग महिला रेस्ट रूम और महिला हवालात की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। इस पूरी परियोजना की कुल अनुमानित लागत लगभग 2922.77 लाख रुपये तय की गई है। प्रत्येक थाने का निर्माण लगभग 2582.77 वर्ग मीटर के विशाल क्षेत्रफल में किया जा रहा है ताकि सभी विभाग व्यवस्थित रहे। इन भवनों में प्रभारी निरीक्षक कक्ष, सब-इंस्पेक्टर और हेड कांस्टेबल कक्ष के साथ-साथ जवानों के रहने के लिए आधुनिक बैरक और स्टाफ रूम भी होंगे। इसके अलावा कम्प्यूटर सर्वर रूम, डायल 112 कक्ष, मीटिंग हॉल, मालखाना और पूछताछ (इंटेरोगेशन) रूम सहित अन्य तकनीकी सुविधाएं भी उपलब्ध रहेगी।पुलिस कर्मियों के खान-पान और विश्राम के लिए किचन, डाइनिंग हॉल और रिक्रिएशन रूम की भी विशेष व्यवस्था की गई है। पुलिस कमिश्नर के अनुसार नए भवनों के निर्माण कार्य की समय-सीमा निर्धारित कर दी गई है और उम्मीद है कि ये सभी थाने अगस्त या सितम्बर तक पूरी तरह बनकर तैयार हो जाएंगे। पुलिस विभाग का मानना है कि चूंकि पुलिसकर्मी 24 घंटे ड्यूटी पर रहते हैं, इसलिए बेहतर बुनियादी ढांचे से उनका मनोबल और कार्यक्षमता दोनों में वृद्धि होगी। आरामदायक सुविधाएं मिलने से लंबे कार्य घंटों के दौरान उन्हें आवश्यक विश्राम मिल सकेगा, जिससे पुलिसिंग की गुणवत्ता में सुधार आएगा।

अमृतानंदमयी मां 1100 से अधिक भक्तों के साथ पहुंची अयोध्या

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अयोध्या। माता अमृतानंदमयी अपने 1100 से अधिक भक्तों के साथ अयोध्या पहुंच गई हैं। वे गुरूवार को राम मंदिर में आयोजित होने वाले वर्ष प्रतिपदा महोत्सव में शामिल होंगी। मां अमृतानंदमयी ने पूरे राम मंदिर परिसर का भ्रमण किया। यह जानकारी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने दी। बुधवार को ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि माता अमृतानंदमयी अपने 1100 से अधिक भक्तों के साथ अयोध्या पहुंच गई हैं। आज विश्व हिन्दू परिषद के संरक्षक निदेशचन्द्र के साथ अमृतानंदमयी ने पूरे राम मंदिर परिसर का अवलोकन किया। महासचिव राय ने बताया कि वर्ष प्रतिपदा पर गुरूवार को श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में कार्यक्रम से पूर्व आमंत्रित अतिथियों के आवास के आसपास नववर्ष के प्रथम दिवस स्वयंसेवकों का एकत्रीकरण होगा। संघ की शाखा लगेगी तथा ध्वज प्रणाम के साथ ही आद्य सरसंघचालक प्रणाम किया जाएगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक के सम्मान और स्मृति में यह प्रणाम किया जाता है। आमंत्रित प्रतिष्ठितजनों के लिए आठ स्थानों पर भोजनालय की व्यवस्था की गई है। प्रवेश के लिए मुख्यतः दो द्वारों बिड़ला धर्मशाला के सामने और रंग महल बैरियर निर्धारित किया गया है। आवासीय प्रबंध के बारे में बताया कि मन्दिर से पूर्व दिशा में पूर्वी उत्तर प्रदेश के विशिष्ट अभ्यागतजन रुकेंगे तथा मन्दिर के आसपास रामघाट,दोराही कुंआ आदि क्षेत्र में उत्तराखंड, मेरठ व ब्रज प्रांत के आमंत्रितजनों की आवासीय व्यवस्था की गई है। बाहर से बसों से आने वाले निर्माण सहयोगियों के ठहरने का प्रबंध चूड़ामणि चौराहे के आस पास तथा तीर्थ क्षेत्र पुरम में किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि मन्दिर आंदोलन और निधि संकलन में दायित्व निभाने वाले कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में बुलाए गए हैं। उन्होंने कहा कि स्थानाभाव के कारण अनेक कार्यकर्ताओं को नहीं आमंत्रित किया जा सका है। महासचिव ने यह भी बताया कि अधिकतम दस बजे तक प्रवेश मिलेगा तथा पौने दो बजे तक कार्यक्रम सम्पन्न होने के बाद आमन्त्रितजनों को दर्शन कराया जाएगा। इस दिन के लिए विशेष दर्शन पास नहीं बनेगा, लेकिन सामान्य दर्शन चलता रहेगा। नवरात्र से ही दर्शन की समयावधि भी बढ़ाई जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि आमंत्रितजन प्रवेश से पूर्व जलपान/भोजन आवासीय स्थान से कर के आएंगे और वापस जाने पर भी कर सकेंगे। कार्यक्रम स्थल पर भी अल्पाहार की व्यवस्था की गई है। व्रत रखने वालों का विशेष ध्यान रखा गया है। महासचिव ने कहा कि जो चाहें उसी दिन अन्यथा ठहरकर अगले दिन जा सकते हैं।

- राष्ट्रपति के कार्यक्रम से पूर्व आद्य सरसंघचालक प्रणाम करेंगे राममंदिर में आमंत्रित अतिथि

एमजीयूजी में एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी गुरुवार से

गोरखपुर। एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस जैसी वैश्विक स्वास्थ्य चुनौती से निपटने के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय की तरफ से 19 से 21 मार्च तक तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। जिस का विषय 'एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंसः सर्विलांस फ्रॉम स्ट्रीट टू हॉस्पिटल फॉर इंटीग्रेटेड एपिडेमियोलॉजी एंड लोकल डिफेंस' रखा गया है। संगोष्ठी के संयोजक प्रो. (डॉ.) सुनील कुमार सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार को संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) एम. एल. बी. भट्ट, (निदेशक, कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर हॉस्पिटल, लखनऊ) उपस्थित रहेंगे।

बीएड अभ्यर्थियों ने योग शिविर में सूर्य नमस्कार कर दिखाया उत्साह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में युवा भारत एवं एम.बी. योग संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आदर्श जनता महाविद्यालय, कोलना (चुनार) में चल रहे पांच दिवसीय योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर के तीसरे दिन बुधवार को बीएड अभ्यर्थियों ने ऊर्जा, अनुशासन और एकाग्रता के साथ सूर्य नमस्कार का सशक्त अभ्यास किया। शिविर में प्रतिभागियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। राष्ट्रीय योगासन जज एवं योग गुरु योगी ज्वाला सिंह ने अभ्यर्थियों को नमस्कारासन, हस्तोत्तानासन, पादहस्तासन, अश्वसंचालनासन, पर्वतासन, अष्टांग नमस्कार, भुजंगासन सहित सूर्य नमस्कार के विभिन्न चरणों का विधिवत अभ्यास कराया। उन्होंने बताया कि सूर्य नमस्कार 12 चरणों का एक संपूर्ण योग अभ्यास है, जो शरीर और मन दोनों के लिए अत्यंत लाभकारी है। योग गुरु ने कहा कि नियमित अभ्यास से शरीर लचीला और मजबूत बनता है, मेटाबॉलिज्म तेज होता है, जिससे वजन नियंत्रण में मदद मिलती है। साथ ही यह हृदय और फ़ेफड़ों को मजबूत बनाता है, पाचन तंत्र को दुरुस्त करता है और मानसिक तनाव को कम कर एकाग्रता बढ़ाता है। उन्होंने इसे संपूर्ण वर्कआउट बताते हुए कहा कि यह शरीर के लगभग सभी प्रमुख मांसपेशी समूहों को सक्रिय करता है। उन्होंने अभ्यर्थियों को सावधानी बरतने की सलाह देते हुए कहा कि हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर या पीठ दर्द से पीड़ित लोग विशेषज्ञ की सलाह के बाद ही इसका अभ्यास करें।

महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सीमा सिंह ने कहा कि सूर्य नमस्कार के 12 चरण जीवन को नई दिशा देने की क्षमता रखते हैं। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है और योग इसके लिए सबसे सरल माध्यम है। इस दौरान उप प्राचार्य प्रदीप सिंह, श्याम सिंह, दिनेश विश्वकर्मा, सुजीत कुमार, अनीता देवी, सारांश यादव सहित बड़ी संख्या में बीएड अभ्यर्थियों प्रतीक्षा कुमारी, कंचन सिंह, सोनम सिंह, सपना मौर्या, पूजा कुमारी, रूपा पटेल, शिखा पटेल, सोनी, प्रतिमा सिंह, नीतू, प्रतिभा, आकाश वर्मा, राजकुमार, सुधीर कुमार विश्वकर्मा आदि ने उत्साहपूर्वक योग सत्र में भाग लिया।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह सम्पादक
डा. सुशील चन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
राधेश्याम मिश्रा आईएएस (रि)
विवेक वार्ष्णेय आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोऑर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेलः noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालयः 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालयः 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

बैल पर आरूढ़ होकर भक्तों को शैलपुत्री के स्वरूप में दर्शन देंगी मां कल्याणी

प्रयागराज। शक्तिपीठ मां कल्याणी देवी जी के मंदिर में मां कल्याणी देवी की महामंत्री श्यामजी पाठक ने विधि विधान पूर्वक अभिषेक पूजन के साथ प्रातः पांच बजे मंगला आरती कर प्रारम्भ किया। उन्होंने कहा कि नौ दिवसीय वासंतिक नवरात्र महोत्सव के अंतर्गत प्रतिदिन वैदिक ब्राह्मणों द्वारा शत चंडी महायज्ञ प्रातः 8 से 11 बजे तक एवं अपराह्नस चार से 6:30 बजे तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नव संवत्सर प्रतिपदा गुरुवार को मां कल्याणी देवी जी का श्रृंगार दर्शन शाम छह बजे से रात 12 बजे तक भक्तों को प्राप्त होगा। मंदिर के अध्यक्ष पंडित सुशील कुमार पाठक ने बताया कि वासंतिक नवरात्र के प्रथम दिवस पर मां कल्याणी देवी शैलपुत्री के स्वरूप में बैल पर आरूढ़ होकर और अपने हाथों में त्रिशूल एवं पुष्प कमल धारण कर अनेक प्रकार के आभूषणों एवं विविध प्रकार के पुष्पों से सुसज्जित होकर चांदी एवं चंदन की महल में विराजेंगी और भक्तों को दर्शन देंगीं। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि शाम सात बजे मां कल्याणी देवी जी की महाआरती की जाएगी। तत्पश्चात कल्याणी देवी धाम के पास स्थित पार्क में नौ दिनों तक चलने वाली 54वां संगीतमय श्री राम कथा का शुभारम्भ किया जाएगा। इस अवसर प्रखर राष्ट्र चिंतक डॉक्टर अनिरुद्ध जी महाराज वृंदावन के द्वारा रात 11 बजे तक भक्तों को राम कथा का अमृतपान प्राप्त होगा।

नवरात्र मेला को लेकर मीरजापुर में भारी वाहनों की नो–एंट्री, डायवर्जन प्लान लागू

मीरजापुर। चैत्र नवरात्र के अवसर पर विंध्याचल धाम में लगने वाले विशाल मेले को लेकर यातायात पुलिस ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। 19 मार्च से शुरू हो रहे मेले में लाखों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए प्रशासन ने 18 मार्च सुबह 6 बजे से 27 मार्च रात 10 बजे तक शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध (नो–एंट्री) लागू कर दिया है। यातायात प्रभारी विवेकानंद सिंह ने बुधवार को बताया कि प्रयागराज की ओर से आने वाले भारी वाहनों को गैपुरा चौराहा से विजयपुर होते हुए लालगंज की ओर मोड़ा जाएगा। वहीं, नटवा तिराहा से विंध्याचल की तरफ भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा, जिन्हें वैकल्पिक मार्गों से डायवर्ट किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शहर में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति करने वाले वाहनों को रात 12 बजे से सुबह 6 बजे तक ही चेकिंग के बाद प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। बालू, गिट्टी, मोरंग और लोहे से लदे वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह रोक रहेगी। दर्शनार्थियों के वाहनों के लिए अलग–अलग पार्किंग व्यवस्था की गई है। प्रयागराज की ओर से आने वाली बसों को अष्टभुजा पार्किंग, जबकि सोनभद्र व मध्य प्रदेश की ओर से आने वाली बसों को अमरावती और हरिश्चंद्र पार्किंग में खड़ा कराया जाएगा। वाराणसी, जौनपुर और भदोही की ओर से आने वाले वाहनों के लिए भी अलग पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं। पार्किंग फुल होने की स्थिति में वैकल्पिक और कंटीजेंसी पार्किंग की भी व्यवस्था की गई है। साथ ही, अमरावती चौराहे पर अस्थायी यातायात नियंत्रण कक्ष स्थापित किया जाएगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी स्थिति में सड़क पर वाहनों को खड़ा नहीं होने दिया जाएगा। इसके लिए क्रेन और मोबाइल टीमों की तैनाती रहेगी। हालांकि एंबुलेंस, स्कूल बस, पेट्रोलियम वाहन और अन्य आपातकालीन सेवाओं को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है। यातायात प्रभारी ने आमजन से अपील की है कि वे व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

नवरात्र मेला में यात्रियों को राहत, मीरजापुर–लखनऊ के बीच चलेगी अनारक्षित मेला स्पेशल ट्रेन

मीरजापुर। चैत्र नवरात्र के दौरान विंध्याचल धाम में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की है। उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज जनसम्पर्क कार्यालय द्वारा जारी सूचना अनुसार मीरजापुर–लखनऊ के बीच अनारक्षित मेला स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। रेलवे के मुताबिक गाड़ी संख्या 04113–04114 मीरजापुर–लखनऊ–मीरजापुर अनारक्षित मेला विशेष ट्रेन का संचालन किया जाएगा। गाड़ी 04113 मीरजापुर से 19 मार्च से 2 अप्रैल तक कुल 15 फ़ेरों में चलाई जाएगी। वहीं गाड़ी 04114 लखनऊ से 20 मार्च से 3 अप्रैल तक 15 फ़ेरों में संचालित होगी। इस विशेष ट्रेन में 12 मेमू कोच लगाए जाएंगे, जिससे अधिक से अधिक यात्रियों को यात्रा की सुविधा मिल सके।

शक्तियों का पर्याय "नवरात्रि"

एस. वी. सिंह 'प्रहरी'

आध्यात्मिक तौर पर 9 का अंक चक्र की पूर्णता का है जहां से आत्मा के पुर्नजन्म तथा उसके समापन की यात्रा प्रारम्भ होती है, ज्योतिष में अंक 9 मंगल ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है जो कि कुण्डली के प्रथम भाव (लग्न) जीव के जन्म तथा आयु समापन के अष्टम भाव का कारक भी मंगल है, मंगल ग्रह ही प्राणवायु ऊजी है जो कि शारीरिक कर्म एवं गति का स्रोत है, मंगल ग्रह समाज का नेतृत्व तथा उसकी सुरक्षा एवं संरक्षता करता है और इस अंक को कलयुग के प्रत्यक्ष एवं चिरंजीवी देवता पूज्य हनुमान जी से जोड़ा गया है इसीलिए यह अंक भी चिरंजीवी है इस अंक से किसी अंक को गुणा करेगें तो उसका योग नौ ही आयेगा, बत्त्वे के जल्म की प्रसव अवधि नौ माह, जीवन संचालन हेतु नी ग्रह, नवरत्न, नो रस तथा भक्ति के नौ रूप आदि महत्वपूर्ण विषये इस अंक से जुड़े है।

जो अमिट है वहीं ब्रम्ह है, वास्तविकता में यह पर्व ब्रम्ह एवं ब्रम्ह की ऊर्ज़ा शक्तियों को समझने एवं उसको संतुलित कर अपने जीवन यात्रा को सुखद बनाने की राह दिखाता है। अब नौ के उपरांत रात्रि के शाब्दिक अर्थ को समझो, बंम्हाण्ड की उत्पत्ति ब्लैक होल से हुई है अशीत सृजन का आधार अधेंरा होता है बत्त्वता भी जल्म से पहले माता के गर्भ में अंधकार की स्थिति में ही अपना प्राकटय स्वरूप बनाता है, चूंकि रात्रि के अंतिम और दिन के बंम्ह वेला में बंम्हाण्ड में सत्व गुण एवं शून्यता की ऊजी का प्रसार रहता है इसलिए इस प्रहर में की गयी साधना का फल श्रीध तथा स्थायी होता है, इसलिए कई महत्वपूर्ण पर्वों में रात्रि की साधना को अधिक महत्व दिया गया है।

आइये अब जानते है कि नौ रात्रि में जिस माताओं की साधना करनी है आखिर वह है कौन और उनकी साधना क्यों करनी चाहिए?

इस वाह्य जगत में जो भी कुछ हो रहा है वह शरीर से और शरीर के द्वारा उत्पन्न इच्छाओं की पूर्ति अशीत शरीर के लिए ही हो रहा है? यहां शिव शक्ति को समझे तो शक्ति हमारा शरीर है जो पंचतत्व एवं सत-रज एवं तमोगुणी ऊजी अंश से सृजित है तथा उस शरीर में चेतना (ज्ञान) के स्वरूप में शिव विद्यमान है यही शिव (ज्ञान) शरीर से उत्पन्न इच्छा से जुड़कर कर्मों को अंजाम देता है वही कर्म प्रारब्ध बनते है और कर्म-प्रारब्ध का चुक को ही जीव के जीवन का चक कहा गया है। ज्ञान की ऊजी स्थिर अपरिवर्तनीय है परन्तु राह ऊजी अंनन्त है परन्तु शरीर की ऊजी पूर्णतया परिवर्तनीय है और जो परिवर्तनीय है उसका परिवर्तन मनुष्य प्रारब्ध और उसकी इच्छा के साथ- साथ वायुमण्डल, देश-काल एवं पात्र की परिस्थितियों से भी होता रहता है इस परिवर्तन से कभी शरीर का संतुलन परन्तु कभी असंतुलन की स्थितियां उत्पन्न हो जाती है।

इन अंसतुलित स्थितियों को संतुलित करने का एक मात्र उपाय है योग-प्राणायाम तथा साधना। और साधना के लिए उपयुक्त समय रात्रि प्रहर की अन्तिम वेला अशीत बंम्ह मुर्हत की वेला।

इस बात को भगवान शिव एवं माता पार्वती की एक कहानी के माध्यम से आसानी से समझा जा सकता है।

एक बार भगवान शित (शरीर की चेतना) जन समाधि में लीन हो रहे थे तो उन्होने माता पार्वती (शरीर तत्व) से निवेदन किया कि उनके समाधिस्थ अवस्था में रहनें तक वह उनके समीप रहकर उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति पर ध्यान दें, माता पार्वती ने इस निवेदन को स्वीकर किया, परन्तु इसी दौरान कुरु दैत्यों ने संसार में भयंकर उत्पात मचाना शुरू किया जिस पर माता पार्वती ने सर्वप्रथम उन दैत्यों को अपने सौम्य सतोगुणी स्वरूप में ही रहकर बारम्बार शांत होने के लिए कहा लेकिन जब वह दैत्यगण शांत नहीं हुए तब उन्होंने अपने मूलगुण को परिवर्तितकर तमोगुणी रूपी महाकाली का प्रचंड़ स्वरूप धारण किया और वह उनका संहार करने लगी परन्तु युद्ध समाप्त होने के पश्चात भी वह अपने मूल सतोगुणी स्वरूप में वापस नहीं आ पा रही थी और तमोगुणी स्वरूप के कारण संसार का विनाश प्रत्यक्ष होने लगा। इन स्थितियों में देवताओं ने भगवान शिव को समाधिस्थ अवस्था से बाहर लाने का प्रयास किया, जब भगवान शिव ने समाधिस्थ अवस्था से बाहर आकर अपनी आंख खोली तो पाया कि प्रकृति रूपी पार्वती अपने महाकाली के तामसिक रूप में संसार का संहार कर रही हैं ऐसे में उन्होनें माता पार्वती को उनके मूल स्वरूप में वापस लाने के प्रयास में वह स्वंम माता काली के सामने लेट गये और जब माता काली जी का पैर भगवान शिव के बढ़ास्थल पर पड़ा तो उन्हें आत्मग्लानि दुई तथा उनको अपने मूल स्वरूप का लोध होने लगा और वह धीरे-धीरे अपने मूल प्रकृति माता पार्वती के स्वरूप में अपने पुरुष तत्व रूपी भगवान शिव के समीप लौट पायी।

चूंकि ऊर्ज़ा का स्वभाव परिवर्तनशील एवं गतिशील होता है इसीलिए प्रत्येक मनुष्य जव संसार में अपनी जीवन यात्रा तय करता है तो उसकी प्रकृति रूपी ऊजी संसार में उसके कर्मी, खान-पान, समान, प्राकृतिक वातावरण आदि विभिन्न प्रकार के गुणों अर्थात सत्व, रजस एवं तमसः प्रधान आभामण्डल से होकर गुजरती रहती है जिसके कारण वह ऊर्ज़ा कभी-कभी प्रदुषित और असंतुलित होकर मनुष्य के अत्यंत दुःस्लों का कारण वन जाती है ऐसी अवस्था को संभालना अथवा ऐसी अवस्थाओं से अपने मूल गुणों में वापस आ पाना उसके वश के बाहर हो जाता है। इन स्थितियों में उसको संतुलित अवस्था में लाने का एक ही माध्यम है साधना तथा योग प्राणायाम। आध्यात्मिक रूप से मन को संतुलित करने के लिए अष्टांग योग के प्रथम पांच अंग बहिरंग रूप में राम (नैतिकता), नियम (अनुशासन), आसन (शारीरिक स्थिरता), प्राणायाम (प्राण अर्थात श्वांस एवं मन पर नियत्रण), एवं प्रत्याहार (वाहटी विषयों से हटकर अर्न्तमुखी होना) होते है तथा तीन अंतरंग रूप ध्यान (चिंतन), धारणा (एकाग्रता) एवं समाधि (आत्मसाक्षात्कार) होते है। वहिरंग एवं अंतरंग साधना से मनुष्य को जब अपनी आंतरिक शक्ति रूपी ऊर्ज़ाओं से परित्तरा होता है तभी मनुष्य को अपनी प्रकृति को बाह्य एवं आंतरिक ऊर्ज़ा शक्तियों को संतुलन करने की शक्ति प्राप्त हो जाती है, वेदों में भी इस बात का उल्लेख है कि माता पार्वती को भी अपने शिव रूपी पुरुष तत्व को पाने के लिए इसी अष्टांग योग का सहारा लेना पड़ा और तभी माता पार्वती को भी अपने अंदर व्याप्त माता आदिशक्ति की शक्त्तियों एवं स्वरूप का यहां प्रश्न उठता है कि अपनी प्रदुषित ऊर्ज़ाओं के शुद्धिकरण के लिए वर्ष में नवरात्रि पर्व को ही क्यों चुना गया? वस्तुतः पूरे वर्ष में चार नवरात्रि कमशः चैत्र, आषाढ, अश्विन, पौष माह में होते है इसमें से दो गुप्त तथा दो प्रत्यक्ष नवरात्रि होती है इसमें चैत्र माह की नवरात्रि सवसे बड़ी तथा अश्विन माह को छोटी नवरात्रि बताया जाता है. नवरात्रि का समरा ऋतुओं का संधिकाल का होता है संधिकाल के समय में वातावरण में ऋतुओं की ऊजीओं का परिवर्तन होता है अर्थात परिवर्तन के दौरान नवरात्रि के समय में वातावरण में शुन्यता का प्रभाव अधिक होता है इसलिए यदि इस अवधि में साधना करके मनुष्य अपनी ऊर्ज़ाओं में परिवर्तन कर उनको संतुलित करने का अनुष्ठान करता है तो वातावरण की ऊर्ज़ा भी उसको भरपूर सह?योग प्रदान करती है जिससे वह अपनी मूल प्रवृत्ति को आसानी से पा सकता है। चैत्र माह की प्रमुख नवरात्रि इसलिए बड़ी कही गयी है क्योकि राह हिन्दू धर्म में इस माह से नववर्ष का प्रारम्भ होता है।

माता दुर्गा की अलग-अलग प्रकार के विषयों को जन्म देने वाली नी ऊर्जीरों (जिन्हें नौ ग्रहो की ऊर्ज़ा भी कहा गया है जो मनुष्य शरीर के अन्दर सात तक तथा दो नाडियां के रूप में विहामान होती है जन्म के समरा मनुष्य के प्रारब्ध के अनुसार ग्रहों की ऊर्ज़ारो विभिन्न चक्रों में स्थापित हो जाती है जो कि ब्रम्हाण्ड में गहो की चाल से निरंतर उर्जित होकर तरा प्रारब्ध के अनुसार कर्मों का निर्माण करती है ज्योतिष शास्त्र में कहा गया है कि जब मनुष्य अपनी मूल ऊर्ज़ाओं से हटता है तभी उसको दुःख एवं तकलीफो का सामना करना पड़ता है व्यक्ति को संसार का वाहय आकर्षण, देश, काल, पात्र, स्थान एवं वायुमण्डल आदि उसके मूल से अलग करते है अधिकतम मामलों में यह प्राकृतिक रूप से स्वतः अलग हो जाता है उसको अपने मूल में पुर्नस्थापित करने की प्रकिया ही साधना होती है। नवरात्रि का समरा में संम्हाण्ड की शून्यता मनुष्य को अपनी ऊर्ज़ाओं को संतुलित करने हेतु साधना का पर्याप्त अवसर प्रवृत्त करती है और मनुष्य को नवरात्रि पर्व के व्रत एवं अनुष्ठान करने से उसको स्वयं अपनी ऊर्ज़ाओं को संतुलन करने की शक्तियां प्राप्त हो जाती है और वह अपने जीवन के मूल उद्देश्यों की प्राप्ति कर तमाम सिद्धियां एवं आध्यात्मिक शक्त्तियां भी प्राप्त कर सकता है।

परमपिता शिव जय माँ आदिशक्ति।